वर्ष-31, अंक- 251, पृष्ठ-12 | असाढ़ शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शनिवार
28 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

हजारों लोगों ने खींचा रथ, मेले में ग्रामीणों और जनजातियों की भीड़

जनता जनार्दन के बीच पहुंचे प्रभु जगन्नाथ

- भक्ति में डूबी रांची
- मौसी घर पहुंचे भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र
- अगले नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में निवास करेंगे भगवान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को प्रभु जगन्नाथ जनता जनार्दन के बीच पहुंचे। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा तीनों श्रीविग्रहों की श्रद्धा के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भव्यता के साथ मुख्य मंदिर धुर्वा से मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के रथ को हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक खींचा। मुख्य मंदिर जगन्नाथपुर से लेकर मौसीबाड़ी मंदिर तक का वातावरण आस्था और भक्ति में डूबा रहा।

भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र अगले नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में निवास करेंगे। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी (06 जुलाई 2025) को उनकी पुनः मुख्य मंदिर में वापसी होगी। उस दिन की रथ यात्रा को घुरती रथ यात्रा कहते हैं।

शुक्रवार को रथयात्रा को लेकर पूरी रांची भक्ति में डूबी हुई थी। अहले सुबह से यहां मंदिर परिसर और मेले में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। हर कोई रथ को छूने और भगवान को मौसीबाड़ी तक पहुंचाने की लालसा लिए अनुष्ठान में शामिल होना चाह रहा था। आचार्य और श्रद्धालुओं के जयकारों, मंत्रोच्चार और वाद्ययंत्रों की गूंज ने जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में भक्तिभाव से लोगों को सराबोर कर दिया।

जगन्नाथपुर मंदिर में रथयात्रा के दौरान शुक्रवार को दिनभर विशेष पूजा-अनुष्ठान का आयोजन हुआ। भोर में चार बजे मंगल आरती से वैधानिक कार्यक्रम शुरू होकर रात आठ बजे श्री विग्रहों के शयनम से पूरा हुआ। जगन्नाथपुर मंदिर के मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी के अनुसार, सुबह चार बजे मंगला आरती हुई। इसके बाद भगवान को पंचामृत स्नान कराया गया। पांच बजे श्री विग्रहों का दर्शन सुलभ हुआ। इसके बाद दिन में दो बजे तक भोग, हवन, कीर्तन और आरती जैसे धार्मिक अनुष्ठानों की प्रक्रिया जारी रही।

मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी के अनुसार, दिन में दो बजे श्रद्धालुओं के लिए दर्शन बंद हुआ। सभी श्री विग्रहों को मुख्य मंदिर से रथ के लिए क्रमशः श्री सुदर्शनचक्र गरुड़जी, लक्ष्मी नरसिंह, बलभद्र स्वामी, सुभद्रा माता, श्री जगन्नाथ स्वामी को रथ के लिए प्रस्थान कराया गया। दिन में 2:30 बजे तक सभी विग्रहों का रथ के ऊपर स्थापित किया गया। इसके बाद दिन में 2:30 से 3:00 बजे तक विग्रहों का श्रृंगार किया गया। दिन में 3:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक भक्तों ने रथ के पास श्री लक्षार्चना, शाम 4:30 बजे अर्चित पुष्प को जगन्नाथ स्वामी के चरणों पर समर्पित कर आरती जगन्नाथषकम गीता पाठ किया। इसके बाद विशेष उत्तरदायी व्यक्तियों ने शेष पेज 11 पर...

चैनपुर में श्रद्धा व उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

- राजघराने की परंपरा को निभाते हुए भक्तों ने खींची भगवान की रथ की रस्सी

चैनपुर। चैनपुर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पारंपरिक श्रद्धा और भव्यता के साथ निकाली गई। संध्या 4 बजे मुख्य पुजारी मृत्युंजय पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजा उपरांत श्रद्धालुओं के जयघोष के बीच भगवान की प्रतिमा को रथ पर विराजमान कराया गया। इसके बाद भक्तों द्वारा रथ की रस्सी खींचकर रथ यात्रा को शुभारंभ किया गया। रथ यात्रा जैसे ही चैनपुर गढ़ परिसर से निकली, पूरे क्षेत्र में 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष गूंजने लगे। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और कीर्तन मंडली के भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में महिलाओं, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की भारी भागीदारी रही। सभी श्रद्धालु भगवान को प्रसाद अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। यह रथ यात्रा चैनपुर गढ़ परिसर से प्रारंभ होकर चैनपुर बाजार, हॉस्पिटल चौक होते हुए किथुनदाहा मंदिर स्थित मौसीबाड़ी तक पहुंची। यहां भगवान तीन दिनों तक विश्राम करेंगे, तत्पश्चात वापस गढ़ परिसर स्थित मंदिर लौटेंगे। बताया जाता है कि चैनपुर में रथ यात्रा की शुरुआत चैनपुर राजघराने के युवराज राजा भगवत दयाल सिंह ने करवाई थी। वे भगवान जगन्नाथ के परम भक्त माने जाते थे और उनके लिए प्रतिदिन रांची के जगन्नाथ मंदिर से प्रसाद मंगाया जाता था। रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा। चैनपुर थाना द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की समुचित तैयारी की गई थी। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। यह रथ यात्रा क्षेत्र की धार्मिक एकता और परंपरा का प्रतीक बनकर सामने आई।

रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना है कि यह शुभ यात्रा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करे। जय जगन्नाथ।

- संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल मैं वहां उपस्थित होता था। अभी आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अस्वस्थ हैं, इसलिए मैं रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया हूं। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि आदरणीय गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आएं और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाएं रखें। भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें, धन्यवाद, जोहार!

- हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

महाप्रभु जगन्नाथ, वीर बलराम एवं मां सुभद्रा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

- बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

जगन्नाथपुर मेला मानवता और समर्पण का प्रतीक : सुधांशुनाथ

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं मंदिर के प्रथम सेवक और सेवाईत एवं बड़कागढ़ स्टेट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव के अनुसार, यह रथयात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मानवता, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र नौ दिनों के लिए मौसीबाड़ी पहुंचे हैं। वहां नौ दिनों तक भगवान को गुंडीचा भोग लगेगा। विधि विधान के साथ पूजा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह पर्व हमारे जीवन में शुद्धता, त्याग और धर्म की भावना जागृत करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे श्रद्धा और अनुशासन के साथ रथयात्रा उत्सव में भाग लें और झारखंड की इस सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखें।

शिबू सोरेन की स्थिति चिंताजनक

- दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में हैं इलाजरत

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/नई दिल्ली। दिल्ली में इलाजरत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। राज्य भर में लोग गुरुजी के स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। ज्ञात हो कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भी उनकी स्थिति में गिरावट पर चिंता जताते हुए उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। हाल में ब्रेन स्ट्रोक के कारण उनके शरीर का बायां हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया है। वे किडनी की बीमारी से पहले से जूझ रहे हैं और पिछले एक साल से डायलिसिस पर हैं। इसके अलावा वे डायबिटीज से भी पीड़ित हैं। कुछ साल पहले उनकी ओपेन हार्ट सर्जरी भी हुई थी। पारिवारिक सूत्रों की ओर से बताया गया है कि अस्पताल में न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। अस्पताल में दाखिल कराए जाने के बाद से उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। गुरुवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य के बारे में उनके पुत्र झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जानकारी ली थी। इसके पूर्व झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी अस्पताल में शिबू सोरेन से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन एवं बसंत सोरेन सहित परिवार के कई लोग दिल्ली में हैं। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित झारखंड कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शुक्रवार को शिबू सोरेन से मिलने दिल्ली पहुंचे हैं। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोरेन की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है, झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने की सूचना से मन अत्यंत चिंतित है।

नवजात को सड़क किनारे फेंका, इलाज के दौरान हुई मौत

चतरा। टंडवा थाना क्षेत्र में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। सराढू-टंडवा मुख्य पथ के किनारे एक नवजात शिशु को सड़क किनारे फेंक दिया गया। यह हृदयविदारक घटना शुक्रवार की अहले सुबह सराढू गांव के पास की है। ग्रामीणों ने जब नवजात को सड़क किनारे तड़पते देखा तो तत्काल इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलने पर अंचल अधिकारी विजय कुमार दास ने स्वास्थ्य विभाग को शीघ्र बच्चे को अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया। इसके बाद स्वास्थ्य सहिया कांति देवी और ग्रामीण नारायण रजक ने नवजात को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां स्थानीय चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया। शिशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, उपचार के दौरान नवजात की मौत हो गई। हजारीबाग मुक्ति धाम सेवा संस्थान के प्रतिनिधि नीरज पासवान ने बताया कि शिशु का पोस्टमार्टम कराया गया है। शव को अस्पताल परिसर में 72 घंटे तक रखा जाएगा। यदि इस अवधि में कोई परिजन दावा नहीं करता है तो संस्थान की ओर से शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

नीति आयोग से मिलेगा चतरा को 10 करोड़ का पुरस्कार

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में चतरा को शीर्ष रैंकिंग

- गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए चुना गया

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। नीति आयोग की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है।

नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गई। इसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। ज्ञात हो कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले चतरा जिले को नीति आयोग द्वारा 10 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है। इसके अलावा, गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए भी चुना गया है। इस उपलब्धि पर चतरा जिले की उपायुक्त कीर्ति श्रीजी ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सफलता आकांक्षी जिला कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में चतरा जिले की मजबूत पहल और सतत प्रयास का प्रमाण है।

लोहरदगा में दादी और पोते की हत्या

- सदर थाना क्षेत्र के भक्सो डूमरटोली गांव में डबल मर्डर से दहशत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में दोहरे हत्याकांड की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के भक्सो डूमरटोली गांव में एक महिला और उसके नाबालिग पोते की घर के अंदर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं परिजन गहरे सदमे में हैं। मृतकों की पहचान बरिया उरांव (उम्र लगभग 60 वर्ष) और उनके नाबालिग पोते के रूप में हुई है, जो विनोद उरांव का बेटा था। परिजनों के अनुसार, हत्या रात के अंधेरे में की गई, जब घर के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। सुबह जब परिजन जागे और कमरों की ओर गए, तो दोनों के शव देखकर स्तब्ध रह गए। प्रथम दृष्टया जांच में पुलिस को ज्ञात हुआ है कि नाबालिग की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है, जबकि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। दोनों शव घर के अलग-अलग कमरों में पाए गए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि हत्यारे सुनियोजित ढंग से अंदर घुसे थे।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करना शुरू किया। अब तक हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं किया जा सका है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भक्सो गांव में वृद्धा और किशोर की हत्या की सूचना मिली है। पुलिस पूरे शेष पेज 11 पर...

हरकट्ठा जंगल में जेजेएमपी के उग्रवादियों से हुई मुठभेड़

- बड़ी संख्या में कारतूस, मोबाइल और नक्सली साहित्य बरामद
- अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए उग्रवादी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा और लातेहार की सीमा पर स्थित हरकट्ठा जंगल में पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। इसमें पुलिस दल पर उग्रवादियों ने फायरिंग की, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि, उग्रवादी अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में पुलिस ने बड़ी मात्रा में कारतूस, मोबाइल फोन, नकदी और नक्सली साहित्य बरामद किए हैं। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापामारी की गई थी। सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का सुप्रीमो रवींद्र यादव सहित सचिन, विशाल, कालेश्वर खेरवार एवं शिवजी अपने दस्ते के साथ किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा एवं कमांडेंट, 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लातेहार के निर्देश पर एक संयुक्त छापामारी दल का गठन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व शेष पेज 11 पर...

इंडिया

कहीं दाने को मुंहताज भीड़ तो कहीं अहंकारवश करोड़ों का खाना फेंका जाता है

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

बहुत से लोगों की आदत होती है घर हो या पार्टी खाना लेने के बाद पसंद नहीं आने पर थाली में छोड़ देते हैं या फेंक देते हैं जबकि बहुत से लोग खाने का एक कतरा तक नहीं छोड़ते और उतना ही खाना लेते हैं जितना खा पाएं । बहुत से लोगों का तर्क है कि उन्होंने पैसे देकर खाना खरीदा है इसलिए उनको अधिकार है कि वे खाए या फेंके जहां भारत में इसको लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी इसे धर्म से जोड़ा जाता है कि यह प्रभु का प्रसाद है और फेंकने पर ईश्वर नाराज हो जाएंगे वहीं शहरी क्षेत्र के अनेक संपन्न लोगों के लिए खाना छोड़ देना सामान्य सी बात हो गई है जबकि विदेशों में इसे राष्ट्रीय संपत्ति बताकर बहुत बुरा माना जाता है । संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर हर वर्ष खाद्य सुरक्षा दिवस के आयोजन समूचे विश्व में होते हैं और संकल्प किया जाता है कि भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए न सिर्फ ठोस कदम उठाए जाएंगे, अपितु आमजन को प्रेरित कर शून्य अपशिष्ट की अवधारणा को हासिल किया जाएगा। किसी को भोजन कराना या अन्नदान परमार्थ की भावना है, तो किसी के मुख से निवाला छीनना क्या है? पैसे वाले हों या गरीब सभी को समझना चाहिए कि थाली में छोड़ी गई खाद्य सामग्री सिर्फ जूठन न होकर कितनों के निवाले हैं, जो किसी का पेट भर सकते थे। यदि यह विचार हर इन्सान में दृढ़ता से समा जाए, तो फिर इस धरती पर कोई भी भूखा नहीं रहेगा। दुर्भाग्यवश हम यह मानते हैं कि मात्र हमारे संवेदनशील या उत्तरदायी होने से क्या होगा ? भोजन की बर्बादी को लेकर चिंता महाभारत युद्ध में भी है जब उडुपी के राजा ने दोनों पक्षों की तरफ न रहकर अपने को तटस्थ रखने का निर्णय लिया और भगवान श्रीकृष्ण से अपनी भूमिका के बारे में आदेश देने के लिए कहा। प्रश्न यह था कि युद्ध की अनिश्चितता में कितने लोगों के लिए भोजन तैयार किया जाए क्योंकि 'अन्न ही ब्रह्म है' अवधारणा में एक कण भी बर्बाद नहीं होना चाहिए था.इस संख्या की गणना और निर्धारण करने के लिए भगवान कृष्ण ने उपाय स्वरूप युद्ध के पूरे 18 दिनों तक

मूंगफली खाने का निर्णय किया और उडुपी के राजा द्वारा प्रतिदिन रात्रि में मूंगफली के छिलकों की गणना कर एक हजार से गुणा कर आगामी दिन के संभावित मृत सैनिकों की संख्या का आकलन किया जाता था और उसी अनुरूप भोजन एवं पानी की व्यवस्था की जाती थी। परिणामस्वरूप संपूर्ण युद्ध में जहां सभी सैनिकों के लिए, चाहे वे कौरव हों या पांडव, पर्याप्त मात्रा में भोजन एवं जल उपलब्ध रहा और भोजन का एक भी कण बर्बाद नहीं हुआ। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि हजारों वर्ष पूर्व भी भोजन बचाने को कितना महत्व दिया गया था । संभवतया कुरुक्षेत्र में किए गए व्यवस्थित और उपयुक्त प्रबंधन के रहते ही उडुपी और व्यंजन पर्याय बन गए। लेकिन दुर्भाग्यवश अभी मेहमानों की गणना आसन होने के बावजूद भोजन की बर्बादी सामान्य प्रक्रिया हो गई है।धर्म कोई भी हो भोजन के अपव्यय के प्रति सभी एकमत हैं और बर्बादी की वर्जना को धार्मिक अवहेलना से संबद्ध करते हुए बचाव एवं संयमित उपयोग की सलाह दी गई है। सनातन धर्म जहां अन्न ही ब्रह्म के जरिये सीधे-सीधे अन्न को ईश्वर स्वरूप करार देता है, तो जैन मत अपरिग्रह के सिद्धांत से आवश्यकतानुसार उपभोग का उल्लेख करता है। सिख मत में भोजन आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा है। जैसा कि गुरु अमरदास लिखते हैं, 'निर्माता ने सृष्टि बनाई; निर्माता इसे देखता है, और इसे सांस और पोषण के साथ आशीर्वाद देता है। अतः इसे बर्बाद करना अर्थात सृष्टि के निर्माता का अपमान करना है ।' इस्लाम में कुरान की आयतों और पैगंबर की शिक्षाओं में भी भोजन एवं खाद्यान्न बर्बादी के बारे में उल्लेख मिलता है। कुरान शरीफ में उपभोग की अति के दुष्परिणाम से आगाह करते हुए मौसम के अनुसार सेवन एवं उपज के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने की सीख दी गई है। बाइबिल भी मानव को उत्तरदायी व्यवहार की शिक्षा देते हुए समस्त प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और संरक्षण का संदेश देती है। ईसाई धर्म के कुछ संप्रदायों में भोजन की बर्बादी को दूसरों के अधिकार छीनने के समकक्ष मानते हुए इस सम्मत जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया है। अन्न की बर्बादी रोकने के लिए बुफे सिस्टम अपनाया गया था और अपील भी की जाती है पर बहुत से अहंकारी इसे अपमान मानते हैं । बड़े होटलों,रेस्तरां से लेकर मैरेज हॉल के बाहर सैकड़ों टन बचा हुआ भोजन फेंका जाता है जिसका एक समाधान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रसिद्द पशु वैज्ञानिक डॉ संत कुमार सिंह ने निकाला था कि उसे पालतू सूअरों का भोजन बनाया जाए । यह प्रयोग लोकप्रिय होता तो कम से कम इसकी उपयोगिता बनी रहती।

अधर्म पर धर्म की जीत है भारतीय सेना की कार्रवाई

राष्ट्रीय नवीन मेल

सुखबीर कौर

भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर के अपार सौंदर्य को देखने की इच्छा हर भारतीय के दिल में रहती है, परंतु पाकिस्तानी आतंकियों के आकस्मिक हमले की वजह से लोगों का वहां जाना लगभग कम हो गया है। अनुच्छेद 370 हटाने के उपरांत वहां की सामान्य स्थिति को देखते हुए भारतीय पर्यटकों का रुझान उस ओर बढ़ा, परंतु पहलगाम के पास बैसरन घाटी पर हुए आतंकवादी हमले में हमारे 26 पर्यटक मारे गए और 17 घायल हुए। हमारी माता और बहनों के माथे का सिंदूर छिन गया। इतना ही नहीं, उन्होंने हमारे प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यह मोदी को हमारा संदेश है ।

यदा यदा ही धर्मस्य गलानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम
परित्राणाय साधुनाम विनाशाय च दुष्कृताम
धर्म संस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे।

धर्म की हानि और अधर्म की इस वृद्धि पर स्वयं को (हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने) साकार रूप से प्रकट किया है। अपने नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत तीनों सेना के शूरवीरों ने 6 और 7 मई को आंतक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर पाकिस्तान को धूल चटा दी और उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तानियों को धूल चटाकर सबसे बड़ी स्ट्राइक का जामा पहनाया और मेक इन इंडिया हथियारों में अपना विश्वास जमाया। इस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' को कामयाब बनाया।

एक नजर

स्वीकृत सड़क योजनाओं के टेंडर रद्द करना दुर्भाग्यपूर्ण: कमलेश सिंह

हुसैनाबाद। पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता कमलेश कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वर्तमान विधायक पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में दर्जनों सड़क योजनाएं स्वीकृत हुई थीं, जिन पर टेंडर भी हो चुका था, लेकिन अब उन्हें रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह विकास को अवरुद्ध करने की मानसिकता है। यदि वर्तमान विधायक में इच्छाशक्ति होती तो वे नई योजनाएं लाते, न कि पूर्व स्वीकृत योजनाओं को निरस्त कराते। उन्होंने मांग की कि टेंडर रद्द करने का कारण विभाग स्पष्ट करे और नई निविदाएं जारी की जाएं।

ईंट-भट्ठा संचालक मदन सिंह का निधन, क्षेत्र में शोक

हरिहरगंज। पिपरा प्रखंड अंतर्गत होलेया स्थित शिवम ईंट-भट्ठा के संचालक मदन सिंह (50 वर्ष) का शुक्रवार को पटना में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे किडनी रोग से पीड़ित थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव के होलेया नदी तट पर किया गया। उनके निधन पर धीरज सिंह, अमृत सिंह, जितेंद्र सिंह, मनोज सिंह, अवध सिंह, भीम सिंह सहित कई स्थानीय लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

मुख्य नहर बनी कचरा डंपिंग यार्ड दुर्गंध व जलजमाव से ग्रामीण बेहाल

● बाजार क्षेत्र से गुजरने वाली नहर में फेंका जा रहा सिंगल यूज प्लास्टिक व कचरा, सिंचाई पर पड़ रहा असर

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय स्टेशन रोड से होकर गुजरने वाली मुख्य नहर कचरे का अड्डा बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा प्रबंधन की व्यवस्था के बावजूद आज भी बाजार क्षेत्र का सारा कचरा पुल के पास नहर में ही फेंका जा रहा है। इसमें सिंगल यूज प्लास्टिक, थमाकोल, मछलियों के अवशेष जैसे कई अपशिष्ट शामिल हैं, जिससे चारों ओर बदबू फैल रही है। राहगीर और नहर के आसपास रहने वाले लोग लगातार दुर्गंध झेल रहे हैं, वहीं बारिश के दिनों में यह कचरा बहकर खेतों में पहुंचता है जिससे सिंचाई बाधित होती है और फसलों को नुकसान होता है। मुख्य नहर में कचरा डंपिंग न केवल पर्यावरणीय संकट उत्पन्न कर रही है, बल्कि यह स्थानीय प्रशासन की लापरवाही को भी उजागर कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार पंचायत और प्रखंड प्रशासन से इस मामले की शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों का कहना है कि नहर से खेतों तक पानी लाने का प्रयास कचरे की वजह से असफल हो जाता है। यह नहर न केवल सिंचाई की रीढ़ मानी जाती है, बल्कि वर्षा ऋतु में जल निकासी का भी प्रमुख मार्ग है। अब जब धान की बुआई का समय नजदीक आ रहा है, किसान सिंचाई के लिए नहर की सफाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस नहर की नियमित सफाई करवाई जाए और कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। यह स्थिति न केवल जनस्वास्थ्य के लिए खतरनाक है बल्कि फसल उत्पादन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

गांजा की खेती करने वाला गिरफ्तार, पौधों को किया गया नष्ट

पुलिस ने दो कट्ठा में लगे पौधों को किया नष्ट, आरोपी को भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। पलामू एसपी के निर्देश पर नशा उन्मूलन अभियान के तहत ढकचा गांव के तिलकाटांड टोला में पुलिस ने गांजा की खेती का भंडाफोड़ किया। आरोपी रामदेनी राम (60 वर्ष) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि सूचना के सत्यापन के बाद एसडीपीओ छतरपुर अवध यादव, सीओ मनीष कुमार सिन्हा एवं पुलिस बल के साथ छापेमारी कर दो कट्ठा भूमि पर लगे 40ग्50 गांजा के पौधों को नष्ट किया गया। आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई।

मारपीट मामले में एससी/एसटी एक्ट के तहत दो प्राथमिकी दर्ज

हरिहरगंज। पथरा ओपी क्षेत्र के मझिगावां बाजार में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पड़रिया टोला निवासी सतेंद्र राम ने ललेश यादव पर जातिसूचक गाली, मारपीट व 17,500 रुपये छीनने का आरोप लगाया। वहीं ललेश यादव ने सतेंद्र राम पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाते हुए दूसरी प्राथमिकी दर्ज कराई। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जा रही है।

संदेहास्पद स्थिति में पेड़ से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना अंतर्गत पांडेय महुआ पेट्रोल पंप के समीप मुख्य सड़क के किनारे पेड़ में संदेहास्पद स्थिति में एक युवक का शव फंदे से लटका शुक्रवार को देखा गया। शव की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के राजाचक दुल्हा गांव निवासी 40 वर्षीय संतोष भुइंया पिता विशुन भुइंया के रूप में की गई। परिजनों को पेड़ से युवक के लटके होने की सूचना मिलते ही पुलिस के पहुंचने से पहले शव को फंदे से उतारकर गांव ले जाया गया। बताया गया युवक घरेलू विवाद के बाद बीते गुरुवार को घर से निकला था। शुक्रवार को सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने पेड़ से शव को लटकता देख पुलिस को जानकारी दी।

बेलहरा में अवैध बालू खनन करते पकड़ा गया ट्रैक्टर

रात में छापेमारी कर पुलिस ने जब्त किया बालू लदा वाहन

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। पलामू जिले के पांडू प्रखंड अंतर्गत बेलहरा गांव में गुरुवार की देर रात पुलिस ने अवैध बालू खनन करते एक ट्रैक्टर को रंगेहाथ पकड़ा। थाना प्रभारी बिगेश कुमार राय ने बताया कि रात करीब 11 बजे पुलिस गश्ती दल ने बेलहरा बाकी नदी में चल रहे अवैध बालू खनन की सूचना पर छापेमारी की। मौके पर बालू से लदा एक ट्रैक्टर मिला जिसे जब्त कर थाना लाया गया। बताया गया कि उक्त ट्रैक्टर बिना किसी वैध चालान के नदी घाट से बालू लेकर निकल रहा था। चालक पुलिस को देखकर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन का नंबर नोट कर मालिक की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में पुलिस ने खान एवं भूतत्व विभाग को भी सूचना भेज दी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बेलहरा क्षेत्र में काफी समय से अवैध खनन का धंधा चल रहा है। इसमें कई दलाल सक्रिय हैं जो रात के अंधेरे में ट्रैक्टर और ट्रकों के माध्यम से बालू निकालकर अन्य जगहों पर भेजते हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इससे पूर्व भी पांडू थाना ने दो बार बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया था।

न्यूज बॉक्स

महिला व दिव्यांग कोच में अनधिकृत यात्रा, आठ यात्री पकड़े गए

हुसैनाबाद। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जपला पोस्ट द्वारा गुरुवार को विशेष अभियान चलाते हुए महिला एवं दिव्यांग कोच में अनधिकृत रूप से यात्रा कर रहे आठ यात्रियों को पकड़ा गया। निरीक्षण प्रभारी राजेश कुमार मीणा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के तहत सभी यात्रियों को रेल अधिनियम की धारा के तहत गिरफ्तार कर डालटनगंज स्थित रेल न्यायालय भेजा गया। आरपीएफ प्रभारी ने बताया कि ये यात्री सामान्य टिकट लेकर महिला या दिव्यांग कोच में यात्रा कर रहे थे, जबकि इन कोचों में केवल पात्र यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति है। चेतावनी देने के बावजूद ये यात्री नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। आरपीएफ की टीम नियमित रूप से रेलवे परिसर व ट्रेनों की जांच कर रही है ताकि सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और अनाधिकृत रूप से कोच में चढ़ने से बचें। बताया गया कि पकड़े गए यात्रियों में कई ऐसे थे जो बिना किसी कारण महिला कोच में चढ़ गए थे। आरपीएफ अधिकारी ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वजों की जमीन पर जबरन कब्जे की साजिश, गरीब परिवार की सुरक्षा की लगाई गुहार

हैदरनगर। परता गांव के निवासी रघुनी राम ने अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जे की साजिश का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपा है। पीड़ित ने बताया कि खाता संख्या 112, प्लॉट संख्या 136 की 1.36 डिसमिल जमीन पर उनके पूर्वज वर्षों से खेती कर गुजर-बसर करते आए हैं। रघुनी राम के अनुसार रेखा देवी, सूरज पासवान और सुचीत पासवान द्वारा अबुआ आवास योजना के नाम पर जबरन उस जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट, गालीगलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी गरीबी और कमजोर स्थिति का फायदा उठाकर कई अन्य प्लॉट्स – जैसे 3387, 3989, 3985, 3990 एवं 3329 पर भी उनके चाचा और अन्य परिजनों की भूमि पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित ने थाना के साथ-साथ एसडीओ और अन्य अधिकारियों को भी आवेदन देकर सुरक्षा और न्याय की मांग की है।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख का भुगतान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) के तहत लाभार्थी राजंती देवी की मृत्यु के पश्चात उनके नामिनी बिमलेश प्रजापति को भारतीय स्टेट बैंक पथरा शाखा द्वारा 2 लाख रुपये का बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया।

▸ मृत बीमा धारक की नामिनी को एसबीआई पथरा शाखा ने सौंपा चेक

शाखा प्रबंधक रोशन सोरेंग ने बताया कि राजंती देवी की कुछ माह पूर्व एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनके खाते में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सक्रिय थी, जिसके तहत उनकी मृत्यु के उपरांत नामांकित व्यक्ति को यह राशि प्रदान की गई। बीमा भुगतान के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक अजीत कुमार गुप्ता ने उपस्थित ग्राहकों को योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना 18 से 50 वर्ष के बीच के खाताधारकों के लिए है, जिसकी वार्षिक प्रीमियम मात्र ?436 है और बीमित व्यक्ति की मृत्यु पर नामिनी को ?2 लाख की राशि दी जाती है। इस मौके पर बैंककर्मी रामाशीष सिंह, सुरेश कुमार, राजीव रंजन, सुधीर कुमार, सुरेंद्र सिंह व अन्य भी उपस्थित थे। उन्होंने लोगों से इस योजना से जुड़ने की अपील की ताकि आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके।

आर्द्रा नक्षत्र में हरियाली की आस, भदई फसलों पर संकट

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पिछले कुछ दिनों की झमाझम बारिश ने किसानों में नई उम्मीद जगा दी है। आर्द्रा नक्षत्र की शुरूआत में ही मौसम ने राहत दी, जिससे धान की बिचड़ा बुआई जोरों पर है। किसान सह पूर्व मुखिया पंचम खान, कौशलेंद्र शर्मा, रामजन्म राम आदि ने बताया कि अधिकतर खेतों में बिचड़ा डाल दिया गया है और अब वह अंकुरित होकर हरे होने लगे हैं। हालांकि, अत्यधिक गीली टांड़ भूमि के कारण भदई फसलों जैसे अरहर, मक्का, तील और मूंगफली की बुआई में देरी हो रही है। इन फसलों की बुआई लगभग ठप है और किसान धान पर ही अधिक ध्यान दे रहे हैं। जल जमाव और नमी के कारण भूमि में उपयुक्त स्थिति नहीं बन पा रही है। मैदानी क्षेत्रों में अब भी अधिकांश खेती मानसून पर निर्भर है, क्योंकि सिंचाई योजनाओं के बावजूद अधिकांश किसान उत्तर कोयल मुख्य नहर और काशीस्रोत डैम से लाभान्वित नहीं हो पाते। यह स्थिति वर्षा आधारित कृषि को जोखिम भरा बनाती है। किसानों ने बताया कि यदि अब से कुछ दिनों तक इसी प्रकार बारिश होती रही तो धान की अच्छी फसल की उम्मीद की जा सकती है, परंतु अन्य फसलों की स्थिति सुधरने में समय लग सकता है। ऐसे में कृषि विभाग को भी किसानों को मार्गदर्शन और बीज-सहायता देने की आवश्यकता है। इस बार धान के उत्पादन को लेकर उम्मीदें जगी हैं, परन्तु भदई फसलों का भविष्य मौसम के अगले रुख पर निर्भर है।

हैदरनगर में पशुओं के लिए टीकाकरण अभियान की शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पशुपालन विभाग और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हैदरनगर के कुकही पंचायत में पशु टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत पशुओं को लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) और खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) से बचाने हेतु टीकाकरण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख कलावती देवी, राजेश मेहता, पंचायत समिति सदस्य राजीव शर्मा, कृषि सलाहकार समिति अध्यक्ष प्रेमतोष कुमार सिंह समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय के प्रभारी दिलीप कुमार सिंह, परता केंद्र प्रभारी संतोष कुमार शर्मा एवं खरगड़ा पंचायत प्रभारी अनुज सिंह के नेतृत्व में यह अभियान संचालित हुआ। सभी पंचायतों में चरणबद्ध टीकाकरण की योजना है। पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी केंद्रों पर जाकर पशुओं को निःशुल्क टीका लगवाएं।

परेशानी

मुहर्रम के मौके पर नहीं हुई सफाई, नगर पंचायत पर भड़के लोग

संयुक्त वार्ड 6 व 9 की गलियों में बजबजाती नाली से लोगों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के संयुक्त वार्ड संख्या 06 और 09 की लंबी गलियों में नाली जाम और गंदगी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। मुहर्रम जैसे पाक पर्व के दौरान भी इन क्षेत्रों में सफाई कार्य नहीं कराए जाने से मोहल्लेवासियों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गली की नाली ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रही है, जिससे पूरे इलाके में बदबू और गंदगी का आलम है। त्योहार के इस पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं को पूजा, मातम और ताजिया की तैयारियों में बाधा उत्पन्न हो रही है। यह गली मुस्लिम समुदाय के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, जहां मुहर्रम के दस दिनों तक मातमी कार्यक्रम होते हैं। इस दौरान सफाई, सुगंध और स्वच्छ वातावरण की आवश्यकता होती है, लेकिन नगर पंचायत की लापरवाही से लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष शांति समिति की बैठक में नगर प्रशासन सफाई के आश्वासन देता है, पर जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इस बार भी वही स्थिति दोहराई गई है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि सफाई कार्य के लिए टीम को निर्देशित कर दिया गया है और शीघ्र ही गली की सफाई कराई जाएगी। हालांकि लोगों का कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद सफाई नहीं हो रही है, जिससे प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि त्योहारों के अवसर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि धार्मिक आयोजनों में किसी तरह की रुकावट न हो।

मुहर्रम की तैयारियों में जुटे अकीदतमंद, मातमी माहौल शुरू

मोहम्मदगंज। प्रखंड के गांवों में शुक्रवार से ही मुहर्रम की तैयारी शुरू हो गई है। रविवारीय हाट के पास स्थित कर्बला पर लोगों ने पुरखों की याद में फातिहा चढ़ाना शुरू कर दिया है। ताजिया और सिपड़ बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। 10वीं तारीख को कर्बला पर सोनबरसा, भजनियां, कोल्हुआ सहित अन्य गांवों के ताजिये एकत्रित होंगे। इस दिन शिरनी चढ़ाने, मन्नतें पूरी करने और फातेहा कराने की लंबी कतार लगती है। यहां हिंदू समुदाय के लोग भी भाग लेते हैं। बुजुर्ग बताते हैं कि पहले कई हिंदू परिवारों में भी मुहर्रम के दिन खिचड़ा बनाकर फातेहा कराया जाता था। कुछ परिवार खुद ताजिया भी बनवाते थे। स्व. वृक्षा महतो का नाम इसमें उल्लेखनीय है, जो जपला से कारीगर बुलाकर भव्य ताजिया बनवाते थे। अब वैसी परंपराएं कमजोर पड़ रही हैं, लेकिन फिर भी कई गांवों के कर्बला में पहलाम की तैयारी देखने लायक होती है।

मधुशाला रोड का ट्रांसफार्मर जला, कई मोहल्ले अंधेरे में डूबे

◂◂ गर्मी और पेयजल संकट से बेहाल हुए स्थानीय लोग

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मधुशाला रोड स्थित ट्रांसफार्मर के जलने से गुरुवार को शहर के कई मोहल्लों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। घटना दोपहर में भट्ठी के समीप हुई, जिससे मधुशाला रोड, गांधी चौक, खगड़िया मोहल्ला और किला रोड सहित कई क्षेत्र अंधेरे में डूब गए। स्थानीय निवासी और अखबार विक्रेता घनश्याम विश्वकर्मा ने बताया कि ट्रांसफार्मर पूर्व से ही जर्जर अवस्था में था, जिसकी जानकारी समय-समय पर विद्युत विभाग को दी जाती रही, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण अब पूरा क्षेत्र अंधकारमय है। इधर, हुसैनाबाद थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में भी बिजली और जल संकट को लेकर लोगों ने मुद्दा उठाया। फिलहाल भीषण गर्मी में लोग बिजली और पानी की कमी से जूझ रहे हैं।

शहर में भव्य रथ यात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्राओं का आयोजन तीन प्रमुख स्थानों से हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रथ खींचने की परंपरा निभाते हुए श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ रस्सी खींची और भगवान के दर्शन किए।

शहर के रामजानकी मंदिर, पुलिस लाइन रोड स्थित हरे कृष्ण निवास और ठाकुरबाड़ी मंदिर से निकली रथ यात्राओं में भक्त पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए। रथों के साथ कलाकारों द्वारा देवी-देवताओं के भेष में प्रस्तुति भी दी गई, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इस्कॉन के नेतृत्व में निकली यात्रा में मार्गभर फूल वर्षा की गई और भव्य स्वागत किया गया।

रथ यात्रा के दौरान विभिन्न संगठनों—जैसे श्री रामजानकी मंदिर ट्रस्ट, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, श्री श्याम मित्र मंडल, अग्रवाल क्लब, परशुराम वाहिनी—द्वारा श्रद्धालुओं के बीच हलवा, लस्सी, जल आदि का वितरण किया गया। रथ यात्रा के मार्ग पर नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।

श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात पर असर पड़ा। शहर

थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल ने सुरक्षा और विधि-व्यवस्था संभाली। प्रमुख उपस्थितजनों में पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, पूर्व मेयर अरुणा शंकर, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

रथ यात्रा को लेकर नगर निगम ने किया सफाई अभियान और ब्लीचिंग छिड़काव

मेदिनीनगर। नगर निगम मेदिनीनगर द्वारा शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राओं को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। रथ यात्रा मार्गों पर सफाई के साथ ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान की निगरानी नोडल पदाधिकारी शाहिद हसन ने की। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा मार्गों पर गंदगी और दुर्गंध की शिकायतें मिलती थीं, जिसे देखते हुए मुख्य चौक-चौराहों और मंदिरों के रास्तों की सफाई के साथ रसायनिक छिड़काव किया गया है। तीनों प्रमुख रथ यात्रा स्थलों—रामजानकी मंदिर, हरे कृष्ण निवास और ठाकुरबाड़ी मंदिर—के आसपास भी विशेष सफाई की गई। नगर निगम ने कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्यबल के साथ तैनात किया और सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कीं। नगर निगम का यह प्रयास श्रद्धालुओं में सराहना का विषय बना और लोगों ने रथ यात्रा के दौरान स्वच्छ वातावरण के लिए निगम को धन्यवाद दिया।

लेस्लीगंज में सोना महल दुकान से चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, आंध्र प्रदेश व उड़ीसा के निवासी निकले अपराधी

- 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी और बाइक समेत अन्य सामान बरामद, गिरोह के दो सदस्य अब भी फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में 21 जून को सोना महल दुकान के मालिक अरुण प्रसाद सोनी के वाहन की डिक्की से आभूषण भरा बैग चोरी कर फरार हुए अपराधियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में लेस्लीगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगातार छापेमारी की, जिसके बाद चैनपुर थाना क्षेत्र के लाडी गांव में किराए पर रह रहे संदिग्ध लोगों की जानकारी मिली।

पुलिस ने जब लाडी गांव स्थित रंजीत शर्मा के किराए के मकान

में दबिश दी, तो वहां रह रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आंवला दुर्गा प्रसाद (उम्र 27, गुमड़ी कोंडा, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश) और आंवला बलराम (उम्र 25, पिता- आंवला सुरेश, ग्राम- कोरटोली, उड़ीसा) के रूप में हुई है। उनके पास से चोरी के लगभग 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी, दो मोबाइल फोन और एक पल्सर बाइक बरामद की गई।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है जो पहले किसी क्षेत्र में 10–15 दिन रेकी करता है और उसके बाद सुनियोजित तरीके से चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। दोनों गिरफ्तार अपराधी पिछले छह महीनों से चैनपुर के लाडी गांव में रह रहे थे। गिरोह के अन्य दो सदस्य अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस कप्तान ने यह भी बताया कि इसी गिरोह के सदस्यों ने मनिका में भी एक घटना को अंजाम दिया है। 21 जून को ही पलामू के सदर और शहर थाना क्षेत्रों में गले से चेन छिनतई की तीन घटनाएं हुई थीं, जिनकी छानबीन जारी है।

गिरफ्तार आंवला बलराम के खिलाफ पूर्व में मुजफ्फरपुर (बिहार) और नयागढ़ (उड़ीसा) थानों में आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार झा, थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, विक्रम शिला, सुबोध कुमार, नबी अंसारी, बबन यादव, रितेश कुमार, चैनपुर थाना पुलिस और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि फरार अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

मोहर्रम पर्व को लेकर डीआईजी से झामुमो व कमेटी प्रतिनिधियों ने की शिष्टाचार भेंट

- शांति, सौहार्द व विधि-व्यवस्था को लेकर हुई सार्थक चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी मोहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को डीआईजी पलामू रेंज नौशाद आलम से झारखंड मुक्ति मोर्चा व मोहर्रम इंतज़ामिया कमेटी शाहपुर के प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन, सामाजिक समरसता तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल में झामुमो पलामू के संगठन सचिव शाहबाज आलम, मोहर्रम इंतज़ामिया कमेटी शाहपुर के जनरल खलीफा रुस्तम मंसूरी एवं अफसर अली नइफ, झामुमो नेता असगर अली समेत अन्य सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रतिनिधियों ने डीआईजी को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान व्यक्त किया। बैठक के दौरान मोहर्रम पर्व के आयोजन को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु सभी पक्षों ने समन्वयात्मक सहयोग की प्रतिबद्धता जताई।

जनरल खलीफा रुस्तम मंसूरी ने कहा कि कमेटी की पूरी कोशिश है कि पर्व की गरिमा को बनाए रखते हुए हर गतिविधि अनुशासित एवं सामूहिक सहभागिता के साथ संपन्न हो। सभी धर्मों व समुदायों के बीच भाईचारा कायम रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। झामुमो नेता शाहबाज आलम ने कहा कि झामुमो हमेशा से सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक एकता की पक्षधर रही है। पर्वों के माध्यम से समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति और अधिक सशक्त होनी चाहिए।

डीआईजी नौशाद आलम ने प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि मोहर्रम एक संवेदनशील अवसर है, जिसे सभी पक्षों की सक्रिय भागीदारी से शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन पूरी तत्परता के साथ जनसहयोग में विश्वास रखता है। समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है।

उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से यह भी आग्रह किया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रांति से सतर्क रहें तथा प्रशासन को सहयोग करते रहें। इस शिष्टाचार भेंट के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश गया कि प्रशासन और समाज के प्रतिनिधियों के बीच समन्वय और संवाद की निरंतरता ही शांति और व्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला है।

संत मरियम स्कूल में पीटी-1 परीक्षा का रिजल्ट आज

- विद्यालय की सभी शाखाओं में घोषित होगा परिणाम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल की ओर से पीटी-1 (परीक्षा टेस्ट – 1) के परीक्षा परिणाम की घोषणा आज की जाएगी। हाल ही में विद्यालय की विभिन्न शाखाओं में पीटी-1 परीक्षा का आयोजन किया गया था।

परिणाम संत मरियम स्कूल कजरी, संत मरियम आवासीय विद्यालय नावाटोली, संत मरियम स्कूल नावाहाता और संत मरियम किड्स स्कूल चैनपुर — सभी शाखाओं में घोषित किया जाएगा।

विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 10वीं

और 12वीं के परीक्षा परिणामों में भी विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया था, जिससे संत मरियम स्कूल जिले के मेधावी संस्थानों में शामिल हो गया है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता को आंकने और उन्हें सही दिशा देने के लिए समय-समय पर इस तरह की टेस्ट परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इससे बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में मदद मिलती है।

प्रभार के सहारे चल रहा खेल विभाग, सुस्त पड़ी गतिविधियों से खिलाड़ियों का मनोबल गिरा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले का खेल विभाग पिछले करीब एक वर्ष से स्थायी जिला खेल पदाधिकारी के अभाव में सिर्फ अतिरिक्त प्रभार के सहारे चल रहा है। इस स्थिति का प्रतिकूल असर खेलकूद गतिविधियों के संचालन, संसाधनों की उपलब्धता और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन पर साफ देखा जा सकता है। वर्तमान में जिला कल्याण पदाधिकारी सेवाराम साहू को खेल विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन उनका अधिक समय कल्याण विभाग के कार्यों एवं बैठकों में व्यतीत हो जाता है। ऐसे में खेल विभाग की योजनाएं और आयोजन सुस्त पड़ गए हैं।

स्थायी पदाधिकारी नहीं होने से विभागीय कार्यालय में अक्सर केवल कंप्यूटर ऑपरेटर और खेल समन्वयक ही मौजूद रहते हैं। इससे न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, बल्कि खेल आयोजनों की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है।

हाल की एक घटना में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन बिना किसी प्रखंड स्तरीय चयन के कर दिया गया, जिससे आयोजनों की गंभीरता पर सवाल उठने लगे हैं।

जिला पहले से ही खेल संसाधनों की भारी कमी से जूझ रहा है। खेल मैदानों की दुर्दशा, उपकरणों का अभाव और प्रशिक्षण की अनुपलब्धता के बीच कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी आगे बढ़ने का अवसर गंवा रहे हैं। इसके बावजूद कई युवा अपने दम पर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं, जो इस क्षेत्र की संभावनाओं को रेखांकित करता है। खेल विभाग के सूत्रों का मानना है कि यदि जिले को एक स्थायी, सक्रिय और समर्पित जिला खेल पदाधिकारी मिल जाए, तो न केवल योजनाओं को गति मिलेगी बल्कि खिलाड़ियों के मनोबल में भी इजाफा होगा। खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक संजीदगी और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत अब और अधिक महसूस की जा रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मजदूर की मौत, परिवार में कोहराम

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के भगवती अस्पताल के पास शुक्रवार सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय विकास भुइंया के रूप में हुई, जो चियांकी स्थित अपने ससुराल में रहकर मजदूरी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकास सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था, तभी भगवती अस्पताल के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल विकास को तत्काल एमएमसीएच में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। इस हादसे के बाद परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से दोषी वाहन चालक की पहचान कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

सरकारी मोबाइल पर निजी फोटो नहीं चलेगी : डीआईजी

- नौशाद आलम ने चेताया, वर्दी वाली डीपी लगाना अनिवार्य

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने क्षेत्र के सभी पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि वे विभागीय मोबाइल फोन पर निजी या पारिवारिक तस्वीरें प्रोफाइल फोटो (डीपी) के रूप में न लगाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी संसाधनों का उपयोग पूरी तरह पेशेवर और औपचारिक उद्देश्यों के लिए होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत प्रचार या भावनात्मक प्रदर्शन के लिए। डीआईजी कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि कई पुलिसकर्मी अपने सरकारी मोबाइल फोन पर पारिवारिक या गैर-वर्दीधारी तस्वीरें डिस्प्ले पर लगाकर उपयोग कर रहे हैं, जो न केवल जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है, बल्कि पुलिस की संवेदनशील और जिम्मेदार छवि को भी प्रभावित करता है।

डीआईजी नौशाद आलम ने यह साफ किया कि सरकारी मोबाइल फोन आम नागरिकों से संवाद और विभागीय संचार के लिए आवंटित होते हैं। इन पर वर्दीधारी प्रोफाइल फोटो होना एक पेशेवर दायित्व है ताकि पहचान में कोई संशय न रहे और जनता को स्पष्ट रूप से यह ज्ञात हो सके कि वे किस पदाधिकारी से बात कर रहे हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि सभी थाने, पिकेट, पोस्ट व पुलिस कार्यालयों के प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि सरकारी मोबाइल फोन पर सिर्फ वर्दीधारी, स्पष्ट और अद्यतन तस्वीर ही प्रोफाइल पर लगाई जाए। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और पालन नहीं करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी ने यह भी कहा कि पुलिस विभाग की छवि कठोर अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही पर टिकी होती है। यदि कोई पदाधिकारी इससे विचलित होता है, तो वह न केवल विभाग की गरिमा को ठेस पहुंचाता है बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है।

यह आदेश लातेहार, गढ़वा और पलामू जिलों के सभी एसपी, डीएसपी, इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी, पिकेट प्रभारी एवं अन्य पुलिसकर्मियों को जारी किया गया है। विभागीय निगरानी में इसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

पहल रेलवे मंडल संसदीय समिति की बैठक में पलामू सांसद ने उठाए 14 प्रमुख मुद्दे

बुनियादी ढांचे व यात्री सुविधाओं के विस्तार पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के सभागार में शुक्रवार को मंडल संसदीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने की। बैठक में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना, मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन सहित रेलवे मुख्यालय और मंडल स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा मंडल क्षेत्र के अन्य सांसदगण एवं उनके प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए।

इस बैठक में पलामू सांसद ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की रेल सुविधाओं और आधारभूत संरचना से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से रखा। उन्होंने कुल 14 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए अधिकारियों को अवगत कराया और शीघ्र समाधान की मांग की।

सांसद ने बताया कि डाली–हैदरनगर और लहर बंजारी–उंटारी रोड प्रखंड क्षेत्र में फुट ओवरब्रिज की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। उन्होंने दोनों स्थानों पर रैंप सहित एफओबी निर्माण कराने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त बेगमपुरा (मोहम्मदगंज), सतबहिनी (उंटारी रोड) और हैदरनगर में स्थित रेलवे क्रॉसिंग (एलसी नंबर 53, 55, और 50) पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण हेतु डीपीआर तैयार किए जाने की जानकारी दी गई। सांसद ने जपला में नवनिर्मित आरओबी पर आवागमन की सुविधा नहीं होने को गंभीर बताया और कहा कि वहां एप्रोच रोड का निर्माण अब तक नहीं हुआ है, जिससे आम जनता को परेशानी हो रही है। रेलवे द्वारा इस संबंध में झारखंड सरकार के भू-अर्जन विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है, जिसे शीघ्र स्वीकृत किया जाना चाहिए।

बैठक में बताया गया कि गया–शेरघाटी–इमामगंज–डालटनगंज नई रेलवे लाइन का डीपीआर तैयार हो चुका है और उसे रेलवे बोर्ड को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। सांसद ने मांग की कि इस परियोजना को प्राथमिकता देकर जल्द मंजूरी दी जाए, जिससे क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी बढ़े और आर्थिक गतिविधियों को गति मिले।

सांसद ने रांची से वंदे भारत ट्रेन को लोहरदगा, डालटनगंज, गढ़वा रोड और जपला होते हुए वाराणसी तक चलाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र के लाखों लोगों को सीधा और तेज रूट उपलब्ध होगा। इसके अलावा सांसद ने धनबाद से एलटीटी (मुंबई) तक चलने वाली साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन को डालटनगंज होकर रेगुलर ट्रेन के रूप में संचालन की मांग की।

बैठक के दौरान महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए रेलवे द्वारा अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 22 एमटीवीएम मशीनें स्थापित की गई हैं, 12 स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है जबकि 21 अन्य स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है। साथ ही, 15 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी है। गया स्टेशन को वर्ल्ड क्लास स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां विश्वस्तरीय अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

महाप्रबंधक ने कहा कि सांसदों द्वारा दिए गए सुझाव भविष्य की कार्य योजनाओं को दिशा देने में मददगार होंगे और रेलवे सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायक सिद्ध होंगे। बैठक में सभी सांसदों और प्रतिनिधियों ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने सुझाव दिए और रेल प्रशासन से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। बैठक का उद्देश्य रेलवे और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना था, जिससे विकास कार्यों को गति मिले और आम जनता को अधिकतम सुविधाएं मिल सकें।

यह जानकारी सांसद के निजी सचिव अलख दुबे ने दी।

सांसद ने की गेज की ऊंचाई बढ़ाने की मांग

उंटारी रोड स्थित एलसी नंबर 63 के अंडरपास पर हाईट गेज बहुत नीचे है, जिससे स्कूली बसों के आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। सांसद ने इस गेज की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की। बैठक में अमृत भारत योजना के तहत चयनित स्टेशन मोहम्मदगंज, जपला और हैदरनगर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों से आग्रह किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति दोनों सुनिश्चित की जाए। सांसद विष्णु दयाल राम ने रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस (18635/18636) ट्रेन में कोच की संख्या बढ़ाने की मांग की, ताकि यात्रियों को होने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सके। इसी प्रकार रांची-वाराणसी इंटरसिटी एक्सप्रेस (18611/18612) को लखनऊ तक विस्तारित करने और कोच की संख्या में वृद्धि करने का भी सुझाव दिया गया। गरीब रथ एक्सप्रेस (12877/12878) के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग भी बैठक में प्रमुखता से रखी गई।

विधायक अनंत प्रताप देव ने शोक संतप्त परिवारों से की भेंट, दी आर्थिक सहायता

नवीन मेल संवाददाता

रमना। विधानसभा क्षेत्र के भागोडीह पंचायत और सिलिदाग पंचायत के शोक संतप्त परिवारों से मिलने शुक्रवार को विधायक अनंत प्रताप देव पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। चुंदी गांव में राम लखन भुइया और विकेश कुमार साह की मृत्यु के बाद गांव का माहौल गमगीन है। वहीं, सिलिदाग पंचायत के मृतक रूपन राम, पार्वती देवी और सीताराम के परिवारों से भी विधायक ने भेंट कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। विधायक के साथ मुकतेश्वर पांडेय, प्रदीप सिंह, रोहित वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर मेहता, युवा मोर्चा अध्यक्ष मुन्ना पासवान, सचिव राकेश सिंह, संदीप चंद्रवंशी, अनिल गुप्ता, पवन गुप्ता, रामचंद्र राम, सोनू सिंह, नागेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

रंका में भव्य रथयात्रा, भक्तों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

नवीन मेल संवाददाता

रंका। रंका के ठाकुरबारी मंदिर से गुरुवार शाम भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान किए। रथयात्रा के शुभारंभ पर मंदिर के सेवायत गोवर्धन प्रताप सिंह ने रथ को धक्का देकर आगे बढ़ाया, जिसके बाद श्रद्धालुओं की भीड़ ने रथ को रस्सियों से खींचते हुए नगर भ्रमण कराया। रथ यात्रा का आरंभ शाम 6 बजे शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। पंडित बालेश्वर दुबे और भोलानाथ शास्त्री के नेतृत्व में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। महिलाओं ने पारंपरिक कलश यात्रा के साथ

मंगल गीत गाए और रथ के आगे-आगे नृत्य किया। रथयात्रा ठाकुरबाड़ी मंदिर से निकलकर रंका बाजार होते हुए मौसीबाड़ी पहुंची, जहां भगवान का एक सप्ताह तक विशेष पूजन और भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। प्रतिदिन भजन-कीर्तन में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी, जबकि राजपुरोहित बालेश्वर दुबे द्वारा पूजा-अर्चना की जाएगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और हजारों लोगों ने आस्था के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया।

भंडरिया के सुकन साह 600 किलोमीटर पैदल यात्रा पर निकले बैजनाथ धाम

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। मदगड़ी गांव निवासी शिवभक्त सुकन साह ने बैजनाथ धाम तक 600 किलोमीटर की पैदल यात्रा की शुरूआत की। यात्रा आरंभ से पूर्व उन्होंने अपने परिवार और ग्रामीणों के साथ गांव के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। सुकन साह ने बताया कि वे सावन में जलाभिषेक के लिए प्रति दिन 30 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करेंगे। यात्रा के शुभारंभ पर अवधेश उपाध्याय, ठाकुर प्रसाद महतो, विनोद गुप्ता, लव यादव, जय महतो, सुमित सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे। शिवभक्त की इस श्रद्धा और साहसिक यात्रा की क्षेत्र में विशेष चर्चा हो रही है। लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके संकल्प की सराहना कर रहे हैं।

जेएसएलपीएस द्वारा महिलाओं को कानूनी जागरूकता हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) द्वारा गढ़वा के आशीर्वाद मैरिज हॉल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर ऊंटारी, सगमा और भंडारिया प्रखंडों की सीएलएफ से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को महिलाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा अधिकारों की जानकारी देना था। प्रशिक्षण सत्रों में भारतीय संविधान, फौजदारी और दीवानी कानून, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, डायन प्रथा निषेध आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। महिलाओं को आरोपी और अपराधी के बीच के कानूनी अंतर, भारतीय दंड संहिता की धाराओं की जानकारी दी गई। एसडीएम सूरज कुमार, प्रधान संघ के ओमप्रकाश शर्मा, एसआरपी वाजदा खातून, आश्रिता बेक, दीपशिखा सिन्हा, पूनम कुमारी, सुनीता देवी, एएसटी अरुण, निशा, सुलेखा देवी समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहीं। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से महिलाओं में कानूनी जागरूकता बढ़ेगी और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहेंगी।

संगीता देवी टेम्पो दुर्घटना में घायल, अस्पताल में भर्ती

गढ़वा। रमना थाना क्षेत्र के बनखेता गांव निवासी मनोज राम की पत्नी संगीता देवी शुक्रवार को टेम्पो दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गईं। वे अपने पति के इलाज हेतु संगबरिया जा रही थीं कि गोंदा गांव के पास टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। परिजनों ने उन्हें तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल स्थिति खतरे से बाहर है। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

जरही में अवैध शराब के खिलाफ एसडीएम की बड़ी कार्रवाई, दो भट्ठियां ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने शुक्रवार को डंडई प्रखंड के जरही गांव में अवैध देशी शराब के विरुद्ध सघन सर्च अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान दो अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके अतिरिक्त एक मकान के बेसमेंट से शराब निर्माण की सामग्री, उपकरण और तैयार शराब बरामद हुई, जिसे मौके पर ही नष्ट किया गया। एसडीएम ने बताया कि क्षेत्र में नशे का यह अवैध कारोबार लंबे समय से सक्रिय है, जिस पर प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने डंडई थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी को नियमित गश्ती और कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शराब जैसे अवैध धंधे विधि-व्यवस्था के लिए खतरा हैं और ऐसे

मामलों में संबंधित ग्राम मुखिया व चौकीदारों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें कहीं संगठित रूप से शराब निर्माण या बिक्री की सूचना हो, तो वे थाना या अनुमंडल कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं, शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। एसडीएम के गांव पहुंचते ही कई संदिग्ध मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से अवैध कारोबारियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ आदतन अपराधियों के रूप में कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के बीच धान बीज का हुआ वितरण

गिद्धौर(चतरा)। सिंदुआरी तथा घटेरी गांव में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एनएफएसएम योजना अंतर्गत 48 किसानों के बीच खरीफ बीज का वितरण शुक्रवार को किया गया। बीज वितरण उपप्रमुख प्रीतम यादव तथा बीटीएम प्रभात कुमार सिंह ने किया। इस दौरान उपप्रमुख ने कहा कि बीज का वितरण सही समय से किया गया है। किसान अपने-अपने खेतों में समय से लगाएंगे। वही बीटीएम ने बताया कि उन्नत बीज है। किसान इस बीज से उपजे अनाज से मुनाफा कमाएंगे। मौके पर कई किसान मौजूद थे।

मझिआंव में दो योजनाओं की एसडीएम ने की जांच, गुणवत्ता पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय विधायक द्वारा की गई शिकायत के बाद सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने मझिआंव नगर पंचायत क्षेत्र में संचालित दो विकास योजनाओं की जांच की। वार्ड संख्या 3 में चल रहे तालाब सौंदर्यीकरण कार्य और वार्ड 11, खजुरी में पीसीसी सड़क निर्माण की जांच की गई। तालाब सौंदर्यीकरण योजना में बाउंड्री वॉल और अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और भुगतान की स्थिति का आकलन किया गया। वहीं, खजुरी वार्ड की पीसीसी सड़क की लंबाई, चौड़ाई, मोटाई और निर्माण सामग्री की तकनीकी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संबंधित तकनीकी कर्मियों से बातचीत कर तकनीकी बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार सहित नगर पंचायत के तकनीकी कर्मी भी उपस्थित रहे। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि कार्यों में गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि ये योजनाएं 15वें वित्त आयोग और पथ परिवहन मद के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही हैं। सडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाएं तय समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराई जाएं।

पत्थलगड्डा में योजनाओं की समीक्षा उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री ने शुक्रवार को पत्थलगड्डा प्रखंड का दौरा कर विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जनवितरण प्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, शराब दुकान और प्रखंड सह अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की। स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण में दवा, उपकरण, डॉक्टर की उपलब्धता और मरीजों से संवाद कर सेवा गुणवत्ता का आकलन किया गया। जनवितरण दुकानों पर स्टॉक रजिस्टर, पॉस मशीन संचालन और लाभुकों की संतुष्टि की जांच करते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए गए। शराब दुकान निरीक्षण में उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु वालों को शराब न बेची जाए। बिक्री रजिस्टर और स्टॉक की भी जांच की गई। कस्तूरबा विद्यालय निरीक्षण में छत से पानी रिसाव पर नाराजगी जताई गई। भोजन, शयनकक्ष, प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष और छात्राओं से संवाद कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बीडीओ को सप्ताह में एक दिन विद्यालय निरीक्षण का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान सिमरिया एसडीओ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नियोजन पदाधिकारी समेत कई अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता व पारदर्शिता अनिवार्य है, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

सूचना विज्ञान पदाधिकारी को दी गई विदाई, नए पदाधिकारी का स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। गुरुवार देर शाम समाहरणालय सभा कक्ष में स्थानांतरित सूचना विज्ञान पदाधिकारी दौलत वर्मा को भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त कीर्तिश्री ने की। इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मियों ने वर्मा के कार्यकाल की सराहना की और कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्होंने जिले में उल्लेखनीय कार्य किए। प्रशासनिक प्रक्रिया को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में उनका योगदान स्मरणीय रहेगा। समारोह में नवपदस्थापित सूचना विज्ञान पदाधिकारी कौस्तव सरकार का भी स्वागत किया गया। अधिकारियों ने अपेक्षा जताई कि वे भी पूर्ववर्ती पदाधिकारी की तरह तकनीकी नवाचारों से जिले की सूचना व्यवस्था को नई ऊंचाई देंगे। अंत में दौलत वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जनसंपर्क कार्यालय से शशिकांत श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

एक साल बाद भी दलित परिवार को न्याय नहीं, दोबारा की गई खेत की जबरन जुताई

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र के आदर गांव निवासी एक दलित परिवार को एक वर्ष बाद भी न्याय नहीं मिला है। आरोप है कि जिन आरोपियों पर पूर्व में हमला और जमीन कब्जाने का केस दर्ज हुआ था, उन्होंने 26 जून को एक बार फिर जबरन ट्रैक्टर से जमीन की जुताई कर दी। पीड़ित परिवार ने बरडीहा थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन देकर सुरक्षा और न्याय की मांग की है। शंभू रजवार ने बताया कि 1966 में भूदान के तहत उनके परिवार को एक एकड़ 29 डिसमिल भूमि मिली थी, जिसकी रसीद 2007 तक ऑफलाइन और 2021-22 तक ऑनलाइन कटी है। उनके पास सभी वैध दस्तावेज हैं। बावजूद इसके, आसिफ अंसारी, गुड्डू अंसारी, इशाक अंसारी सहित लगभग 15-20 लोगों ने 6 जून 2024 को जबरन जमीन की जुताई की और विरोध करने पर परिवार पर हमला कर दिया था। घटना में उनकी गर्भवती पत्नी समेत 9 लोग घायल हुए थे और झोपड़ी में आग लगा दी गई थी। शांति देवी द्वारा दर्ज प्राथमिकी संख्या 35/2024 एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज है, परंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब पुनः उन्हीं आरोपियों ने हथियारों के बल पर ट्रैक्टर चलवाकर जमीन कब्जाई। पीड़ितों का आरोप है कि केस वापस लेने के लिए धमकियां दी जा रही हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी ने कहा कि फाइल की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। अंचल अधिकारी राकेश सहाय ने बताया कि शनिवार को स्थल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने केंद्रीय विद्यालय गढ़वा का निरीक्षण किया

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार, जो केंद्रीय विद्यालय गढ़वा के नामित चेयरमैन भी हैं, ने शुक्रवार को विद्यालय के नवनिर्मित भवन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों के साथ बैठक कर शैक्षणिक व्यवस्था की समीक्षा की और कक्षा 9वीं व 10वीं के विद्यार्थियों को एक-एक पीरियड पढ़ाया। एसडीएम ने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, आत्मविकास और नैतिक मूल्यों पर प्रेरक संवाद दिया। उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और खेल मैदान का भी निरीक्षण किया और जरूरी सुधार के निर्देश दिए। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण भी आवश्यक है। केंद्रीय विद्यालय परिवार ने उनके इस प्रेरक दौरे के लिए आभार प्रकट किया।

पूजा-अर्चना रांची के वरिष्ठ न्यायाधीश ने की मां चतुभुर्जी भगवती मंदिर में पूजा

राज्य की सुख-शांति व समृद्धि के लिए मां का आशीर्वाद मांगा

नवीन मेल संवाददाता

केतार। रांची लोअर कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश गौतम गोविंदा ने शुक्रवार को केतार स्थित प्रसिद्ध मां चतुभुर्जी भगवती मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने राज्य की सुख-शांति और समृद्धि के लिए मां का आशीर्वाद मांगा। जज गौतम गोविंदा ने बताया कि वे इस मंदिर में लंबे समय से दर्शन हेतु आना चाहते थे, मां की कृपा से आज वह अवसर मिला। मंदिर परिसर के सौंदर्य और शांत वातावरण की सराहना करते हुए उन्होंने भविष्य में पुनः दर्शन की इच्छा जताई। मंदिर विकास समिति के सचिव हेमंत पाठक ने उन्हें मां भगवती की तस्वीर और चुनरी भेंट कर स्वागत किया। मौके पर एसआई आदित्य कुमार, पुजारी

बाल मुकुंद पाठक, राम प्रवेश ठाकुर, बिनोद भगत समेत कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर में मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को झारखंड बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विधायक अनंत प्रताप देव, विद्या विकास समिति के पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। टॉपर्स आशुतोष कुमार (96.8%) और सुमित कुमार (96.4%) को ?5000, एंड्रॉयड मोबाइल और पुस्तकों का पुरस्कार मिला। अन्य टॉप टेन विद्यार्थियों को मोमेंटो, बैग और अभिभावकों को अंगवस्त्र व श्रीरामचरितमानस भेंट की गई। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने बताया कि विद्यालय के 14 छात्र 90% से अधिक अंक लाए हैं। गढ़वा जिला टॉप टेन में विद्यालय के नौ छात्र शामिल हैं। विधायक ने विद्यालय को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्यगण और समिति के पदाधिकारियों का योगदान सराहनीय रहा।

गाजे-बाजे के साथ निकली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा, भक्तों में उमंग व श्रद्धा का माहौल

● बालूमाथ में रथयात्रा के दौरान महिला-पुरुष और बच्चों में दिखा उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा बालूमाथ में बड़े ही हर्षोल्लास और गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। रथ पर भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलराम की प्रतिमाएं विराजमान थीं।

महावीर मंदिर से रथ यात्रा की शुरुआत हुई, जो बालूमाथ मुख्य मार्ग, थाना चौक, ब्लॉक चौक होते हुए दुर्गा बाड़ी परिसर तक पहुंची। वहां पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की गई।

रथ यात्रा में महिला, पुरुष और बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने रथ को रोककर पूजा-अर्चना की और पूरे क्षेत्र में 'जय जगन्नाथ' के जयघोष गूंजते रहे। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से बालूमाथ अंचलाधिकारी एवं पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी।

लातेहार में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

लातेहार। लातेहार जिला मुख्यालय में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा की शुरुआत महावीर मंदिर ठाकुरबाड़ी से हुई, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाएं रथ पर सवार थीं। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ रथ को खींचा और मंदिर परिसर से होते हुए बाजारटांड़, थाना चौक, जुबली चौक, धर्मपुर, समाहरणालय सहित विभिन्न मार्गों से होकर यात्रा दुर्गा बाड़ी तक पहुंची। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। एसडीपीओ अरविंद कुमार स्वयं रथ के साथ चल रहे थे। थाना प्रभारी सुरेंद्र महतो सहित अन्य पुलिसकर्मी भी साथ रहे।

रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चंदवा। कामता गढ़ में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना के पश्चात रथ यात्रा निकाली गयी। जिसमे राज पुरोहितो व श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का रथ खींच कर क्षेत्र की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। इसके पूर्व पंडित घनश्याम भारद्वाज की अगुवाई में विधि विधान के साथ पूजन सम्पन्न हुआ तत्पश्चात संध्या बेला में भगवान जगन्नाथ के रथ की यात्रा निकाली गयी। पुजारी पंडित घनश्याम भरद्वाज ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान श्री जगन्नाथ की अराधना से मनोवांछित कामनाएं पूरी होती है। इस अनुष्ठान में ज्येष्ठ पूर्णिमा को जल यात्रा भगवान श्री जगन्नाथ का होता है। उसके बाद दूसरे दिन सिंहासन से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र उनकी बहन सुभद्रा की प्रतिमा को उतारा जाता है। यह 15 दिन के आषाढ प्रतिपदा से अमावस्या तक उनका पुन: रंग-रोगन किया जाता है और आषाढ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को प्राण प्रतिष्ठा, नेत्रदान पुन: किया जाता है और आषाढ शुक्ल पक्ष द्वितीया को रथ यात्रा प्रारंभ होती है। एकादशी को यह पुन: रथ यात्रा यथास्थान पर आ जाते हैं यह नौ दिन तक मौसीबाडी में रहते है। यह परंपरा कामता गढ में 145 वर्षो से चली आ रही परंपरा आज भी कई मायने में कायम है। राज परिवार के लाल प्रेरित नाथ शाहदेव,लाल प्रदीप नाथ शाहदेव,लाल विक्रम नाथ शाहदेव व अन्य की देख-रेख में यह सारा कार्यक्रम पूरा किया गया। यह उत्सव आषाढ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीय को मनाया जाता है। इधर कामता गढ़ में रथ पूजा के मौके पर लगे मेले में इस वर्ष भारी भींड देखने को मिली, चंदवा शहर समेत पूरे प्रखंड से हजारों की संख्या में लोग भगवान जगन्नाथ के रंथ को खींचने पहुंचे थे, रथ खींचने से पूर्व भक्तों ने मेले का जमकर लुत्फ उठाया। विधि व्यवस्था संघारण को लेकर लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देशानुसार चंदवा पुलिस पुरी तरह से मुश्तैद देखी गयी साथ राज परिवार की ओर से भी वॉलेंटियर्स नियुक्त किए गए थे, जो पूरी निष्ठा के साथ विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगे रहे। पूरी व्यवस्था को संभालने में राज परिवार के लाल प्रेरित नाथ शाहदेव,अधिवक्ता लाल प्रदीप नाथ शाहदेव,लाल प्रतिक नाथ शाहदेव,लाल अरविंद नाथ शाहदेव,लाल विक्रम नाथ शाहदेव समेत अन्य लोगो ने अहम योगदान दिया। इस अवसर पर ज़िला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी, धनबाद जिला के बलियापुर अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, ईश्वर उरांव, उपेंद्र रंगीला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

भारी बारिश से गिरा गरीब परिवार का मकान, मुआवजे की मांग

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र के सिंदरी गांव में मूसलाधार बारिश ने एक गरीब परिवार की छत छीन ली। दर्शन गंझु का कच्चा मकान वर्षा के कारण अचानक भरभरा कर गिर पड़ा, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि दर्शन गंझु आर्थिक रूप से कमजोर हैं और किसी तरह अपने पुराने घर की मरम्मत करवा रहे थे। लेकिन लगातार बारिश ने उनके मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। फिलहाल दर्शन गंझु अपने भाई शनीचर गंझु के घर में शरण लिए हुए हैं। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता और मुआवजा प्रदान किया जाए ताकि वे दोबारा अपना घर बना सकें। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि ऐसे गरीबों के लिए विशेष राहत पैकेज दिया जाए। प्रशासन को चाहिए कि आपदा राहत कोष से तत्काल सहायता प्रदान की जाए और पीड़ित को जरूरी संसाधन मुहैया कराए जाएं ताकि वह जल्द पुनः अपने आशियाने में लौट सके।

लातेहार-बिशुनपुर पथ की हालत जर्जर पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

लातेहार। जिला मुख्यालय को बिशुनपुर से जोड़ने वाली लातेहार-बिशुनपुर सड़क की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। इस मिट्टी-मोरम की सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और बारिश के कारण कीचड़ से फिसलन बढ़ गई है। गुरुवार को एक स्कूटी सवार दुर्घटनाग्रस्त हो गया, हालांकि उसे गंभीर चोट नहीं आई। बता दें कि इस रास्ते में महिला डिग्री कॉलेज भी पड़ता है, जिससे छात्रों और आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पिछले दिनों इस सड़क का पीसीसी कार्य शुरू हुआ था, लेकिन भूमि विवाद और अतिक्रमण के चलते निर्माण अधूरा रह गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि विवाद सुलझाकर निर्माण कार्य पूरा कराया जाए।

सांसद के प्रयास से बेलवाटांड में लगा नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों ने जताया आभार

लातेहार। चतरा सांसद कालीचरण सिंह के प्रयास से मनिका प्रखंड के एसबीआई रोड स्थित बेलवाटांड मोड़ पर शुक्रवार को 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। एक सप्ताह से क्षेत्र के करीब 150 घरों में बिजली आपूर्ति बाधित थी। बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कामकाज पर असर पड़ रहा था। ग्रामीणों ने पूजा-अर्चना कर नए ट्रांसफार्मर को चालू किया और सांसद का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि सांसद ने गंभीरता से समस्या का संज्ञान लिया और त्वरित समाधान करवाया, जबकि स्थानीय जनप्रतिनिधि निष्क्रिय रहे। कार्यक्रम में दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

टाइगर रिजर्व की टीम ने बाघ को रेस्क्यू कर पीटीआर में छोड़ा

बेतला। रांची के सिल्ली इलाके में घर में घुसे बाघ को पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) की टीम ने 13 घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। यह वही 'किला बाघ' है जो 2023 में कैमरा ट्रैप में पहली बार देखा गया था। रेस्क्यू के बाद बाघ को पीटीआर के जंगलों में छोड़ दिया गया है। बाघ ने लगभग 400 किमी की यात्रा कर रांची के ग्रामीण इलाकों में प्रवेश किया था। रेस्क्यू ऑपरेशन में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष और वन विभाग की विशेष टीम शामिल रही। बाघ को बेहोशी की दवा देकर पिंजरे में डाला गया और बाद में जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया।

मनिका में एकल शिक्षक स्कूलों को लेकर हुई जनसुनवाई, उभरी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली

लातेहार। मनिका में शुक्रवार को आयोजित जनसुनवाई में 40 एकल शिक्षक स्कूलों की दुर्दशा सामने आई। बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था बदहाल है, खासकर अनुसूचित जाति व जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में। अधिकांश स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं या स्कूल बंद कर दिए जाते हैं। अभिभावकों ने बताया कि मिड-डे मील और यूनिफॉर्म के नाम पर भ्रष्टाचार है। बीईईओ ने जब गांव के इंटर पास को शिक्षक बनाने की बात कही, तो प्रो. रीतिका खेड़ा ने पूछा कि क्या वे अपने बच्चे को ऐसे शिक्षक से पढ़ाएंगी, तो जवाब 'नहीं' में मिला। ज्यां द्रेज और प्रो. कुमार राणा ने शिक्षा में सुधार की सख्त ज़रूरत बताते हुए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता सुनीत शर्मा ने ऐसी जन सुनवाइयों को नियमित करने पर बल दिया।

प्रियंका का नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में चयन, झारखंड से करेंगी प्रतिनिधित्व

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले की उभरती हुई कबड्डी खिलाड़ी प्रियंका कुमारी का चयन प्रथम नेशनल अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रियंका झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। बता दें कि 14-15 जून को बोकारो में आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय अंडर-18 बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में प्रियंका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया, जिसके आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ। प्रियंका लातेहार जिले की पहली खिलाड़ी हैं जिन्हें नेशनल स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला है। उनके इस चयन पर जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार सहित कई खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जानकारी के अनुसार, प्रियंका झारखंड की टीम के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरिद्वार रवाना हो चुकी हैं।

चमातू के व्यवसायी का रांची रेलवे ट्रैक पर मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के चमातू गांव निवासी व्यवसायी राजेश साहू का शव रांची रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध हालत में मिला। राजेश साहू वर्षों से रांची में कारपेंटर की दुकान चलाते थे और रांची शहर में ही अपने परिवार के साथ रहते थे। जानकारी के अनुसार, उनका शव उनके निवास स्थान से लगभग दो किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक के पास बरामद किया गया। परिजनों ने पुलिस से स्पष्ट मांग की है कि यह मामला केवल हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है।

घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया है। राजेश के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

परिजनों ने बताया कि राजेश का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वो मेहनती और मिलनसार इंसान थे। ऐसे में उनकी अचानक संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने सभी को चौंका दिया है।

रांची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या है या हत्या। इधर चमातू गांव में शोक की लहर है, और ग्रामीणों ने राजेश साहू की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

चंदवा थाना में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आज

चंदवा। आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर चंदवा थाना परिसर में शनिवार को अपराह्न 3 बजे से शांति समिति की बैठक आहूत की गई है। बैठक में मुहर्रम पर्व को परस्पर और आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना उद्देश्य है। बैठक में सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, पंचायतीराज प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि,समाजसेवी व प्रबुद्धजनों को ससमय उपस्थित होकर अपना बहुमूल्य सुझाव देने की अपील की गई है। उक्त जानकारी चंदवा पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार सिंह ने दी है।

संत जेवियर्स महाविद्यालय में सिस्टर मैरी एंजेल के नेतृत्व में आयोजित हुआ संकाय सह विद्यार्थी विकास कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संत जेवियर्स महाविद्यालय, महुआडांड़ में शुक्रवार को एक विशेष संकाय सह विद्यार्थी विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशाखापट्टनम से आईं वाइस प्रोविंशियल सिस्टर मैरी एंजेल मुख्य अतिथि थीं। महाविद्यालय परिसर में पारंपरिक स्वागत के साथ आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉ. फादर एम. के. जोश ने सिस्टर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उनके योगदानों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सिस्टर मैरी एंजेल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में शिक्षा की पद्धति को विद्यार्थियों की विविधता के अनुसार ढालना आवश्यक है। उन्होंने गुरु की महत्ता पर बल देते हुए छात्रों से शिक्षा और अध्यापक के प्रति समर्पण की अपेक्षा जताई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बनाया गया। संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष शेफाली प्रकाश ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। विधायक प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन भाजपा कार्यालय में पेजल एवं स्वच्छता विभाग के विधायक प्रतिनिधि अनिल प्रसाद के अध्यक्षता मे किया गया.इस आयोजन मे विधायक प्रतिनिधि योगेन्द्र गंझु को मिठाई व अंगवस्त्र देकर हर्षोल्लास के साथ सम्मानित किया गया. योगेंद्र गंझु को माननीय विधायक प्रकाश राम ने अनुसूचित जनजाती वर्ग कल्याण विभाग का दायित्व सौंपा गया है, इसके साथ उपस्थित लोगो एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ख़ुश जाहिर किए. मौके पर स्वास्थ विभाग के विधायक प्रतिनिधि देवनन्दन प्रसाद, भाजपा युवा नेता सोनू प्रजापति, समाज सेवी भीम प्रजापति, जगदीश उरांव, महेश गझु, तेजू गंझु, आनंद प्रजापति, रिंकू यादव, जतन प्रजापति, तुलेश्वर यादव, संतोष ठाकुर, विष्णुदेव यादव, मुकेश गंझु, जीतन गझु, बिनोद गझु, धीरज राणा, सुनील सिंह, द्वारिका यादव, दिलीप साव, अशोक गंझु, रवि गंझु, प्रकाश यादव,बबलू सिंह बसंत प्रजापति, रामनाथ उरांव, सुरेंद्र गंझु, संजीत सिंह, तथा सैकड़ो संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झामुमो कार्यकर्ता की पहल पर चितरपुर में क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के चितरपुर गांव में बीते दिनों बारिश के चलते बह गई सड़क को झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष औरंगजेब खान की पहल पर जेसीबी और मजदूरों की मदद से मरम्मत करा दिया गया। राष्ट्रीय नवीन मेल में खबर प्रकाशित होने के बाद झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने तुरंत कार्यवाही का निर्देश दिया। सड़क की मरम्मत से ग्रामीणों को राहत मिली है और उन्होंने पार्टी नेताओं को धन्यवाद दिया।

वज्रपात से तीन गायों की मौत, पीड़ित पशुपालकों ने मुआवजे की उठाई मांग

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत इचातु, मदारपुर और पिंजनी गांवों में शुक्रवार को हुई वज्रपात की घटना में तीन दुधारू गायों की मौत हो गई। इससे स्थानीय पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की जानकारी देते हुए द्वारिका यादव, चंद्रशेखर यादव और नंदू गंझू ने बताया कि उनकी गायें खेतों में घास चर रही थीं। बारिश शुरू होते ही वे पास के पेड़ के नीचे चली गईं, तभी अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिससे तीनों गायों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ितों ने बताया कि इन दुधारू गायों को उन्होंने हाल ही में शिवरात्रि मेले से खरीद कर लाए थे और उनके घर की आजीविका का मुख्य आधार यही पशु थे। गायों की असमय मृत्यु से उनका रोज़गार और दूध का उत्पादन दोनों प्रभावित हुआ है। पशुपालकों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी क्षति का आंकलन कर उन्हें यथाशीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे फिर से अपना पालन-पोषण कर सकें। इधर, स्थानीय मुखिया और जनप्रतिनिधियों ने भी मौके पर पहुंच कर पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया और प्रशासन से यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

30 जून तक जमा करें होल्डिंग टैक्स, मिलेगी 15% की छूट

लातेहार। नगर पंचायत लातेहार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवासीय परिसर पर बकाया होल्डिंग टैक्स जमा करने वालों को 15 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की है। यह छूट आगामी 30 जून तक मान्य होगी। नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट सिर्फ 30 जून 2025 तक टैक्स जमा करने पर दी जाएगी। 1 जुलाई से टैक्स भुगतान करने पर ब्याज भी लिया जाएगा। होल्डिंग टैक्स जमा करने के लिए आदित्य कुमार (टीम लीडर, जन सुविधा केंद्र) से 9905900425 या टैक्स कलेक्टर बिरसा उरांव से 7004793011 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही रविवार और सोमवार को भी कार्यालय खुला रहेगा ताकि लोग टैक्स जमा कर सकें। नगर प्रबंधक ने लोगों से अपील की है कि वे समय रहते टैक्स जमा करें और छूट का लाभ लें।

मोहर्रम अंजुमन कमेटी शुक्रबाजार के खलीफा बने सफीक, संरक्षक बने रामप्रसाद

चंदवा। मोहर्रम अंजुमन इंतेजामिया कमिटी शुक्रबाजार की बैठक रियाज टेलर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सफीक मियां को सदर (खलीफा) चुना गया। मो सद्दाम को सेक्रेटरी,इमरान अंसारी को खजांची,वहीं अमजद खान नाईब सदर,सरफुद्दीन मियां को सेक्रेटरी चुना गया वहीं कमेटी के संरक्षक रामप्रसाद साहू, अनवर खान,दीपू कुमार सिन्हा, राशिद खान,मुखिया प्रतिनिधि संदीप टोप्पो,इरफान अहमद, रियाज ट्रेलर,संजय कुमार यादव, मो. अशरफ टेलर को चुना गया। मौके पर कमिटी के संरक्षक बने समाजसेवी राम प्रसाद साहू ने कहा कि चंदवा में सभी समाज के लोग एक साथ मिलकर पर्व त्यौहार मानते है। आयोजन कमेटी में सभी धर्म के लोगों को शामिल करना ऐतिहासिक कदम है। इस बैठक में सभी धर्म के लोग शामिल हुए हैं यह बड़े ही गर्व की बात है। कमिटी ने बताया कि मोहर्रम माह की शुरुआत हो चुकी है इमामबाड़ा में फातेहाखानी,लंगरखानी 10 दिनों तक होती रहेगी। सप्तमी को कामता कर्बला में चादरपोशी की जाएगी नवमी के दिन चंदवा शहर में छोटकी ताजिया और दसवीं के दिन ताजिया अखाड़ा के साथ चंदवा शहर में विभिन्न प्रकार के इस्लामी निशान ताजिया के साथ जुलूस निकाला जाएगा। कार्यक्रम का संचालन राशिद खान कर रहे थे। मौके पर झामुमो के दीपू कुमार सिंहा, मनीष कुमार सिंह,मुखिया प्रतिनिधि संदीप टोप्पो, रिजवानुल मियां,विजय साव, मो काशीद, इमाम मियां, मुस्ताक आलम,सहजाद खान, असाद मियां, आशिक टेलर, महेंद्र साव समेत सैकड़ो की संख्या में सभी धर्म के लोग उपस्थित थे।

परेशानी | पचमो मोड़ यात्री शेड की दुर्दशा

बरसात में पेड़ के नीचे खड़े होने को विवश यात्री

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड के पचमो मोड़ से करमा तक यात्री सुविधा के लिए बना यात्री शेड अब जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। यह शेड वर्षों पहले बनाया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में अब पूरी तरह से टूट चुका है और यात्रियों के उपयोग लायक नहीं रह गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गर्मी, बरसात और तेज धूप से बचने के लिए यहां बैठने का कोई उचित स्थान नहीं बचा है। मानसून शुरू होने के बाद जब तेज बारिश होती है, तो यात्री और बाइक सवार लोग मजबूरी में नजदीकी पेड़ों के नीचे शरण लेते हैं।

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है क्योंकि राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेबस हैं। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नया यात्री शेड बनवाने की मांग की, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही नया यात्री शेड नहीं बना तो आने वाले दिनों में यात्रियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ेगी। प्रशासन और संबंधित विभाग से शीघ्र समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

यात्री शेड बनवाने की मांग

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है क्योंकि राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेबस हैं। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नया यात्री शेड बनवाने की मांग की, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

महाभंडारे के साथ संपन्न हुआ श्रीराम दरबार मंदिर का 21वां वार्षिकोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। स्थानीय सरोज नगर स्थित श्रीराम दरबार मंदिर का 21वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार को धार्मिक उत्साह और भव्यता के साथ भंडारे के आयोजन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन हुआ, जिसमें स्थानीय और दूर-दराज के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पंडित प्रयाग पाठक एवं नरेंद्र पाठक के वेदपाठ और मंत्रोच्चार के बीच हवन एवं पूर्णाहुति की विधि संपन्न कराई गई। हवन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा वातावरण भक्ति रस में सराबोर रहा। वार्षिकोत्सव के अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिसमें रंग-बिरंगे झंडे, लाइटिंग और फूलों की सजावट लोगों को आकर्षित कर रही थी। इस आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय समाजसेवियों और मंदिर समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में डॉ. अनिल प्रसाद, सीताराम, राम विचार सिंह, रविकांत गिनोडिया, शशिकांत गिनोडिया, रवि गिनोडिया, अरुण शर्मा, विक्रांत शर्मा, आनंद कनोडिया, निखिल, आदित्य, छोटू, श्याम अग्रवाल, मोहनलाल वरु, मोहनीश कुमार, जयेश कुमार, संदीप अग्रवाल, किरण प्रसाद, सुरेश जायसवाल, प्रेमशंकर भगत, पंडित रामकृष्ण मिश्र, गोविंद अग्रवाल और विनोद कुमार गुड्डू समेत सैकड़ों लोगों का सहयोग रहा।

बेड़ो-लोहरदगा मार्ग पर सेंट्रल स्कूल पुल के पास हुआ हादसा

भोक्ता नदी के तेज बहाव में फंसा युवक, रेस्क्यू टीम ने बचाई जान

- बहते पानी में फंसे युवक की रस्सी से जान बचाई लेकिन बाइक बह गई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा में इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण नदी नाले उफान पर है। शुक्रवार को तेज बारिश की वजह से नेशनल हाईवे 143 एजी लोहरदगा-भंडरा-बेड़ो मुख्य पथ पर बारिश का पानी बहने लगा। इस दौरान बाइक से निकल रहा युवक पानी की तेज धार में फंस गया, जिसे बड़ी मुश्किल से बचाया जा सका। जानकारी के अनुसार लोहरदगा निवासी राज प्रकाश अपनी मोटरसाइकिल से रांची से अपने घर लोहरदगा लौट रहा था। इसी बीच नदी के ऊपर बह रहे पानी को देखकर उसे अंदाजा नहीं हुआ कि पानी का बहाव इतना तेज है। जिस कारण वो पानी के बहाव में नदी में फंस गया। इस दौरान वह पुल पार करने की कोशिश कर रहा था तभी वह तेज धार के साथ बहने लगा लेकिन वह मोटरसाइकिल के साथ फंस गया। युवक के शोर मचाने पर आसपास के लोग उसे बचाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना भंडरा थाना पुलिस को दी। भंडरा थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने तत्काल एक्शन लेते हुए भंडरा के रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सरताज अंसारी, आफताब आलम, शकील अहमद और फिरोज अंसारी को उस युवक को बाहर निकालने के लिए बुलाया। सभी तत्काल वहां रस्सी लेकर पहुंचे और बचावकर्ताओं ने कमर में रस्सी बांधकर तेज बहाव के बीच नदी में उतरकर राज प्रकाश प्रसाद को सुरक्षित बाहर निकाला। इसमें एक घंटे से भी ज्यादा समय लग गया। रेस्क्यू के दौरान सभी की सांसे थमी हुई थी। हालांकि मोटरसाइकिल अभी भी नदी के तेज बहाव में फंसी है। सूचना मिलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बैरिकेडिंग करते हुए लोगों को पुल से नहीं जाने की हिदायत दी।

भुक्तभोगी ने बताया की ये लोग नही रहते तो शायद मैं जिंदा नहीं बचता

राज प्रकाश ने बताया कि वे किसी तरह पुल के पिलर से चिपक कर खड़े रहे, लेकिन बहाव बहुत तेज होने के कारण वे अधिक देर तक टिक नहीं पा रहे थे। इसी दौरान, राजकुमार, जो कि वहां मौजूद थे, ने शोर मचाया और मदद के लिए बुलाया। थोड़ी ही देर में सरताज अंसारी, फिरोज अंसारी, अफताब आलम और शकील अहमद मौके पर पहुंचे और रस्सी के सहारे राज प्रकाश को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में राज प्रकाश को चेहरे और दांत में चोटें आईं। उन्हें तत्काल लोहरदगा दंत चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां उनके नाना डॉ टी साहू द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। इस साहसिक बचाव कार्य में शामिल सभी युवकों को स्थानीय लोगों और परिजनों ने धन्यवाद दिया है। राज प्रकाश ने कहा, "अगर ये लोग समय पर नहीं पहुंचते, तो मेरी जान शायद नहीं बचती। मैं इन सभी का जीवन भर ऋणी रहूंगा।"

बरही पुल का जलस्तर बढ़ा, लगाया गया बैरिकेटिंग

लोहरदगा। पिछले कुछ दिनों से लोहरदगा जिले में लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण लोहरदगा भंडरा बेड़ो मार्ग पर अवस्थित बरही पुल के ऊपर से तेज पानी का तेज बहाव हो रहा है। नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जिला प्रशासन ने मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए किसी भी तरह की दुर्घटना या अनहोनी को रोकने के लिए उस मार्ग पर बैरिकेटिंग कर दिया है।सुरक्षा की दृष्टिकोण से आमजन उस रास्ते का प्रयोग किसी भी हालत में नहीं करे।जब तक पुल का पानी खतरे के निशान से नीचे नहीं आ जाय तब तक लोग अन्य वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। जिला प्रशासन के अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार,अंचलाधिकारी भंडरा दुर्गा कुमार,अंचलाधिकारी सेंहा,थाना प्रभारी सेंहा ने मार्ग पर बैरिकेटिंग कराकर स्थल का जायजा लिया।

फर्नीचर दुकान में 57 हजार की चोरी, चोर सीसीटीवी में कैद

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। कुडू बाजार टांड़ रोड में संचलित जोहार फर्नीचर वर्ल्ड नामक फर्नीचर कारखाने में चोरी की बड़ी वारदात हुई है। अज्ञात चोर फैक्ट्री से 57 हज़ार रुपये नकद चुराकर फरार हो गया। चोरी की यह वारदात फैक्ट्री परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पूरी वारदात उस समय हुई जब फैक्ट्री के मालिक मनोज प्रसाद रविवार की रात करीब 7 :30 बजे खाने के लिए घर गए हुए थे। मात्र आधे घण्टे में मनोज प्रसाद जैसे ही लौटे तो अंदर का नजारा देख वह स्तब्ध रह गए। अपने केबिन का ताला टूटा पाया और पैसे गायब थे, उन्होंने तुरंत सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो एक संदिग्ध व्यक्ति वारदात को अंजाम देते हुए कैमरे में कैद हुआ है।फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर सीधे उस दराज तक पहुंचता है जहां नकद राशि रखी गई थी, और बड़ी सहजता से उसे खोलकर पैसे निकाल लेता है। चोर की इस सटीकता को देखकर आशंका जताई जा रही हैं कि इस वारदात में किसी आंतरिक व्यक्ति की संलिप्तता हो सकती है। भुगतभोगी मनोज प्रसाद ने मामले की लिखित सूचना स्थानीय पुलिस को देकर मदद की गुहार लगाई है। सरे शाम चोरी की इस घटना से व्यवसायियों में रोष और भय का माहौल है। लोगों का मानना है कि पुलिस पूरी निष्ठा और बारीकी से जांच करे तो चोर की पहचान और गिरफ्तारी जल्द हो सकती है। यदि फैक्ट्री में काम करने वाले कामगारों से सख्ती से पूछताछ की जाए तो किसी आंतरिक संलिप्तता की संभावना की भी पुष्टि हो सकती है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा, हम मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है और चोरों की पहचान की कोशिश की जा रही है। हालांकि अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। बहुत जल्द अपराधी को पकड़ लिया जाएगा।

लोहरदगा में एकसाथ तीन स्थानों से निकली भव्य रथयात्रा, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक चौबंद

हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की निकाली रथयात्रा

- श्रद्धालुओं के हरि बोल-हरि बोल के उद्घोष से पूरा माहौल गूंज रहा था
- रथ मेला में सुरक्षा के व्यापक थे इंतेजाम

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। प्रखंड में शुक्रवार को ऐतिहासिक रथयात्रा निकली। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु अपने भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के साथ रथ में आरूढ़ होकर अपने सभी विग्रहों के साथ मौसीबाड़ी पहुंच गए। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के रथ को खींचकर आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सबसे ज्यादा आकर्षण भगवान जगन्नाथ का फूलों से सजाया गया रथ था। रथ की सजावट से लोग मंत्रमुग्ध थे।

रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के हरि बोल-हरि बोल के उद्घोष से पूरा माहौल गूंज रहा था। रथयात्रा ठाकुरबाड़ी से शुरू होकर अखिलेश्वर धाम स्थित मौसीबाड़ी पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान भगवान के मौसीबाड़ी जाने के दौरान कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। रथयात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के भजन और जयकारा सुनकर भाव विभोर हो रहे थे। मौसीबाड़ी में भगवान नौ दिनों तक विश्राम कर रोजाना भक्तों को अपने अलग-अलग रूपों में दर्शन देंगे। इसके बाद फिर से भगवान रथ में सवार होकर ठाकुरबाड़ी लौटेंगे। रथयात्रा मेला में भंडरा, लोहरदगा, कुडू के अलावा गुमला व रांची के विभिन्न गांवों के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान शुक्रवार को पूरे रथ यात्रा के दौरान झमाझम बारिश होती रही। इसके बावजूद रथ खींच कर भगवान को मौसीबाड़ी पहुंचाने के लिए श्रद्धालुओं की उत्साह चरम पर रहा। इधर भंडरा प्रखंड में ऐतिहासिक रथ मेले में घरेलू उपयोग के सामान से लेकर कृषि सामग्री, सुरक्षा, फैशन सामग्री, मिठाई, खिलौना की दुकानें सजी हुई थी। बच्चों के मनोरंजन के लिए टावर झूला, ड्रैगन ट्रेन, हार्स राइडिंग, मौत कुंआ, बिजली झूला, टोरा-टोरा लगाए गए है। जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। मेला में रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले पारंपरिक सामान आसानी से मिल रहे हैं। यहां झारखंड, बिहार, बंगाल आदि क्षेत्र से व्यापारी आए हुए है।

ऐतिहासिक नौ दिवसीय रथ मेला में हजारों की भीड़ को देखते हुई पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। रांची लोहरदगा मुख्य पथ के मसमानो मोड़, नवडीहा मोड़, अकाशी पथ के अखिलेश्वर तोरण द्वार के समीप बैरियर लगाकर दंडाधिकारी नियुक्त किया गया था। जबकि भंडरा थाना के समीप कंट्रोल रूम बनाकर लोगों की सहायता की जा रही थी। मेले मे जगह-जगह पुलिस बाल मौजूद थे। ड्रोन कैमरे के सहारे मेले की निगरानी की जा रही थी।थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह, सीओ दुर्गा कुमार, बीडीओ प्रतिमा कुमार सहित दंडाधिकारी मेले मे शांति व्यवस्था को लेकर निगरानी कर रहे थे। मेला आयोजन समिति द्वारा अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया था। जहां मेला कमिटी के सदस्य वाकी टॉकी की मदद से भूले भटके लोगों की सहायता कर रहे थे।

अखिलेश्वर धाम में शुक्रवार को काफ़ी संख्या मे भक्तो ने भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। अखिलेश्वर धाम में भक्तों की बढ़ती भीड़ के कारण पुजारी भजन पांडा द्वारा पंक्तियां बनाकर क्रमवार श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना कराया गया।

भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी पहुंचे भगवान जगन्नाथ

लोहरदगा। जय जगन्नाथ, जय श्री राम आदि के जयघोष करते हुए श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचे। रथ यात्रा के मौके पर भक्ति का माहौल रहा। अहले सुबह से ही शहरी क्षेत्र के गुदरी बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर, चंद्रशेखर आजाद चौक स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर, तिवारी दूरा स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर में पूजा अर्चना करनेवालों की भीड़ लगी रही। इस दौरान शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिर परिसर के आस पास मेला का दृश्य जैसा प्रतीत हो रही थी। पूजा सामग्रियों की अस्थायी तौर पर दुकाने व ठेला लगा था। पूजा दुकानों पर बताशा, इलायची दाना, फूल, बेलपत्र, सिंदूर, रोड़ी, अछत, मौली धागा, नारियल आदि की दुकान सजी हुई थी। दोपहर बाद रथयात्रा निकाली गयी। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान का रथ खींचा। भगवान के विग्रहों को रथारूढ़ कर शहर का परिभ्रमण कराया गया। जगन्नाथ स्वामी के रथ को ईस्ट गोला रोड स्थित मौसीबाड़ी पहुंचाया गया। जहाँ भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ नौ दिन तक मौसीबाड़ी में रहेंगे। घुरती रथ के अवसर पर भगवान जगन्नाथ को गुदरी बाजार स्थित जगन्नाथ महाप्रभु के मंदिर में लाया जायेगा। मेला को लेकर लोगों में भक्ति के साथ उत्साह देखा गया। शहरी क्षेत्र के अलावा दूर दराज से लोग रथ यात्रा में शामिल हुए। लोहरदगा में रथ यात्रा का इतिहास काफी पुराना है। यहां 271 साल से निरंतर रथ यात्रा निकाली जा रही है।, रथ मेला को लेकर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुरोहितों ने बताया कि जगन्नाथ रथ यात्रा में भाग लेने वाला जन्म-जन्म के चक्कर से मुक्त हो जाता है। भगवान जगन्नाथ को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना गया है। इनकी महिमा का उल्लेख धार्मिक ग्रंथों एवं पुराणों में मिलता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ उनके भाई बलभद्र)और बहन सुभद्रा रथयात्रा के मुख्य आराध्य होते हैं। जो इस रथयात्रा में शामिल होकर रथ को खींचते हैं, उन्हें 100 यज्ञ के बराबर पुण्य लाभ मिलता है। रथयात्रा के दौरान हजारों की संख्या में लोग शामिल होते हैं व रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

मेडिटेशन कार्यक्रम में डीडीसी ने निषिद्ध मादक पदार्थों के विरूद्ध दिलाई शपथ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट की ओर से समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित मेडिटेशन कार्यक्रम में डीडीसी द्वारा शुक्रवार को सभी पदाधिकारियों और कर्मियों निषिद्ध मादक पदार्थों का इस्तेमाल नहीं करने की शपथ दिलायी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि मेडिटेशन को आदत में शामिल करें व निरोग रहें। यह आपकी मानसिक क्षमता में वृद्धि करता है। कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मीगण उपस्थित थे।

मौसीबाड़ी पहुंचे महाप्रभु जगन्नाथ, माहौल भक्तिमय

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। शुक्रवार को कुडू में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली। सुबह इंदिरा गांधी चौक स्थित बिड़ला शिव मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रथ पर विराजमान कर श्रद्धालु भक्तों द्वारा रस्सियों से खींचते हुए कुडू बाजार टांड़ स्थित दुर्गा बाड़ी लाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के जयकारे से वातावरण गुंज उठा दुर्गा बाड़ी में दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो देर शाम तक बनी रही। जहां श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। यहां से रथ बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर, मौसीवाड़ी पहुंचा। परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ यहां नौ दिवसीय प्रवास के उपरांत पुनः रथ द्वारा बिड़ला शिव मंदिर लौटेंगे। इधर आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा। स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति के सहयोग से आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। मौके पर धीरज प्रसाद, ज्योति कुमार, संतोष प्रसाद, संजय चौधरी, प्रदीप वैध सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खनिजों की ढुलाई पर यूजर चार्ज लेना बंद करें सरकार : एसोसिएशन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पथ निर्माण विभाग, झारखंड द्वारा खनिजों की सड़क मार्ग से ढुलाई पर प्रति ट्रिप 1200 रूपया कंपोजीशन यूजर चार्ज लागू कर दिया गया है और इसकी वसूली भी शुरू कर दी गई है। यूजर चार्ज लेने के लिए खान विभाग द्वारा जारी चालान से इसे जोड़ दिया गया है यानि जितने चालान निर्गत होंगे, उन्हें 1200 प्रति चालान पथ निर्माण विभाग वसूलेगा। इसको लेकर लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह ने यूजर चार्ज को जेम पोर्टल व चालान से जोड़ने का विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि जब यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा है और इस बीच में सरकार के अधिकारियों के द्वारा इसे लागू कर दिया गया है जो कि कहीं ना कहीं हाई कोर्ट की अवमानना का मामला दिखता है। जेम पोर्टल अवैध खनन को रोकने के लिए बना है ना कि पथ निर्माण विभाग के टोल टैक्स वसूली के लिए, इसलिए जल्द से जल्द सरकार इस निर्णय को वापस ले। अन्यथा एसोसिएशन इस मामले को लेकर कोर्ट जाएगी। वैसे भी लोहरदगा, गुमला ,लातेहार उद्योग विहीन जिले है, यहां पर सिर्फ बॉक्साइट की ढुलाई और खनन से ही अर्थव्यवस्था चलती है और इस स्थिति में इतना ज्यादा यूजर चार्ज लगाने से इस व्यवसाय को चलाने में काफी कठिनाइयाँ हो जाएगी।

वैसे भी जब सरकार रोड टैक्स, खनन की रॉयल्टी से लेकर हर चीज का टैक्स ले रही है तो यह अतिरिक्त भार क्यों? और पूर्व से ही ट्रांसपोर्टिंग के लिए चलने वाले वाहनों पर केंद्र और राज्य सरकारो ने इतना ज्यादा पेपर और टैक्स और चार्ज लगा दिया हैं कि परिवहन व्यवसाय की स्थिति चरमरा चुकी है, अगर एक व्यावसायिक वाहन है तो उससे पहले से ही लगभग 8 से 9 किस्म के पेपर और चार्ज लिए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में हम इस नए चार्ज को देने के लिए तैयार नहीं है।

आदेश खाद्यान्न गोदामों व जनवितरण के दुकानों का नियमित अंतराल पर करें निरीक्षण

खाद्यान्नों का रख-रखाव व नमी से बचाने के निदेश

- उपायुक्त ने आपूर्ति विभाग की बैठक में दिए कई दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने आपूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा समाहरणालय सभाकक्ष में की। बैठक में उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को प्राप्त खाद्यान्न का शत प्रतिशत वितरण ससमय कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी गोदामों का निरीक्षण निर्धारित मानक के अनुरूप किये जाने का भी निर्देश जिला आपूर्ति पदाधिकारी और सभी विपणन पदाधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करें और दुकानों का औचक निरीक्षण करें।

उपायुक्त ने गोदामों में खाद्यान्नों का उचित रख-रखाव और उसे नमी से बचाने के निदेश दिए गए। सभी विपणन पदाधिकारियों को सभी जनवितरण प्रणाली की दुकानों में सूचना पट्ट, सूचना पट्ट में आवश्यक विवरणी प्रदर्शित किए जाने, ई-पॉश मशीन की स्थिति की जांच, निर्धारित मात्रा अनुसार लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण, खाद्यान्न को फंगस से बचाने, बारिश के मौसम में विशेष रूप से खाद्यान्न को प्लास्टिक से ढंकने के निदेश दिए। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल, सभी विपणन पदाधिकारी, सभी एजीएम उपस्थित थे।

नशे से दूर रहें, देश के विकास में बनें सहभागी

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय लोहरदगा और पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग लोहरदगा द्वारा निषिद्ध पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक लगाने व नशामुक्ति के लिए समाहरणालय परिसर लोहरदगा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ ताराचंद ने सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को निषिद्ध पदार्थों के इस्तेमाल नहीं करने और नशामुक्त भारत बनाने में अपना सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है। इसलिए स्वयं को स्वस्थ रखें और देश के विकास में सहभागी बनें। नशे से सभी दूर रहें। मौके पर पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, डीडीसी, एडीएम, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, एसडीओ, एलआरडीसी सुजाता कुजूर, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी व कर्मीगण उपस्थित थे।

100 वर्षों से चली आ रही रथयात्रा संपन्न, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- 100 वर्षों की परंपरा में उमड़ते हैं 20 गांवों के श्रद्धालु
- प्रशासन रहा सतर्क, विधि व्यवस्था चाक-चौबंद

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के उत्तरी भरनो पंचायत अंतर्गत समसेरा गांव के चन्दागढ़ में भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ यात्रा परंपरागत आस्था, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। चन्दागढ़ रथ पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित यह ऐतिहासिक रथ मेला बीते 100 वर्षों से निरंतर आयोजित होता आ रहा है, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक है। समिति के अध्यक्ष जगरनाथ भगत ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 9 बजे भगवान जगन्नाथ की महाआरती के साथ मंदिर का पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया गया। सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन को मंदिर पहुंचे। चारों ओर भक्ति की बयार बह रही थी और मंदिर परिसर हर-हर जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा।

भगवान जगन्नाथ के रथ मेले में भरनो, समसेरा, करंजटोली, जामटोली, पंडरानी, महुआलोटी, रायकेरा, अमलिया, कैरों, कुम्हरों, मलगो, दुम्बो, पीपीरटोली, अम्बाटोली, डहुटोली, लालटोली, बूढ़ीपाठ सहित लगभग 20 गांवों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

चन्दागढ़ में लगे रथ मेले में मिठाइयों की विशेषकर जलेबियों की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिली। बच्चों और महिलाओं के लिए खेल-खिलौनों और सजावटी सामानों की दुकानें विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालु पूरे दिन पूजा-अर्चना के साथ-साथ खरीदारी का आनंद लेते नजर आए। रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मौसीबाड़ी करंजटोली तक खींचा गया रथ। शाम करीब पांच बजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर मौसीबाड़ी करंजटोली गांव के लिए प्रस्थान किए। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। परंपरा अनुसार, भगवान मौसीबाड़ी में नौ दिनों तक विश्राम करेंगे, जिसके बाद 'घूरती यात्रा' के साथ पुनः मंदिर में वापसी होगी।

रथयात्रा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति स्वयं पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के साथ मुस्तैद रहीं। साथ ही मजिस्ट्रेट सह सीआई शाहिद अनवर ने रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी संभाली। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में चन्दागढ़ रथ पूजा समिति के अध्यक्ष जगरनाथ भगत सहित एतवा भगत, झिरगा भगत, गोयों भगत, खद्दी भगत, चन्दर भगत, छोटया भगत, जुब्बी भगत, मुखिया मंजू देवी, विनय साहू, दरया भगत, रोपना भगत, भदु भगत, कपिल गोप, बिमल गोप, श्यामलाल उरांव, सन्तोष प्राधान, विशेष्वर पहान समेत अनेक ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी क्रम में प्रखंड के करंज और करौंदाजोर गांव में भी रथ यात्रा का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत रूप से भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की पूजा-अर्चना की। सभी जगहों पर रथ यात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण और भक्ति भाव से परिपूर्ण रहा।

जुटा जनसैलाब, इतिहास के पहियों ने आस्था को दी गति

बसिया (गुमला)। जनजातीय आस्था को पारंपरिक सम्मान देनेवाले रथयात्रा महोत्सव का आज ग्रामीण क्षेत्र में भरपूर उत्साह देखा गया। सबेरे मौसम कुछ खराब था और एक बार रथयात्रा को लेकर थोड़ी मायूसी का माहौल बन गया। इधर जबतक यात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ के रथों के सजने का वक्त आया तबतक मौसम भी सुहाना हो गया। अब घंट, शंख व भगवान के जय जयकार की बारी थी और यह अपने पूरे शबाब में नजर भी आया। बताते चलें कि बसिया को कभी नागवंशी राजाओं की राजधानी का गौरव हासिल था और अनादि काल से यहाँ उड़िया भाषियों की संख्या प्रभावी रही है। ऐसे में इस क्षेत्र विशेष के लिए रथयात्रा का इतिहास खंगालना लगभग असंभव माना जाता माना जाता है फिर भी दो ऐतिहासिक मंदिरों के आधार पर यह माना जाता है कि यहाँ सदियों से रथयात्रा के आयोजन हो रहे हैं। बुजुर्गों की मानें तो यहां के बौरीगुड़ी जगन्नाथ मंदिर का कोई इतिहास उपलब्ध नहीं है जबकि राधामावध मंदिर से संवत 1739 से रथयात्रा जारी है। ऐसे में यहाँ रथयात्रा का इतिहास कम से कम 350 साल के आसपास का माना जाता है। इसी इतिहास के आलोक में आज रथ पुरोहित पं.मनोज होता और पं.गणेश महंती के नेतृत्व में दो समानांतर रथों का यहाँ परिचालन संपन्न हुआ। इसी तरह रामजड़ी,पोकटा,नारेकेला,लोंगा आदि ग्रामीण क्षेत्रों से पारंपरिक उत्साह के साथ जनसैलाब के द्वारा रथयात्रा के आयोजन की सूचना है।

रथयात्रा महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, विधायक भूषण बाड़ा ने दी एकता व विकास की प्रेरणा

पालकोट। सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पालकोट में आयोजित रथयात्रा महोत्सव भक्ति, उत्साह और सामाजिक समरसता के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा अपनी धर्मपत्नी एवं जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा के साथ शामिल हुए और श्रद्धालुओं को संबोधित किया। विधायक भूषण बाड़ा ने अपने संबोधन में कहा -"भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा हमारे क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत है, जो हमें प्रेम, भाईचारा और एकता का संदेश देती है। पालकोट की धरती पर सभी समुदायों का एक साथ आकर इस पर्व को मनाना हमारी असली ताकत है। हमारा लक्ष्य है कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो और जनता को सभी मूलभूत सुविधाएं सुलभ रूप से उपलब्ध हों।" रथयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, जयकारों और उत्साह से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में पालकोट के युवराज देवब्रतनाथ शहदेव ने रथयात्रा की परंपरा को सहेजने का आह्वान किया और सभी को शुभकामनाएं दीं। जोसिमा खाखा ने कहा - "रथयात्रा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि पालकोट और सिमडेगा निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ें।" रथयात्रा में कानून-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में कई गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस पार्टी के विभिन्न विंगों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता, जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार गुप्ता,गुमला विधायक प्रतिनिधि मनीष, संसद प्रतिनिधि बसंत कुमार गुप्ता, ए.सी. मोर्चा अध्यक्ष भुनेश्वर राम, ओबीसी जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह,सोनल लकड़ा,रोहित एक्का,ऋषि कुमार,गौतम कुमार,भूषण सिंह,डमरूधर साहू,प्रदीप बड़ाईक, बन्नू सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, उमड़ा आस्था का सैलाब

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के टिनटागर गांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई, जिसमें हजारों भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मुख्य पुजारी द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद भक्तों की लंबी कतारों के साथ जगन्नाथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय जयकारों से गूंज उठा। मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जो इस पावन अवसर का हिस्सा बनने दूर-दराज से आए थे।शाम लगभग 5 बजे, भक्तों ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ रथ को खींचते हुए मौसी बाड़ी तक पहुंचाया। इस दौरान मेले में विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और खास तौर पर चावल से बने प्रसिद्ध पीठे का आनंद लेते हुए लोग देखे गए।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चैनपुर थाना के एसआई दिनेश कुमार, एएसआई धर्मपाल लुगुन, मजिस्ट्रेट उज्ज्वल मिंज सहित स्वास्थ्य कर्मी भी मौके पर मौजूद थे ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके और यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो। यह रथ यात्रा टिनटागर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत प्रमाण है।

नागफेनी में उड़ीसा परंपरा पर आधारित रथ यात्रा भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न, उमड़ी भीड़

सिसई (गुमला)। गुमला जिले के सिसई प्रखंड अंतर्गत नागफेनी गांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा पारंपरिक उड़ीसा पद्धति पर श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक गौरव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर न केवल गुमला जिले, बल्कि झारखंड के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नागफेनी की रथ यात्रा की खासियत यह है कि यह पूरी तरह उड़ीसा की पारंपरिक शैली में संपन्न होती है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के लिए विशेष रथों का निर्माण किया जाता है, जिन्हें वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा के पश्चात मंदिर से बाहर लाया जाता है। रथ खींचने से पहले पारंपरिक छेरापहरा (झाड़ू लगाने की रस्म) भी निभाई जाती है, जिससे यह आयोजन और भी दिव्यता से भर जाता है। सुबह से ही नागफेनी गांव में श्रद्धालुओं का तांता लग गया था। रथ यात्रा प्रारंभ होते ही "हरि बोल", "जय जगन्नाथ" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। हजारों श्रद्धालु रथ को खींचने के लिए उमड़ पड़े।

बिशुनपुर व बनारी में निकली भव्य रथ यात्रा हरि बोल के जयघोष से गूंजा वातावरण

बिशुनपुर। शुक्रवार को बिशुनपुर प्रखंड के बिशुनपुर एवं बनारी गांव में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की पवित्र रथ यात्रा भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल हुए और "हरि बोल" तथा "जय जगन्नाथ" के जयघोष से संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। बिशुनपुर थाना परिसर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा की शुरुआत हुई। पंडित मुनु दास और टेमन दास के द्वारा तीनों विग्रहों की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई, और भक्तों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। रथ यात्रा मुख्यालय भ्रमण करते हुए ब्लॉक परिसर स्थित मंदिर (मौसीबाड़ी) तक पहुंची। रथ खींचने के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। बनारी गांव में भी रथ यात्रा का आयोजन भव्य रूप में किया गया। दुर्गा मंदिर से शुरू होकर यात्रा बाजार टांड़ स्थित मौसीबाड़ी तक पहुंची। इस दौरान भक्तों ने संयुक्त रूप से रथ की रस्सी खींची और भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। रथ यात्रा में पुरुषों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने एक साथ भाग लेकर सामाजिक और धार्मिक एकता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, उमड़ा आस्था का सैलाब

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के टिनटागर गांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई, जिसमें हजारों भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मुख्य पुजारी द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद भक्तों की लंबी कतारों के साथ जगन्नाथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय जयकारों से गूंज उठा। मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जो इस पावन अवसर का हिस्सा बनने दूर-दराज से आए थे।शाम लगभग 5 बजे, भक्तों ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ रथ को खींचते हुए मौसी बाड़ी तक पहुंचाया। इस दौरान मेले में विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और खास तौर पर चावल से बने प्रसिद्ध पीठे का आनंद लेते हुए लोग देखे गए।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चैनपुर थाना के एसआई दिनेश कुमार, एएसआई धर्मपाल लुगुन, मजिस्ट्रेट उज्ज्वल मिंज सहित स्वास्थ्य कर्मी भी मौके पर मौजूद थे ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके और यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो। यह रथ यात्रा टिनटागर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत प्रमाण है।

नागपुरी संस्कृति का भव्य उत्सव, हजारों की भीड़ ने उठाया रंगारंग कार्यक्रम का आनंद

गुमला। करौंदी रथ बगीचा में शुक्रवार को आयोजित मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम ने नागपुरी संस्कृति के रंग में हजारों लोगों को सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का उद्घाटन करौंदी जगन्नाथ मंदिर के मुख्य संरक्षक कृष्ण देव सिंह और भाजपा किसान मोर्चा के नेता मंगल सिंह भोगता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने नागपुरी कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए नागपुरी भाषा को संपर्क भाषा बनाने की अपील की, साथ ही बच्चों को नागपुरी सीखने व पढ़ने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मंगल सिंह भोगता ने अपने संबोधन में कहा कि "मेला सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समरसता का प्रतीक है। यह हमारी विरासत को जीवंत रखने का माध्यम है।"

भदौली महुआ टोली में विश्व हिंदू परिषद धर्म रक्षक विभाग का हुआ बैठक

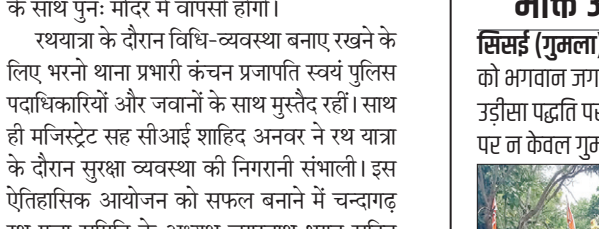

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखण्ड क्षेत्र के भदौली महुआ टोली में विश्व हिंदू परिषद धर्म रक्षक विभाग का एक आवश्यक बैठक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम का उच्चारण और एकात्मकता मंत्र से शुरू किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला मंत्री मनीष बाबू ने की, बैठक मे उपस्थित प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख सच्चिदानंद जी ने कहा की प्रखंड मे धर्म परिवर्तन को लेकर लोगों में जागरूकता लाना बहुत जरूरी है इसके लिए संगठन का प्रचार प्रसार विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का साप्ताहिक मिलन केंद्र सिसई प्रखंड के प्रत्येक गांव के मंदिरों हो यह सुनिश्चित किया जाए। ये भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक मंगलवार को हरेक मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाय। इसे लेकर योजना बनाने कि बात कही। साथ ही उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि एक विश्व हिंदू परिषद ही है जो कि धर्म प्रसार के माध्यम से हमारे सनातन समाज को बचाने के लिए प्रत्येक प्रखंड में योजना बनाकर कार्य कर रही है धर्म प्रसार द्वारा अभी तक पूरे गुमला जिला में 15 परिवार से अधिक लोगों को सरना सनातन में वापसी करवाई गई और उनका देखरेख के लिए हमेशा उनसे मिलना जुलना। सुख दुख में खड़ा रहने का कार्य कर रहा है 15 जुलाई से प्रत्येक मंगलवार को सिसई के मुख्य मंदिरों में मिलन केंद्र का शुरूआत किया जाएगा। और साथ ही इसी के भांति प्रत्येक गांव में भी प्रखंड समिति के एक-एक कार्यकर्ता प्रत्येक सप्ताह जा जाकर मिलन केंद्र शुरू कराएंगे। अंत में भारत माता की जय, जय श्री राम जैसे जयघोष के साथ बैठक का समापन हुआ। मौके पर प्रांत प्रमुख सच्चिदानंद जी, जिला मंत्री मनीष बाबू, लोहरदगा जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा, प्रखंड संयोजक सौरव ताम्रकार,गौ रक्षा प्रमुख किशन सिंह, किशोर सिंह , कैलाश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला

रायडीह पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है, आरोपी कई दिनों से नाबालिग के साथ छेड़ छाड़ कर रहा था, तंग आकर नाबालिग के पिता ने थाना में आवेदन करवाई की मांग की थी। जानकारी के अनुसार रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग से गांव के ही एक 20 वर्षीय युवक मुकेश भारती छेड़छाड़ कर रहा था बुधवार शाम को भी नाबालिग लड़की घर के बाहर थी तभी मुकेश भारती आया और नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने लगा लड़की ने परिजनों को आवाज लगाई तो आरोपी भाग गया उक्त घटना से परेशान होकर नाबालिग लड़की के पिता रायडीह थाना पहुंच कर लिखित आवेदन दिया रायडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी मुकेश भारती को गिरफ्तार कर पोक्सो एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया।

कैंसर से जूझ रहे 16 वर्षीय छात्र की मदद को आगे आए कांग्रेस नेता

मुख्यमंत्री योजना से इलाज का दिया भरोसा

- 6 माह से कैंसर से पीड़ित, रिम्स में इलाज असंभव बताया गया
- आर्थिक तंगी ने बढ़ाई चिंता, मजदूरी कर परिवार चलाते हैं पिता

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला प्रखंड के फोरी गांव निवासी 16 वर्षीय छात्र शौकीफ खान गंभीर लिवर कैंसर से जूझ रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण उचित इलाज कराना असंभव हो गया है। इस विकट परिस्थिति में कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुख्तार आलम पीड़ित परिवार की मदद के लिए सामने आए हैं और मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत इलाज में सहयोग का आश्वासन दिया है। शौकीफ के पिता जमाल खान, जो पेशे से मजदूर हैं, ने बताया कि उनके बेटे को छह महीने पहले पेट में सूजन की शिकायत हुई थी। जब उसे रांची के रिम्स में दिखाया गया, तो डॉक्टरों ने बताया कि उसके लिवर के मांस में कैंसर है। धीरे-धीरे उसका पेट फूलने लगा और सख्त हो गया। रिम्स में इलाज संभव नहीं होने पर उसे सदर अस्पताल गुमला लाया गया, जहां डॉक्टरों ने सीमित इलाज किया। शौकीफ को बार-बार खून चढ़ाने की आवश्यकता होती है, क्योंकि उसके शरीर में खून की कमी हो जाती है। अब डॉक्टरों ने ऑपरेशन की जरूरत बताई है, जो केवल जमशेदपुर या मुंबई जैसे बड़े अस्पतालों में ही संभव है। पिता जमाल खान ने बताया कि वह रोज मजदूरी कर जैसे-तैसे अपने परिवार का गुजारा कर रहे हैं। बेटे के इलाज के लिए उनके पास ना तो संसाधन हैं, ना ही कोई स्थायी आय का स्रोत। ऑपरेशन और यात्रा का खर्च वहन कर पाना उनके लिए असंभव है। मुख्तार आलम ने की मुलाकात, सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा मामले की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार सुबह 10 बजे कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुख्तार आलम सदर अस्पताल पहुंचे और शौकीफ के परिवार से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली।

निर्णय भदौली कुदरा दुर्गा मंडप के जर्जर हुए भवन को तोड़कर नवनिर्माण के लिए किया शिलान्यास

आचार्य रामज्ञानी पाठक ने की पूजा-अर्चना, हुआ भूमि पूजन

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। भदौली कुदरा दुर्गा मंडप के भवन काफी समय से जर्जर स्थिति में था। उसके छत गिरने के कगार में थे। जिससे श्रद्धालुओं के साथ हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई थी। मंडप को तोड़कर पुनः निर्माण के लिए काफी लंबे समय से विचार विमर्श किया जा रहा था। लेकिन संयोग नहीं बन पा रहा था। अंततः वो समय आ ही गया। और पूजा समिति ने मंडप के जर्जर स्थिति को देखते हुए दोनों पंचायत के ग्रामीणों के साथ बैठक कर मंडप को वृहद आकार में पुनः नवनिर्माण कराने का निर्णय लिया। इसके लिए सभी ग्रामीणों ने अपनी सहमति जताई। और शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ जी शुभ रथयात्रा के दिन आचार्य रामज्ञानी पाठक एवं विकल्प पाठक ने समाजसेवी मुकेश श्रीवास्तव, उनकी धर्मपत्नी उर्वशी देवी, विक्रम ताम्रकार, उनकी धर्मपत्नी गुड्डी देवी एवं रोहित शर्मा के द्वारा पूजा अर्चना कराकर भूमि पूजन एवं शिलान्यास कराया गया।

समाजसेवी मुकेश श्रीवास्तव डेविड ने बताया कि भदौली कुदरा दुर्गा पूजा ऐतिहासिक दुर्गा पूजा रहा है। सन 1985ई में यहां पर मां की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा पूजा की शुरुआत की गई थी। तब से निरंतर प्रतिवर्ष दोनों पंचायत के ग्रामीणों द्वारा दुर्गा पूजा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है।

वर्तमान में दुर्गा मंडप का भवन जर्जर हो गया था और गिरने के कगार पर था। इसकी स्थिति को देखते हुए पूजा समिति ने संकल्प लिया कि मंडप का पुनर्निर्माण कराना है और आज वो शुभ घड़ी आ गया जब मंडप के निर्माण हेतु भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। इस मौके पर हिन्दू जागरण झारखंड के प्रदेश प्रमुख संजय वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य पीतांबर झा,शिक्षक बिपिन झा, पंकज साहू, सिसई थाना प्रभारी संतोष सिंह, नन्दकिशोर सिंह, अजय सिंह, रामानंद सिंह, अरुण सिंह, प्रभात साहू, विकास साहू, उदयचंद देवघरिया,बंटी ताम्रकर, रोहित घंटी, शम्भु एस चौहान, चमरू महतो,हेमंत गुप्ता,सनत केशरी, दीपक सिंह, छोटेलाल ताम्रकर, सौरभ ताम्रकर, उदय कुशवाहा, सुरेन्द्र जयसवाल, अमित कुमार, जमुना प्रसाद, शम्भु केशरी सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रांची में आरटीएसएम की पहली प्रदेश स्तरीय बैठक कल आयोजित

- प्रदेशभर के प्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य, दिलीप कुमार नीलेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन (आरटीएसएम) की पहली प्रदेश स्तरीय बैठक आगामी 29 जून 2025 (रविवार) को राजधानी रांची स्थित नव प्रदेश कार्यालय "नीलेश भवन", करम पुल, जामुन-दोइन मुहल्ला, मौजा गुटुआ (निकट कटहल मोड़) में आयोजित की जा रही है। यह महत्वपूर्ण बैठक प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ होगी, जिसकी अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेश स्वयं करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष नीलेश ने जानकारी देते हुए कहा की यह बैठक संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्ययोजना, जनसंपर्क विस्तार एवं सामाजिक एकजुटता की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगी। अतः प्रदेशभर के पदाधिकारियों की उपस्थिति आवश्यक है।" बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति विशेष रूप से अपेक्षित है सभी प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी, संगठन के विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, राज्य के सभी जिलों के अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारीगण,सभी प्रखंडों के अध्यक्ष एवं सक्रिय कार्यकर्ता साथीगण प्रदेश अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से समय का पालन करते हुए बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

"विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने समाज और देश के प्रति जागरूक रहे। उसे अपने समाज और देश की समस्याओं के बारे में सोचना चाहिए और उनका समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए।" - **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

संपादकीय

जड़ों से हिंदी विरोधी राजनीति

हिंदी को प्रतिष्ठित करने में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका रही थी। राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी समय महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र देखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून, 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया।वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी सांविधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा है। किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार व सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती।इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी सुनाई दे रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों व केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी व अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से वहां किस तरह की बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा ही नजर आया। कन्नड़ न बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करता नजर आया। सॉफ्टवेयर क्रांति के केंद्र बंगलूरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के 77 साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ दुर्व्यवहार होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई।

रेयर अर्थ मिनरल्स व ईंधन-तेल में आत्म-निर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम

आज की बात

इंजी. राजेश पाठक

कभी केवल तेल था, अब इसके साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी आ जुड़ा है किसी देश की आर्थिक संप्रभुता को प्रबल बनाए रखने के लिए। क्योंकि जहां कोई भी उत्पादन होता है, वहाँ मैगनेट की जरूरत पड़ती है, जैसे विंड टर्बाइन, विधुत जेनेरेटर्स; इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, एयरक्राफ्ट इंजन, कार आदि। मैगनेट चाहिए तो जरूरी है आपके पास रेयर अर्थ मिनरल्स हों, जिससे ये बनकर तैयार होती है। रेयर अर्थ मिनरलस् आज चीन के पास सर्वाधिक 42 मिलियन टन हैं, जबकि इसके शौधित प्रारूप की दृष्टि से दुनिया की 90% आपूर्ति ये करता है। भारत के पास भी 7 मिलियन टन का वर्तमान रिजर्व है, और दुनिया में रूस के बाद पांचवें नंबर पर है; जबकि अमेरिका के पास दुनिया का केवल 2% ही है। वैसे भारत में अभी एक्स्प्लोरैशन चल रहा है, और संभावना है ये क्षमता 15 मिलियन टन के ऊपर पहुँच सकती है। लेकिन अभी स्थिति ये है, भारत को इसे चीन से आयात करना पड़ रहा है। क्यूँ ? क्यूंकी अब से पहले इसका नियंत्रण देश के पब्लिक सेक्टर 'इंडियन रेयर अर्थ मिनरल्स लिमिटेड' के अधीन था। और कुछ अपवादों को छोड दें तो इन सरकार नियंत्रित सेक्टर्स की सुस्त कार्य प्रणाली से सब सुपरिचित हैं। लेकिन अमेरिका के टेरिफ़-वार के चलते अब चीन ने इसको शस्त्र के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। साथ ही उद्धोगिक विस्तार के साथ भारत की भी आवश्यकता बढ़ गई है। पिछले वर्ष हमें जरूरत थी 4.5 हजार टन की, जबकि देश में उत्पादन हुआ कुछ सौ टन। इसलिए भारत ने अब एक 1000 करोड़ की प्रोडकसन लिंक्ड इंसेन्टीव -स्कीम भी शुरू कर दी है, साथ ही पब्लिक सेक्टर का एकाधिकार खत्म कर प्राइवेट सेक्टर को आमंत्रित किया जा रहा है। कहते हैं राजस्थान के रेगिस्तान में इसका अथाह भंडार पड़ा है, जहां अभी तक गहरी खुदाई हुई ही नहीं। क्यूंकी जिसे करना था वो था पब्लिक सेक्टर का उपक्रम। उसके लिए अब रास्ता खोल दिया गया है, अश्विनी वैष्णव के द्वारा। अब ये काम प्राइवेट सेक्टर सम्पन्न करेगा। इतना भर नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास 6 टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। और भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समझौता कर निश्चित किया है कि इस दिशा में मिलकर काम करेंगे।

दूसरी तरफ खबर है कि देश में अंडमान के समुद्री तट के निकट तेल का 4.5 बिलियन बेरल्स का बड़ा भंडार मिला है। इतना बड़ा कि जब यहाँ से तेल निकलना शुरू हो जाएगा, तो इसकी मात्रा कम से कम 2.50 लाख बेरल्स प्रति दिन होगी। जबकि वर्तमान में बॉम्बे हाई से सर्वाधिक 1.35 लाख बेरल्स प्रतिदिन प्राप्त होता है। यहाँ 1970 से हमें तेल मिल रहा है जो कि वर्तमान में प्राप्त कुल मात्रा का 35% है। कुछ समय पहले ही हमें बॉम्बे-हाई के पास ही दो जगह तेल के भंडार मिले हैं - सूर्यमणि और वज्रमणि। साथ ही त्रिपुरा में कुछ दिन पूर्व 200 तेल के कुएं में से कुछ में ऑईल एक्स्प्लोरैशन (अन्वेषण) चल रहा है, तो कुछ में से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 5 कुँओं में से 45 हजार बेरल्स प्रतिदिन तेल मिलने का अनुमान है। फिर बिहार के समस्तीपुर और यूपी के बलिया जिले में भी तेल पाया गया है। क्या कारण है कि पिछले कुछ समय से लगातार नित्य नए तेल भंडार का पता चल रहा है? ऑईल-फील्ड से सामान्यता जहाँ तेल मिलता है, वहाँ गैस भी पायी जाती है . आज की स्थिति में सोनार और राडार तकनीकी, और साथ ही रिसोर्स-सेटेलाइट से तेल को खोज निकलने का काम भी शुरू हो चुका है. जबकि इसके पहले पता नहीं क्यूँ इस और ध्यान ही नहीं दिया गया। इसी प्रकार इस व्यवसाय से जुड़े अन्दर की खबर रखने वालों की माने तो आयातकों से मिलने वाले भारी कमीशन के चलते कभी निजी कंपनियों को इस क्षेत्र से दूर रखा गया जिससे यथास्थिति बनी रहे। लेकिन अब जब से मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आयी 'ओपन लाइसेंसिंग पालिसी' के तहत जो अब तक अप्राप्त रहा उसे पाने के लिए इन निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी मौका दिया जाना शुरू हो चुका है। 2016 में सिंगल हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एण्ड लाईसेंसिंग पालिसी लागू कर पहले से स्थिति को आसान किया गया है। आज सुनने में विचित्र लग सकता है, लेकिन पहले तेल के कुएं से अगर कोई कंपनी को तेल निकालने का ठेका मिलता था, तो तेल के साथ निकलने वाली गैस भले हवा में उड़कर व्यर्थ नष्ट हो जाये पर ठेके की शर्त से बंधी कंपनी उसको स्टोर नहीं कर सकती थी. लेकिन अब नई नीति के अंतर्गत कुएं से प्राप्त होने वाली हर उपयोगी चीज़ देश हित में कंपनी स्टोर कर सकती है . इतना भर नहीं , अब ओपन एरिया लाइसेंसिंग पालिसी (OALP)के अंतर्गत कोई कंपनी तेल को खोज निकालने के काम के प्रस्ताव को भी लेकर आ सकती है. जबकि पहले सरकार के पास ही ये अधिकार सुरक्षित थे, और जो कि अपनी सुस्त गति से चलने के लिए अभिशप्त थे।

पहले डीआरडीओ, कोस्ट गार्ड और इसरो जैसे संगठनों ने बहुत बड़े क्षेत्र को सामरिक दृष्टि से प्रतिबंधित कर रखा था। लेकिन अब सरकार ने इन क्षेत्रों को ऑइल एक्स्प्लोरैशन के लिए खोल दिया है; साथ ही एक्स्ट्रैक्शन(निकालने) के लिए भी खबर है, शेवेरॉन, एक्सोन मोबिल, फ्रांस की टोटल एनेरजीस जैसी ऑइल एक्स्प्लोरैशन कॉम्पनियों ने भारत से संपर्क करना शुरू भी कर दिया है। बताया जाता है, अंडमान में जिस तेल भंडार का पता चला है अगर उसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो उससे हमारी अगले 70 साल की कुल जरूरत संभव हो सकेगी ।

दूसरी और, पहले कभी तेल के लिए हम खाड़ी देशों पर ही निर्भर थे। लेकिन मोदीजी ने इसके साथ ही दायरा बढ़ाते हुए वेनेजुएला, गुयाना और- यूक्रेन-रशियन युद्ध के बाद- हमने रूस से तेल लेना शुरू किया, और वो भी रुपए में साथ ही 30% डिस्काउंट रेट पर। फिर क़तर से भी हमारी डील रुपए में है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अभी हम 30 से भी अधिक देशों से तेल आयात कर रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा था, डॉलर में तेल ले नहीं सकते था। तो हमने चावल के बदले ईरान से तेल खरीदना शुरू कर दिया। साथ ही हमने कतर -गुयाना जैसे देशों के साथ लॉन्ग टर्म ट्रैड-डील साइन कर ली, जिसमें तेल की कीमत शर्तों के अधीन ही तय होंगी, बदलते हालातों से नहीं। । आर्कटिक नॉर्थ पोल पर तेल के बड़े भंडार का पता चला और रूस वहाँ पहुँच गया। तो भारत ने कहा हम भी आ रहे हैं आप के साथ। सऊदी अरब में कुछ समय पूर्व मोदी जी का दौरा हुआ। इसमें सहमति बनी कि सऊदी अरब अपने तेल को भारत में रिफाइन्ड करवाएगा।

अंडमान में सालों से एक गैस-ज्वालामुखी स्थल है। और जो वहाँ घूमने जाता है , वो यहाँ भी आता है। लेकिन हम तेल आयात करते रहे, इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 20 साल पहले तेल मिल चुका था, अब उसको निकालने की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा । बॉम्बे हाई पर रिलायंस रिग 40-50 % की क्षमता पर काम कर रही थी। अब उसको कहा गया है, ये अधिकतम स्तर तक ले जाया जाए।

चीन अभी लगभग 1 करोड़ बेरल तेल प्रतिदिन आयात करता है; तो भारत , लगभग 50 लाख बेरल प्रतिदिन।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कोचिंग उद्योग पर आँखें खोलने वाला आलेख

आलेख 'आंकड़ेबाजी करते सरकारी गुरूजी और बढ़ता कोचिंग उद्योग 'के माध्यम से वरिष्ठ पत्रकार सुनील बादल जी ने जायज चिंता ही व्यक्त की है। आज के परिप्रेक्ष्य में अगर बात की जाए तो यह सही ही है कि सरकारी विद्यालयों में पठन - पाठन का गिरता स्तर निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के फलने -फूलने का एक प्रमुख कारण है। सरकारी विद्यालय भवनो की कमी, शिक्षकों की कमी, संसाधनों की कमी और शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यों की जवाबदेही के कारण निश्चित ही सरकारी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर गिरा है जिसका फायदा निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों को मिल रहा है और उनकी दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो रही है। सामान्य आदमी भी अपनी औकात से ज्यादा खर्च कर अपनों बच्चों को निजी शिक्षण संस्थानों में भेज रहा है। निजी संस्थानों में अपने बच्चों को पढ़ाना 'स्टेटस सिम्बल 'बनता जा रहा है। और यही कारण है कि निजी संस्थान इसका फायदा उठाते हुए मोटी कमाई कर रहे हैं। सरकारी विद्यालयों के छात्रों की बात करें, तो यहाँ प्रतिभाशाली बच्चों की कमी नहीं है। बस उन्हें सही शिक्षण का माहौल एवं उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। और इसके लिए केवल शिक्षक जिम्मेदार नहीं हैं। शिक्षकों की भारी कमी एवं अन्य दायित्वों जैसे जनगणना, पशु गणना, अ न ा व श य क रिपोर्ट आदि से जुड़े कार्य भी इसके लिए जिम्मेवार है। शिक्षक पर्याप्त समय नहीं दे पाते जिससे कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। निश्चित ही इस विषय पर सम्पूर्ण समाज को मंथन करने की जरूरत है ताकि हर बच्चे को उचित शिक्षा मिल सके और वह अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी लाखों परिवार ऐसे हैं जो महज दो जून की रोटी जुटाने के लिए अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते। भला उनके बच्चे कैसे पढ़ेंगे।सरकार को चाहिए कि वह शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती करे और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने का प्रयत्न करे। आशा है कि बादल जी आगे भी सामाजिक मुद्दों पर ऐसे आलेख पेश करते रहेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

दिलीप कुमार
सहायक लेखा अधिकारी, पोटमा, लगमा, गढ़वा (झारखंड)

अंगूर खट्टे, मंत्री जी सच्चे

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

पुराने बक्से में बंद धूल फांकती वो डायरी, आज भी उतनी ही चुभन पैदा करती है, जितनी बरसों पहले किया करती थी। उस पर लिखा नाम 'मास्टर चमचा लाल', एक ऐसा नाम जो किसी ज़माने में हर दफ्तर के गलियारों में गूँजता था। लेकिन आज? आज तो चमचे ही चमचे हैं, कोई 'लाल' नहीं। हाँ, 'लाल' तो अब बस सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ने वाले नेताओं के चेहरों पर दिखती है, उस 'लाल' रंग के लिए जो वोटों की फसल से पैदा होता है, और फिर खाया जाता है, जनता के सपनों को रौंदकर। मैं, यानी मास्टर चमचा लाल, एक ऐसा अदना सा प्राणी था जिसने ईमानदारी की डिग्रियों को जलाकर सत्ता की लौ में अपनी रोटियाँ सेंकी थीं। मेरी कहानी किसी देवदूत के स्वर्ग से गिरने की नहीं, बल्कि एक आम इंसान के नैतिकता के दलदल में धँसने की गाथा है। ये कहानी सिर्फ़ मेरी नहीं, बल्कि उन लाखों-करोड़ों 'चमचों' की है जो हर रोज़ सिस्टम के सामने घुटने टेकते हैं, और फिर खुद को समझाते हैं कि "आज का दिन भी कट गया।" जैसे दीमक लकड़ी को चाट जाती है, वैसे ही ये सिस्टम हम जैसे लोगों की आत्मा को चाट जाता है, और जब तक हमें एहसास होता है, तब तक बचा ही क्या रहता है? बस एक खाली लिफाफा, जिस पर लिखा होता है: "जीवन सफल"। सफल? या सिर्फ़ एक सफल समझौता? अरे, क्या बताएं! जीवन ऐसा चक्रव्यूह है, जिसमें आदमी अभिमन्यु बन के घुसता तो है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं मिलता ही नहीं। मेरी भी यही कहानी है। जब मैं नया-नया इस 'सेवा' के क्षेत्र में आया था, तो सोचा था, "वाह, अब तो देश की सेवा करेंगे!" पर देश की सेवा करने से पहले अपनी सेवा करनी पड़ती है, और वो भी ऐसी कि आप भूल जाते हो कि देश है भी या सिर्फ़ आपके पेट का गड्ढा। उन दिनों बड़े-बड़े दावे हुआ करते थे, "हम भ्रष्टाचार मिटा देंगे!" और हम जैसे भोले लोग तालियाँ पीटते थे, "हाँ-हाँ, मिटा दो!" पर वो मिटाते क्या थे? सिर्फ़ अपनी पुरानी पार्टियों का नाम, ताकि नई बोतलों में पुरानी शराब भरकर बेची जा सके। मैंने अपनी आँखों से देखा है, ईमानदारी को कैसे फाइल दर फाइल कुचला जाता है। मेरा गाँव, 'भोलापुर', नाम से ही भोला था, पर वहाँ के लोग, अरे क्या कहने! मक्खन से भी ज़्यादा चिकने। जैसे ही मैं शहर से लौटता, तो सब ऐसे घेर लेते जैसे भेड़िये किसी शिकार को। "अरे, चमचा लाल आ गया! अब तो हमारा काम होगा!" कौन सा काम? काम तो वो खुद कर सकते थे, पर उन्हें आदत थी, दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाने की। और मैं, मैं भी कम नहीं था। जैसे कुत्ता हड्डी पाकर खुश होता है, मैं भी वैसे ही अपने छोटे-मोटे 'रसूख' पर इतराता था। अरे, क्या बताएं, उस रसूख की कहानी! एक बार एक मंत्री जी हमारे गाँव आए थे। पूरा गाँव ऐसे उमड़ पड़ा जैसे किसी मेले में। मंत्री जी ने हाथ हिलाया, मैंने भी हिलाया। उन्होंने नमस्ते की, मैंने भी की। बस! इतने में ही मेरी 'प्रतिष्ठा' आसमान छूने लगी। लोग कहने लगे, "मास्टर चमचा लाल तो मंत्री जी के सीधे हाथ हैं!" और मैं भी अपने मन में लड्डू फोड़ता, "हाँ भाई, मैं ही तो हूँ, सीधा हाथ!" पर सच्चाई तो ये थी कि मंत्री जी के सैकड़ों 'सीधे हाथ' थे, और मैं उनमें से बस एक नाखून था, जो कभी भी टूट सकता था। और जब टूटता था, तो दर्द सिर्फ़ मुझे नहीं होता था, पूरे परिवार को होता था, क्योंकि उस नाखून के सहारे ही तो हमारा पेट भरता था। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब मेरे बेटे ने इंजीनियरिंग करने की जिद पकड़ ली। मैंने कहा, "बेटा, ईमानदारी से इंजीनियर बनेगा तो भूखा मरेगा। चमचागिरी सीख ले, कम से कम पेट तो भरेगा!" पर वो न माना। "पापा, मुझे देश का निर्माण करना है!" अरे, निर्माण? यहाँ तो सिर्फ़ विनाश होता है, सपनों का, उम्मीदों का। मैंने उसे समझाया, "बेटा, ये सिस्टम ऐसा है कि तुम अगर गांधी जी बनोगे, तो तुम्हें जूते पड़ेंगे, और अगर गोडसे बनोगे, तो तुम्हें मालाएँ मिलेंगी। अब तुम सोच लो, जूते खाने हैं या माला पहननी है।" वो हँसा, "पापा, आप मज़ाक कर रहे हैं।" मुझे रोना आ गया, "बेटा, ये मज़ाक नहीं है, ये कड़वा सच है।" और वो कड़वा सच उसे तब समझ आया, जब वो अपनी डिग्री लेकर नौकरी खोजने निकला। हर जगह 'रिश्ता' चाहिए था, 'सिफारिश' चाहिए थी। उसकी ईमानदारी की डिग्री कचरे के ढेर में फेंक दी गई, और उसकी जगह किसी और 'चमचे' के बेटे को नौकरी मिल गई, जिसके पापा की पहुँच ऊपर तक थी। उस दिन मेरे बेटे की आँखों में वो दर्द मैंने देखा, जो मैंने खुद कभी महसूस नहीं किया था, क्योंकि मैंने तो अपनी आँखें बहुत पहले ही बंद कर ली थीं, ताकि ये सब देखना न पड़े।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

प्रेम बगीचा सा नहीं, जब तब टहला जाय।
वह लम्बा एक रास्ता, पैदल मापा जाय।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

आँखों का सूरज, भीतर का उजाला

अलग बात

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

आँखें मानव चेतना की सबसे पारदर्शी अभिव्यक्ति है। वे केवल दृष्टि का माध्यम नहीं, आत्मा की अन्तर्ध्वनि हैं। वे देखती हैं, पर उससे अधिक प्रकट करती हैं; वे रोती नहीं, पर भीतर बहते सागर की गवाही देती हैं। ये जीवन की उस सूक्ष्मतम ज्योति का संकेत है, जहाँ दृष्टि अनुभव में रूपांतरित हो जाती है और उजास को संवेदना का पर्याय बना देती हैं।

माँ की आँखों में वह सूरज हर दिन उगता है, जो बच्चे की क्षणिक पीड़ा भी पढ़ लेता है। उसकी किरणें अन्न की थाली पर ठहरी नहीं रहती, मन की परछाइयों तक चली जाती है। उसमें आत्मीयता भर देती है - यह मौन, जो शब्दों से अधिक कह जाता है। वह ऐसा प्रकाश होती है जिसमें शिशु का संसार प्रकाशित होता है,सुरक्षित होता है। वयस्क हो चली संतान भी अपनी समस्त थकान वहीं उतारती है। माँ की आँखें वह दीप हैं, जो आँधी में भी नहीं बुझते, और जिनकी लौ में संसार का सारा अंधकार भस्म हो जाता है। प्रेम की दृष्टि में सूरज का ताप कुछ और होता है - कोमल, आत्मविलीन, धड़कनों से संवाद करता हुआ। वहाँ संसार धुंधला हो जाता है, और केवल प्रिय का प्रतिबिंब रह जाता है। वह आँखें थामती नहीं, बाँधती नहीं, पर एक ऐसा उजास बिखेर देती हैं कि आत्मा उस आलोक में नहाकर लौट आती है। उस एक दृष्टि से मन के अनगिनत संशय गल जाते हैं, और भीतर कोई चुपचाप मुस्कराने लगता है। यह दृष्टि प्रेम का असली राग है - मौन और सम्पूर्ण।

वृद्ध की आँखों में समय थका हुआ नहीं होता, परिपक्व होता है। वहाँ नयनों की कोर पर बैठा एक उदास सूरज नहीं, अपितु एक संतुष्ट आलोक होता है जो संसार को देख चुका है, जी चुका है, और अब केवल अनुभव की शांत दीप्ति में निहार रहा है। वे आँखें भविष्य को लेकर अधीर नहीं होतीं, अतीत को लेकर क्लांत नहीं होतीं। वे बस देखती हैं - गहराई से, एक स्वीकार के साथ। यही वह दृष्टि होती है, जिससे जीवन की अंतिम सीख मिलती है—धैर्य, समर्पण और मौन आस्था की। और फिर कुछ दृष्टियाँ ऐसी होती हैं जो आत्मा से निकलती हैं, जिनमें देखने का अर्थ जानना होता है, और जानने का अर्थ प्रेम करना। कभी कोई ग़रीब बच्चा सड़क किनारे बैठा दिखता है धूल- धूसरित, पर आँखों में चमक लिए और आप रुक जाते हैं। वह दृष्टि आपके भीतर उतरती है। आप कुछ नहीं कह पाते, पर भीतर कोई चीज़ हल्की हो जाती है। वहाँ उजाला किसी आँख से नहीं, आपकी अंतरात्मा से फूटता है। यही वह अन्तर्दृष्टि है, जो दर्शन और करुणा के मध्य से जन्म लेती है। कभी-कभी कोई ऐसा अनजान चेहरा दिखता है, जो हमारे भीतर कुछ जाग्रत कर देता है। वह व्यक्ति चला जाता है, पर उसकी आँखों का आलोक हमारे भीतर देर तक टिका रहता है। मानो किसी ने भीतर कोई दिया रख दिया हो - बिना कुछ कहे, बिना कोई प्रत्यक्ष दिए। यह रोशनी किसी किताब में नहीं मिलती, किसी उपदेश से नहीं आती - यह बस एक दृष्टि से उतरती है, और जीवन को सार्थक कर जाती है। भीतर के उजाले का माप किसी प्रकाशशक्ति से नहीं हो सकता। यह उजाला आत्मा की ऊष्मा है। यह वह सूरज से मिलता है,जो न किसी आकाश में उगता है, न किसी क्षितिज पर ढलता है। यह आँखों उगता है - कभी किसी करुणा में, कभी किसी प्रार्थना में, कभी प्रेम की मौन स्वीकृति में। और जब यह एक बार जल उठता है, तो बाहरी तम कितना भी हो - मनुष्य भीतर से प्रकाशित रहता है। जीवन के उत्तरार्ध में जब दृष्टि धुंधलाने लगती है, तब भी यदि यह उजाला जीवित रह जाए, तो वही व्यक्ति की अंतिम गरिमा बन जाता है। आँखें बंद होती हैं, पर भीतर का सूरज अब भी कहीं चमकता रहता है - मौन, स्थिर, शाश्वत। क्योंकि अंततः, आँखें वही नहीं जो केवल देखती हैं। वे वही हैं, जो भीतर दीप जलाती हैं और वही उजाला मनुष्यता की सबसे सुंदर, सबसे शुद्ध पहचान है - एक स्पंदनशील, करुणामय, प्रकाशवान अस्तित्व। यही उजास मनुष्य की सबसे कोमल, सबसे ऊर्ध्व सत्ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

पुरी में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए व्यापक बंदोबस्त किए हैं और शुक्रवार को इसमें भाग लेने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम तक करीब एक लाख लोग पुरी पहुंच चुके थे और आज सुबह यह संख्या कई गुना बढ़ गयी। उन्होंने बताया कि देशभर और विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के इस रथ यात्रा में भाग लेने की उम्मीद है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रमुख प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा, ''महाप्रभु (भगवान जगन्नाथ) की कृपा से हम

10000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है

शुक्रवार को रथ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें सेवादारों से पूरा समर्थन और सहयोग मिल रहा है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहर में करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की आठ टुकड़ियां भी शामिल हैं। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने कहा कि पहली बार पूरे महोत्सव पर करीबी नजर रखने के लिए पुरी में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र खोला गया है। निगरानी के लिए पुरी में तथा उससे 35 किलोमीटर दूर व 13वीं शताब्दी के सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध कोणार्क की सड़कों पर 275 से अधिक कृत्रिम मेधा (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। डीजीपी ने बताया कि इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्नाइपर्स मंदिर के सामने ग्रैंड रोड पर छतों पर तैनात रहेंगे।

श्रद्धा, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। पीएम मोदी ने कहा, "भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ!

साथ ही, प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य पोस्ट में आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर दुनियाभर के कच्छी समुदाय के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर, विशेष रूप से दुनिया भर के कच्छी समुदाय को शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष सभी के लिए शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। बता दें कि देशभर में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं, ओडिशा के पुरी की यात्रा सबसे बड़ी होती है। ओडिशा के पुरी से शुरू हुई यह जगन्नाथ यात्रा गुंडिचा मंदिर तक जाएगी। यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी।

भगवान जगन्नाथ हमारे लिए अराध्य और प्रेरणा

प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया, "महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आगे वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग-अलग राज्यों में बहुत-बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है।

इसका समापन 15 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान अपने मूल मंदिर लौटेंगे। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं।

कथावाचक विवाद पर बोले देवकीनंदन ठाकुर

किसी सनातनी की चोटी काटना निंदनीय और शर्मनाक

मथुरा (आईएएनएस)

इटावा की हालिया घटना पर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इटावा में 21 जून को कथावाचकों मुकुट मणि यादव और संत कुमार यादव के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार हुआ था। घटना के बाद हो रही राजनीति पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि किसी के साथ भी दुर्व्यवहार करना गलत है। हम खुद प्रचार करते हैं कि कलावा पहनो, चोटी रखो, तिलक लगाओ।

उन्होंने कहा कि किसी भी सनातनी की चोटी काटना, उसका अपमान करना, अत्यंत निंदनीय कृत्य है और ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने ये भी अपील की कि हमें जातियों में नहीं बंटना चाहिए। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि मैं जातिगत बातों और जातियों में नहीं बंधना चाहता हूं। मैं सभी सनातियों को जोड़ना चाहता हूं। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "मैं देख रहा हूं कि एक गांव में एक घटना घटी और इसको लेकर देश के कुछ बड़े नेता बयान दे रहे हैं। कई बड़े नेता हैं जो सिर्फ जाति के नाम पर कूद पड़े। वो लोग जातियों के विरोध में बयान दे रहे हैं। ये लोग वही काम कर रहे हैं जो अंग्रेजों ने किया। कथावाचक देवकीनंद ने आगे कहा, "सनातन में, पुराणों में जितने भी अवतार हुए, वो धर्म की स्थापना के लिए हुए। धर्म की स्थापना करना ही हम सबका दायित्व है।

एमएसएमई देश के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली (हि.स.)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि एक मजबूत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पारिस्थितिकी तंत्र न केवल देश के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक भी है। वह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'एमएसएमई दिवस 2025 - उद्यमी भारत' कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ हैं। वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं। ये उद्यम अपेक्षाकृत कम पूंजी निवेश में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, जिससे समावेशी और विकेन्द्रीकृत विकास को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एमएसएमई क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई

"एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ हैं, वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं।

चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिनमें वित्त की समस्या, बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा, नवीनतम तकनीक का अभाव, कच्चे माल और कुशल कार्यबल की कमी, सीमित बाजार और भुगतान में देरी प्रमुख हैं।

उन्होंने बताया कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार ने कई नीतिगत पहलें की हैं। इनमें एमएसएमई वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण सुलभता में सुधार, 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के तहत कारीगरों का कौशल विकास और केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा एमएसई से कम से कम 35 प्रतिशत खरीदारी जैसे कदम शामिल हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इन प्रयासों से पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एमएसएमई के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल विलंबित भुगतान के मामलों में महत्वपूर्ण साबित होगा। राष्ट्रपति ने महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और युवा महिलाओं से उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित प्रौद्योगिकी अपनाने पर भी ज़ोर देते हुए कहा कि यह न केवल एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा, बल्कि देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' (सीजीटीएमएसई) की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट जारी किया। उन्होंने एमएसएमई के लिए बनाए गए नए ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) पोर्टल का भी उद्घाटन किया, जिससे विलंबित भुगतान की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने एमएसएमई पत्रिका का विमोचन और एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतनराम मांझी, राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे से जुड़े सवाल पर बोलीं आशा भोसले

'मैं किसी राजनेता को नहीं जानती'

मुंबई (आईएएनएस)

महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को स्कूलों में अनिवार्य किए जाने का प्रस्ताव सुर्खियों में है। वर्षों से मराठी और क्षेत्रीय भाषाओं की प्राथमिकता पर जोर देने वाले नेता अब हिंदी के समर्थन या विरोध में खुलकर सामने आ रहे हैं। 'हिंदी विरोध' के मुद्दे पर ठाकरे बंधु फिर एक मंच पर आने को तैयार हैं। प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले से जब प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा, 'मैं केवल आशीष शेलार को जानती हूं... बाकी किसी भी राजनेता को नहीं जानती। आशा भोसले ने जिस आशीष शेलार की बात की, वह महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री हैं और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वहीं जब हिंदी भाषा अनिवार्य करने के मुद्दे पर आशा भोसले से सवाल किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैं राजनीति पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में एक संशोधित आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को आमतौर पर तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने 'देवी बसों' को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें "दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)" योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया।

हिंदी विरोध में साथ आए ठाकरे बंधु

उद्धव और राज मुंबई में करेंगे संयुक्त विरोध प्रदर्शन

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) 'त्रिभाषा नीति' के तहत कक्षा 4 तक हिंदी को अनिवार्य बनाने के राज्य सरकार के कथित कदम के खिलाफ 5 जुलाई को संयुक्त रूप से विरोध मार्च का आयोजन करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। राउत ने कहा, "हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। हमने हमेशा हिंदी का सम्मान किया है। हम जैसे लोगों ने हमेशा इसका महत्व समझा है। हमारी पार्टी कई तरह से हिंदी का इस्तेमाल करती है। लेकिन हाल ही में 'त्रिभाषा नीति' के तहत कक्षा 4 तक हिंदी को तीसरी

भाषा के रूप में अनिवार्य करने का फैसला बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालता है। यह एक शैक्षणिक और भाषाई मुद्दा है। राउत ने खुलासा किया कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ चर्चा के बाद इसी मुद्दे पर क्रमशः 6 जुलाई और 7 जुलाई को अलग-अलग विरोध प्रदर्शन की पहले की योजना को हल कर लिया गया।

दो लोगों से 16.35 लाख ठगने वाला इनामी साइबर अपराधी बिहार से गिरफ्तार

देहरादून । उत्तराखंड में पौड़ी पुलिस ने दो लोगों से कथित तौर पर 16.35 लाख रुपये ठगने वाले इनामी साइबर अपराधी को बिहार से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधी की पहचान पश्चिमी चंपारण निवासी साजिद खान (20) के रूप में हुई है जिस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उसने बताया कि कोटद्वार में दो पीड़ित आरती बेलवाल और गणेश चौधरी द्वारा ठगी की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने अज्ञातों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था और तभी से उनकी तलाश की जा रही थी।

कॉलेज परिसर में गैंगरेप का आरोप पूर्व छात्र समेत तीन हिरासत में

एजेंसी। कोलकाता

दक्षिण कोलकाता के कस्बा में एक लॉ कॉलेज के अंदर एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्बा पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में एक शिकायत के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की और गिरफ्तारियाँ कीं, जो कथित तौर पर 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज के परिसर में हुई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नामजद आरोपियों में एक पूर्व छात्र और स्टाफ सदस्य के साथ-साथ कॉलेज के नामांकित छात्र भी शामिल हैं। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने पीड़िता की प्रारंभिक चिकित्सा जांच की, गवाहों के बयान दर्ज किए और घटनास्थल का दौरा किया। कथित घटना के स्थान के रूप में पहचाने गए कॉलेज परिसर को फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। कोलकाता में तलबगान क्रॉसिंग के पास सिद्धार्थ शंकर शिशु रॉय उद्यान के सामने से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीसरे को उसके घर से हिरासत में लिया गया। जांच के तहत तीनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपी हिरासत में हैं और उन्हें आज अलीपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां जांचकर्ता मामले की आगे की जांच के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में भेजने की मांग करेंगे।

आर्थिक प्रगति | आत्मनिर्भर भारत में उत्तर प्रदेश का एमएसएमई क्षेत्र निभा रहा अहम भूमिका

एमएसएमई में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत : सीएम

● **ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं (18 करोड़ रु.) का उद्घाटन**

लखनऊ (आईएएनएस)

'विश्व एमएसएमई दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली-मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपए की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया।

युवाओं के लिए सीएम युवा ऐप

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती। हर युवा की प्रतिभा को मंच देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। सीएम युवा मोबाइल ऐप के शुभारंभ के साथ, सरकार ने युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया। 2017 से पहले का यूपी दंगों के रूप में, माफिया गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारी के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों की उपलब्धि जातीय संघर्ष कराकर परिवारवाद के नाम पर 'एक जनपद, एक माफिया' देने की रही है। इसके चलते जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

उन्होंने कहा कि यूपी ने 24 जनवरी 2018 में पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। 1950 में यूपी की स्थापना होने के बाद से लेकर 2018 तक कभी प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन नहीं हुआ, क्योंकि पिछली सरकारों को जातीय संघर्ष कराने और इसके आधार पर प्रदेश को पहचान का संकट खड़ा करने से फुर्सत ही नहीं थी। वे सब अपने परिवार के लिए कार्य कर रहे थे, प्रदेश से उनका कोई मतलब नहीं था।

सीमा विवाद पर चर्चा

दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

किंगदाओ (आईएएनएस)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया।

रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें। राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

नेतन्याहू को छोड़ ट्रंप ने खामनेई से हाथ मिला लिया

ईरान को कर दी 30 अरब डॉलर की डील की पेशकश

न्यूयॉर्क । एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान को असैन्य ऊर्जा उत्पादन परमाणु कार्यक्रम शुरू करने के लिए 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच बनाने में मदद करने पर विचार कर रहा है, जिससे प्रतिबंधों में ढील मिलेगी और प्रतिबंधित ईरानी फंड में अरबों डॉलर जारी होंगे। यह चर्चा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ है, जो अमेरिका द्वारा तेहरान को शांति वार्ता के लिए मेज पर लाने का प्रयास प्रतीत होता है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और खाड़ी साझेदारों के बीच घंटों चली गुप्त बैठक में इस संदर्भ में कुछ विवरण सामने आए। इस सप्ताह इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम प्रस्ताव के बाद चर्चा जारी रही है। अमेरिका के लिए एक तत्व पर बातचीत नहीं हो सकती। ईरान यूरेनियम का संवर्धन नहीं करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक मसौदा प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए अनुमानित 20-30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश है, जिसका उपयोग नागरिक ऊर्जा उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। वाशिंगटन का गैर-परक्राम्य सौदा तेहरान के इस निरंतर रुख के विपरीत है कि उसे ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए संवर्धन की आवश्यकता है। ट्रंप के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिका सीधे तौर पर इस कार्यक्रम के लिए भुगतान नहीं करेगा क्योंकि वह चाहता है कि उसके अरब साझेदार इसका खर्च उठाएं। हाल के महीनों में परमाणु वार्ता के पिछले दौर में ईरान की परमाणु ऊर्जा सुविधाओं में निवेश पर भी चर्चा हुई थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा ईरानियों को दिए जाने वाले अन्य प्रोत्साहनों में तेहरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटाना और पश्चिम एशियाई देश को वर्तमान में विदेशी बैंक खातों में जमा 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच की अनुमति देना शामिल है, जिसका उपयोग करने पर उस पर प्रतिबंध है।

- प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए 20-30 अरब डॉलर का निवेश
- **निवेश का उद्देश्य केवल नागरिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है**
- अमेरिका सीधे भुगतान नहीं करेगा अरब साझेदारों से खर्च की उम्मीद

ईरानी सुप्रीम लीडर के इस दांव के आगे मोसाद की भी नहीं चल सकी

तेल अवीव । इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने कहा है कि हाल ही में 12 दिनों के संघर्ष के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई हाई टारगेट पर थे। लेकिन भूमिगत होकर उन्होंने हत्या से बचा लिया और यदि संभव होता तो वे उन्हें मार गिराते। लेकिन खामनेई ने एक सीक्रेट ठिकाने पर शरण लेकर खुद को बचाया। बताया जाता है कि युद्ध शुरू होने के बाद खामेनेई का ऐसी लोकेशन पर शिफ्ट हो गए थे, जिसे इजरायली तलाश नहीं सका। युद्धविराम के बाद खामेनेई ने टेलीविजन पर कहा कि ईरान कभी भी अमेरिका और इजरायल के सामने नहीं झुकेगा।

मोसाद भी नहीं कर पाया ट्रेस : इजरायल के ईरान पर हमले शुरू होने के बाद अली खामेनेई तेहरान के पूर्वोत्तर उपनगर में एक बंकर में छिप गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने कमांडरों के साथ सभी इलेक्ट्रॉनिक संचार बंद कर दिए थे। सुरक्षाकर्मी, नजदीकी लोगों और परिवार को ही उनकी लोकेशन की जानकारी थी। फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बंद होने से उनकी लोकेशन को ट्रेस करना तकरीबन नामुमकिन काम था।

युद्ध के दौरान खामनेई की तलाश की जा रही थी

कई इज़रायली चैनलों पर साक्षात्कार मेंकैट्ज़ ने दोहराया कि इज़रायल ने पूरे युद्ध के दौरान खमेनेई की सक्रिय रुप से तलाश की। चैनल 13 पर उन्होंने कहा कि हमने बहुत खोज की। उन्होंने आगे कहा कि इज़रायल का उद्देश्य शासन परिवर्तन नहीं था, बल्कि ईरान के नेतृत्व को अस्थिर करना और संघर्ष के दौरान दबाव डालना था।

हवाई हमलों में टॉप जनरलों को बनाया गया निशाना

13 जून को शुरू हुआ संघर्ष 25 जून को अमेरिका द्वारा मध्यस्थता किए गए युद्ध विराम के साथ समाप्त हुआ। इसमें व्यापक इज़रायली हवाई हमले शामिल थे। इन हमलों में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। कैट्ज़ ने उल्लेख किया कि इज़राइल ने हवाई श्रेष्ठता बनाए रखी और ईरान के खिलाफ़ प्रवर्तन कार्रवाई की नीति लागू की, जिसका उद्देश्य देश की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं के पुनर्निर्माण के प्रयासों को रोकना था।

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए टाटा ग्रुप बना रहा ट्रस्ट

1,000 करोड़ रुपए का होगा एआई171 ट्रस्ट

ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ित परिवारों के लिए टाटा ग्रुप एक ट्रस्ट बना रहा है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की एयर इंडिया में लगभग 74% हिस्सेदारी है। यह कंपनी इस ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये देगा। इस ट्रस्ट का नाम एआई 171 ट्रस्ट होगा। सूत्रों के मुताबिक टाटा संस का सबसे बड़ा शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स भी एआई171 ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये की राशि दान कर सकता है। इस दुर्घटना में 250 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। मारे जाने वाले लोगों में 241 यात्री थे। इसके अलावा जमीन पर भी 19 लोग मारे गए। टाटा संस व एयर इंडिया ने पहले ही मृतकों के परिवारों को 1.25 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। टाटा संस के अलावा सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया की लगभग 25% हिस्सेदारी है , जबकि कर्मचारियों के ट्रस्ट के पास बाकी 1% है। टाटा संस के बोर्ड ने बीते गुरुवार को इस ट्रस्ट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

अब इस पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन कराने व ट्रस्टियों का बोर्ड बनाने का काम होगा। संघ है टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन एआई 171 ट्रस्ट को लीड करें। इस ट्रस्ट में टाटा ग्रुप के बाहर के लोग भी शामिल होंगे।टाटा ग्रुप की होटल कंपनी इंडियन होटल्स (ताज होटल) ने भी 2008 में मुंबई आतंकी हमलों के बाद ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना की थी।

जिसका उद्देश्य पीड़ितों, उनके परिवार वालों, सुरक्षा बलों और प्रभावित कर्मचारियों की मदद करना था। ताज महल पैलेस होटल ने इन हमलों में अपने 36 लोगों को खो दिया था जिनमें कर्मचारी भी शामिल थे। बाद में ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट ने अपना दायरा बढ़ाया और 26/11 के पीड़ितों के अलावा, घायल , विकलांग सैनिकों, प्रवासी मजदूरों, फ्रंटलाइन कर्मचारियों और महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को भी मदद दी। मालूम हो कि बीते गुरुवार को टाटा संस की बोर्ड मीटिंग अचानक बुलाई गई थी। यह मीटिंग टाटा संस के डायरेक्टर और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल और घायल मरीजों से मिलने के दो दिन बाद हुई। चंद्रशेखरन ने इस घटना के बाद एयरलाइन के कामकाज में अपनी भागीदारी बढ़ा दी है। चंद्रशेखरन एयर इंडिया के चेयरमैन भी हैं। एयर इंडिया की दुर्घटना से जुड़े कुल मुआवजे के दावे 475 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकते हैं। इसमें 350 मिलियन डॉलर की देनदारी भी शामिल है, क्योंकि मरने वालों में 50 से ज्यादा विदेशी नागरिक थे। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम इस मुश्किल घड़ी में पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। कंपनी हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। इस बीच, एयर इंडिया ने पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुनीर-ट्रंप की लंच डेट के बाद भारत की कूटनीति फेल हुई?

करांची । हाल ही में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख की जिस तरह से खातिरदारी की गयी उसके बाद से ही भारत की कूटनीति पर सवाल उठ रहा था। आखिर आसिम मुनीर के इतने जिगरीयार कैसे बच गये थे ट्रंप। भारत क्या अपनी कूटनीति में विफल हो रहा है.. इस तरह के सवाल देश के अंदर ही विपक्षी दलों ने उठाए थे। अब इस पर भारत के विदेश मंत्रालय का बया आया है। भारत ने कहा कि उसने पाकिस्तान के सेना प्रमुख की व्हाइट हाउस की हालिया यात्रा पर संज्ञान लिया है। साथ ही उसने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है और ''हम 21वीं सदी की इस सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी की प्रगति को लेकर आश्वस्त हैं''। राजधानी में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस की ओर से दिए गए निमंत्रण के बारे में पूछा गया था।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18 जून को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ दोपहर का भोजन किया था।

चुंबक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा चीन

ब्यूरो

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका ने रेअर अर्थ मैटेरियल्स शिपमेंट में तेजी लाने के लिए चीन के साथ समझौता किया है।इस बारे में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के बीच अमेरिका ने अमेरिका में दुर्लभ-पृथ्वी शिपमेंट में तेजी लाने के लिए चीन के साथ समझौता किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले दिन चीन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अतिरिक्त विवरण नहीं दिया, और कहा कि एक अलग सौदा हो सकता है जो भारत के लिए "खुल जाएगा"।चीन ने शुक्रवार को सौदे के विवरण की पुष्टि की, और दोहराया कि वह नियंत्रित वस्तुओं के निर्यात परमिट को मंजूरी देना जारी रखेगा। मालूम हो कि ट्रंप द्वारा लगाए गए नए अमेरिकी टैरिफ के विरोध में चीन ने कई महत्वपूर्ण खनिजों और चुम्बकों के निर्यात को निलंबित कर दिया, जिससे दुनिया भर में ऑटोमेकर्स, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों व सैन्य ठेकेदारों के लिए केंद्रीय आपूर्ति श्रृंखलाएँ प्रभावित हुईं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, "प्रशासन और चीन ने जेनेवा समझौते को लागू करने के लिए एक रूपरेखा के लिए एक अतिरिक्त समझ पर सहमति व्यक्त की।" अधिकारी ने कहा कि यह समझ "इस बारे में है कि हम अमेरिका को फिर से दुर्लभ-पृथ्वी शिपमेंट को कैसे लागू कर सकते हैं"। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने ब्लूमबर्ग से कहा- "वे हमें दुर्लभ मृदा पहुँचाने जा रहे हैं" और एक बार चीन ने ऐसा कर दिया, तो "हम अपने जवाबी उपाय वापस ले लेंगे" उद्योग के एक सूत्र के अनुसार, चीन दुर्लभ मृदाओं पर अपने दोहरे उपयोग प्रतिबंधों को "बहुत गंभीरता से" ले रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए खरीदारों की जांच कर रहा है कि सामग्री को अमेरिकी सैन्य उपयोगों में न बदला जाए। इसने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। चीन ने रेअर अर्थ मैटेरियल्स कंपनियों से कहा है कि वे सरकार को तकनीकी विशेषज्ञता वाले श्रमिकों की सूची प्रदान करें और कुछ को अनधिकृत विदेश यात्रा करने से रोकने के लिए अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। चीन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके व्यावसायिक रूप से मूल्यवान दुर्लभ-पृथ्वी ज्ञान को विदेशी विरोधियों के साथ साझा न किया जाए। कार निर्माताओं ने पहले ही दुर्लभ पृथ्वी तत्व व उनके उपयोग किए जाने वाले चुम्बकों की आपूर्ति श्रृंखला की कमी के कारण कारखानों के लगभग ठप हो जाने की शिकायत की है। इस सप्ताह फोर्ड के एक कार्यकारी ने कहा कि कंपनी "हैंड टू माउथ" हालत में पहुँच गई है। जून की शुरुआत में चीन ने शीर्ष तीन अमेरिकी वाहन निर्माताओं के दुर्लभ-पृथ्वी सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस प्रदान किए थे क्योंकि उन सामग्रियों पर निर्यात प्रतिबंधों से आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सामने आने लगे थे। अब ट्रम्प ने कहा कि चीन के साथ एक समझौता हुआ है जिसके तहत बीजिंग चुम्बक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा, जबकि अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने की अनुमति देगा।

अमेरिका-चीन में सौदा

- अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में पढ़ने की अनुमति देगा
- ट्रंप ने कहा, एक अलग सौदा हो सकता है जिससे भारत के लिए "खुल जाएगा" रास्ता

आलिया भट्ट ने रीक्रिएट किया सिलसिला की रेखा का आइकॉनिक लुक

1981 की क्लासिक फिल्म उमराव जान का खास जश्न मनाया गया

कहानी फिल्म जगत की

यह पुरानी यादों की रात थी, क्योंकि आलिया भट्ट बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा के साथ 1981 की क्लासिक उमराव जान की फिर से रिलीज का जश्न मनाने के लिए शामिल हुईं। मुजफ्फर अली की कल्ट फिल्म के 4K रेस्टोरेशन के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में आलिया ने अपने अविस्मरणीय और ठाठ सिलसिला लुक को फिर से बनाकर स्क्रीन लीजेंड को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद इंस्टाग्राम पर, सुंदरी ने कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा कीं, जिसमें रेखा के साथ तस्वीरों के लिए पोज़ देते हुए उनकी एक मार्मिक छवि भी शामिल है।

पाकिस्तान में आई बाढ़ में 18 पर्यटक बहे, सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद(आईएएनएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्वात नदी में शुक्रवार को अचानक आई बाढ़ में महिलाओं और बच्चों सहित 18 पर्यटक बह गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार यह घटना फिजागत क्षेत्र में घटी, जहां दो परिवारों के सदस्य नदी किनारे नाश्ता कर रहे थे, तभी अचानक जलस्तर बढ़ने से कई लोग बह गए। बचाव अभियान के दौरान तीन व्यक्तियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। एक बचाव अधिकारी ने बताया कि हमें सुबह करीब आठ बजे इन लोगों के डूबने की सूचना मिली। बाईपास पर मेहमान आए हुए थे, जो नदी के किनारे बैठे थे। इन लोगों को पानी के रिलीज होने की जानकारी नहीं थी। घटना की पुष्टि करते हुए स्वात के डिप्टी कमिश्नर शहजाद महबूब ने बताया कि सात लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अचानक आई बाढ़ के कारण कई जगहों पर करीब 73 लोग फंसे हुए हैं। बचाव अभियान में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं। एक पर्यटक ने बताया कि उसके परिवार के 10 सदस्य बह गए।

चीन ने भारत को डाई-अमोनिया फास्फेट खाद की सप्लाई रोकी

दाम बढ़े, भारत में 80% यह खाद चीन से आता है

ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका की तरह चीन भी अब भारत से अपनी शर्तों पर सौदा करने लिए वह सब कर रहा है जो ट्रंप कर रहा है। चीन ने रेयर अर्थ मेटेरियल्स के बाद भारत को विशेष खाद की सप्लाई भी रोक दी है। जिसके कारण डाई-अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम में बहुत बढ़ गये। किसान परेशान हैं। जून में इसकी कीमत 800 डॉलर प्रति टन पहुंच गई जो हाल के महीनों में सबसे ज्यादा है। बीते वर्ष भारत ने लगभग 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था। इसमें चीन की हिस्सेदारी 8.5 लाख टन या लगभग 18.4%है। डीएपी की कीमत बढ़ने से इसे आयात करने वाली कंपनियों का लाभ भी घटता है। मालूम हो कि भारत में यूरिया के बाद डाई भारत में सबसे ज्यादा यूज होने वाला खाद है। इसकी सालाना खपत 10 से 11 मिलियन टन है जिसमें से लगभग 5-6 मिलियन टन आयात किया जाता है। भारत डीएपी में उपयोग किये जाने वाले फास्फोरस व अमोनिया का भी आयात करता है। आयातित फास्फोरस में प्रति टन 10 डॉलर कीमत बढ़ने से फिनिश्ड डाई की कीमत प्रति टन 5 डॉलर बढ़ जाती है। आयातकों के अनुसार चीन से डीएपी के आयात में गिरावट आई है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में भारत ने चीन से 22 लाख टन डीएपी का आयात किया था जो उसके कुल आयात का 39.2 % था। भारत अब पश्चिम एशिया खासकर सऊदी अरब से इसका आयात कर रहा है। लेकिन ईरान - इजरायल युद्ध से व्यवधान आ गया । जनवरी में इसकी कीमत 633 डॉलर प्रति टन थी जो जून में 780 डॉलर पहुंच गई। अप्रैल के बाद से भारत में फिनिश्ड डीएपी की कीमत में प्रति टन 100 डॉलर की तेजी आई है।इन हालात में चीन द्वारा डीएपी जैसी फर्टिलाइजर्स की सप्लाई रोकने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारत सालाना 6 लाख टन स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स का आयात करता है। इसमें से 80 % चीन से होता है। देश में इनका केवल 10 % उत्पादन होता है और बाकी 10 फीसदी हिस्सा दूसरे देशों से आता है। परंपरागत फर्टिलाइजर्स की तुलना में इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। एक किलो परंपरागत खाद की कीमत जहां 5 से 6 रुपये बैठती है, वहीं एक किलो स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स की कीमत 80 से 100 रुपये होती है। इसकी कमी से फलों, सब्जियों व फसल की उत्पादकता, गुणवत्ता व किसानों की आय पर असर हो सकता है।

देश में होता है केवल 10 प्रतिशत उत्पादन

हजारों निगाहें लगी है पंचशील नगर की कारवाई पर

बनहोरा नाले पर बने घर टूटेंगे या बचाए जाएंगे ?

मनोज मिश्रा

- 17 सालों से चल रहा विरोध और बचाव का दांवपेंच
- अब तक चार लोगों की नाले में बहने से मौत की हुई है पुष्टि

रांची। राजधानी बनने की बाद रांची में नदी नालों का अतिक्रमण शुरू हुआ और स्थानीय होने की चाहत रखने वालों को जमीन दलालों ने प्रशासन की मिलीभगत से जमीनें बेची। इसी क्रम का एक हिस्सा पंचशील नगर की कहानी है। यहां बनहोरा नदी के नाले का अतिक्रमण हुआ और एक बड़ी आबादी बस गई। नाले के रूट पर घरों के बनने से जहां बरसात के दिनों में पानी भर जाती है और हाहाकार मच जाता है। वहीं अतिक्रमण के कारण पानी नहीं निकलने से एनएच 75 बंद हो जाता है। कारवाई के नाम पर बहुत आडंबर हुआ लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला। नाले के अतिक्रमण करने में निगम प्रशासन के लोग भी आगे रहे जिसका देखा-देखी और लोगों ने किया।

एनएच 75 में पंडरा के निकट पंचशील नगर चौक डालटेनगंज और लोहरदगा रूट के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है। सूत्रों के अनुसार नगर निगम के बड़ा बाबू ने बनहोरा नदी के नाले का अतिक्रमण किया और संरचना का निर्माण शुरू किया जिससे और लोगों को शह मिल गई और वे भी अतिक्रमण कर संरचना खड़ी करने लगे। फिर एक सिलसिला चला और अवैध तरीके से फर्जी हुकूमनामा बनाकर जमीने की रजिस्ट्री करवाई जाने लगी, दाखिल खारिज करवाया जाने लगा और लगान रसीद कटवाई गई। धीरे-धीरे बनहोरा नदी के रूट में लोगों ने अवैध तरीके से बसना शुरू किया और बनहोरा नदी के नाले का अस्तित्व मिटता गया । प्रकृति के इस छेड़छाड़ को प्रकृति ने माफ नहीं किया और कई लोग इस नाले में बह गए। नदी बरसात के मौसम में अपने वजूद को हर साल दिखाती आ रही है और पंचशील नगर, शाहदेव नगर, शांति नगर, राधा नगर में पानी भरने की घटना होती है तो स्थानीय लोगों को अपने भूल का एहसास बरसात के महीनों में हो जाता है।

वर्ष 2008 में कुछ स्थानीय लोगों ने एनएच 75 के किनारे हुए अतिक्रमण की शिकायतें सैकड़ों बार की मगर नगर निगम कान में जू तक नहीं रेंगा। कारवाई होती भी कैसे पहला कारवाई तो निगम के बड़ा बाबू पर ही होना था। अतिक्रमण में स्थानीय लोगों की सक्रियता को देखते हुए निगम ने कुछ लोगों को नोटिस भेजी आम जनमानस को उम्मीद बनी कि कारवाई होगी परंतु उस समय के तत्कालीन अंचल शहर अंचल ने कागजातों के आधार पर अतिक्रमण करने वालों को क्लीन चिट दे दी और निगम ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

वर्ष 2024 में राष्ट्रीय नवीन मेल ने नाले पर हुए अतिक्रमण को बड़ी गंभीरता से उठाया। इसके बाद प्रशासन कुछ हरकत में आई और अतिक्रमण स्थल की मापी की गई। मगर परिणाम कुछ नहीं निकला। वर्ष 2025 में मॉनसून के पूर्व से होने वाले हालात की गंभीरता को समझते हुए राष्ट्रीय नवीन मेल ने एनएच 75 में लगने वाले जाम और पानी में डूबने वाले पंचशील नगर, शाहदेव नगर, शांति नगर और राधा नगर का मामला गंभीरता से लगातार उठाता आ रहा है। खबर का असर हुआ प्रशासन की नींद खुली। फिर से अतिक्रमण स्थल पंचशील नगर चौक में भारी सुरक्षा बल की तैनाती में मापी की गई। नाले पर बने घर का प्रमाण इक्टठा हुआ और हेहल अंचल ने नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों के अंदर अपने कागजात दिखाने की बात कही। नोटिसधारियों ने रजिस्ट्री, दाखिल खारिज और लगान रसीद दिखाया। वहीं एक ने गलत नापी का आरोप अंचल पर लगाया। मगर अंचल ने गंभीरता से कागजातों के पीछे के रिकॉर्ड को खंगाला और खतियान देखा तो परती नाले की भूमि पाई गई। इसके बाद अंचल ने जमाबंदी रद्द करने का प्रस्ताव एलआरडीसी को भेजा। अब, हजारों निगाहें लगी है पंचशील नगर की कारवाई पर टिकी है। पंचशील नगर के नाले पर बने घरों पर जिला प्रशासन क्या कारवाई करती है सबकी निगाहें लगी है कि पंचशील नगर के बनहोरा नाले पर बने घर टूटेंगे या रहेंगे।

समुद्र का फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा लेंगे तो अपनी हो जाएगी क्या : संतोष कुंमार

जिला कोर्ट के एडवोकेट संतोष कुमार से राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता ने पूछा कि खतियान में परती नाले का जिक्र है। उसी खतियान के प्लॉट में घर बनाया गया रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज करा ली गई। वहीं लगान रसीद कटने लगी है तो क्या यह वैध हो गई। श्री कुमार ने कहा कि समुद्र की रजिस्ट्री करा लेंगे तो समुद्र उनका हो जाएगा क्या। नदी नाले पर किसी भी तरह से अतिक्रमण करना कानून के खिलाफ है और इस पर बड़ी कारवाई होती है।

नोटिसधारियों ने दिखाए कागजात, बताया वैध

नोटिसधारियों ने हेहल अंचल से नोटिस मिलने और तीन दिनों के अंदर अपने जमीन के कागजात दिखाने को कहा तो सभी नोटिसधारियों ने जमीन का रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज और लगान रसीद दिखाया और कहा कि हमारे पास सारे कागजात हैं जो वैध हैं। वहीं एक ने हेहल अंचल पर गलत नापी का आरोप लगाया।

न्यूज बॉक्स

रिम्स में क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण का आयोजन

रांची। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में 10 बेड आईसीयू परियोजना के अंतर्गत एक व्यापक क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह परियोजना विशेष रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों की गहन चिकित्सा (क्रिटिकल केयर) क्षमताओं को सशक्त बनाने हेतु शुरू की गई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 बेड आईसीयू पहल का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसकी संकल्पना कोविड-19 महामारी की डेल्टा लहर के दौरान की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य देशभर के माध्यमिक सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह सुसज्जित 10-बिस्तरों वाले आईसीयू की स्थापना कर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवा की खाई को पाटना है। झारखंड में यह क्षमता-विकास पहल कोल इंडिया के उदार योगदान और झारखंड सरकार के सशक्त नेतृत्व एवं सहयोग से लागू की जा रही है। इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में रांची, गुमला, लातेहार, चतरा और खूंटी के पाँच सदर अस्पतालों को शामिल किया गया है, जिन्हें रिम्स रांची में स्थापित टेली-आईसीयू हब से जोड़ा गया है। परियोजना शुरू होने से पहले, इन सभी अस्पतालों में आधुनिक क्रिटिकल केयर उपकरण, केयर ईएमआर प्लेटफॉर्म और एकीकृत टेली-आईसीयू प्रणाली स्थापित की गई है। यह डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर रोगियों को तृतीयक स्तर के विशेषज्ञों से दूरस्थ परामर्श उपलब्ध कराता है, जिससे समय पर और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली चिकित्सा संभव हो पाती है। रिम्स रांची में आयोजित प्रशिक्षण में पाँचों सदर अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों, फिजिशियन और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया।

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर लगा

रांची। सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिकायत निवारण शिविर के दौरान सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई। इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। इस शिविर में प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया। सीसीएल प्रबंधन की यह सोच है कि अगर हम अपने कर्मचारियों एवं हितधारकों के समस्याओं का तीव्र गति से निपटारा करेंगे तो इससे कम्पनी का समावेशी विकास होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान था। शिविर में सीसीएल मुख्यालय कविता गुप्ता, संजय कुमार चौबे, गौतम चौधरी, शिखा अवस्थी, अनुज कुमार, मोहन कुमार, शैलेन्द्र कुमार अमला अधिकारी, सुमन कुमार सिंह, दीपक कुमार, दीपक गिरी, निखिल अखौरी, रानी चौबे, अंकिता राउत, गरिमा सिंह, तथा मजदूर संगठन के प्रतिनिधि थे।

मालागासी रक्षा बलों की स्थापना कार्यक्रम में शामिल हुए संजय सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेडागास्कर में मालागासी रक्षा बलों की स्थापना के 65 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों और राजनयिकों के सम्मान में मालागासी सशस्त्र बलों के मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल साहिवेलो लाला मोंजा डेल्फिन द्वारा रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में भारत के सैन्य अधिकारियों के साथ फ्रांस, अमेरिका, चीन, मिस्र और दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। भारत की जनता के तरफ से रक्षा बलों को बधाई और शुभकामनाएं दिया।

संजय सेठ ने दी रथयात्रा की शुभकामनाएं

रांची। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध अद्भुत और अनूठे रथयात्रा महोत्सव की केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुभकामनाएं दीं। श्री सेठ ने कहा सदियों से चली आ रही यह यात्रा हमारी एकता, आस्था के साथ सांस्कृतिक पहचान है। समाजिक समरसता की बेजोड़ झलक इस यात्रा में दिखती है। भगवान जगन्नाथ सम्पूर्ण जगत का कल्याण करें।

इरफान अंसारी और बेला प्रसाद गुरुजी से मिलने दिल्ली पहुंचे

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू के निर्देशानुसार झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद एवं झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शुक्रवार को देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली पहुंचकर दोनों वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात करेंगे, जो वर्तमान में गंगा राम अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुजी की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं चल रही है और उनका इलाज जारी है। दिल्ली रवाना होने से पूर्व डॉ. इरफान अंसारी ने कहा की "गुरुजी झारखंड के निर्माता हैं, हमारे सर्वस्व हैं। ऐसे समय में जब उनकी तबीयत नाजुक है, हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनका हालचाल लेने दिल्ली जाएं।

सार्थक काम करते हुए बेहतर जीवन जी सकते हैं : बीके राजमती

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय कांके पिठौरिया बाडू नवा टोली के द्वारा प्रथम मुख्य प्रशाशिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की पुण्य तिथि मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम कि संचालिका बीके राजमती बहन ने कहा कि मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए हम हर कार्य को एक सार्थक और बेहतर जीवन जीने के लिए कर सकते हैं।जीवन में सुख शांति की अनुभूति एवं अपने कर्म को श्रेष्ठ बनाने के लिए संस्था द्वारा सिखाए जा रहे आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में धारण करने पर विशेष बल दिया। क्योंकि हमारे कर्म ही सुख दुख का आधार और श्रेष्ठ व सुखद जीवन का आधार है, श्रेष्ठ कर्म मम्मा की विशेषता वो को जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बी के राजमती बहन ने उनके बचपन पर भी प्रकाश डाला, बचपन में उनका नाम राधा था। छोटी सी उम्र में में ब्रह्माकुमारी ज्ञान में आई और सर्वस्व जीवन ईश्वरीय करी अर्थ समर्पित की।

जान में आते ही संस्था की जिम्मेदारीयों को जीवन में ऐसे डाला कि छोटी सी उम्र की कुमारी, मम्मा का टाइटल प्राप्त किया। यज्ञ रक्षक मातेश्वरी जगदंबा ने इस धरा पर युगांतकारी परिवर्तन का संवाहक बनकर हजारों आत्माओं को मानस पटल पर परमपिता शिव के ईश्वरीय ज्ञान की जो अमिट छाप लगाई है,वह वर्तमान समय में लाखों मनुष्य आत्माओं के जीवन को आलोखिक कर रहा है। इस प्रकार मातेश्वरी जगदंबा के रूप में परमात्मा ने इस संसार में ब्रह्मा वत्सो तथा लाखों मनुष्य आत्माओं को मातृत्व की सुखद आंचल की छत्र छाया की पालना करके अपने ममता छाई स्वरूप को प्रकट किया। मौके पर भक्तों ने मातेश्वरी जगदंबा जी के तस्वीर पर पुष्पांजलि कर उन्हें याद किया। इस अवसर उर्मिला देवी, कविता सेन, लीला देवी, देवंती देवी, मंजू देवी सहित कई संस्था के सदस्य उपस्थित थे ।

सीआईआई ने विश्व एमएसएमई दिवस मनाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व एमएसएमई दिवस 2025 पर सीआईआई झारखंड ने एमएसएमई को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर एक सत्र आयोजित किया, जिसका उद्देश्य एमएसएमई को आवश्यक उपकरण, अंतर्दृष्टि और रणनीतियों के साथ सशक्त बनाना था, ताकि विकास को गति दी जा सके और गतिशील कारोबारी माहौल में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके। इस सत्र में एमएसएमई को सब्सिडी, जेडईडी और लीन प्रमाणपत्र, वित्तीय पहुंच और कुशल जनशक्ति पर अंतर्दृष्टि के साथ सशक्त बनाया गया - जिससे आज के उभरते कारोबारी परिदृश्य में सतत विकास, परिचालन दक्षता और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता को सक्षम बनाया जा सके। सीआईआई झारखंड राज्य परिषद के उपाध्यक्ष और वैदेही मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलू पारिख ने अधिक वित्तीय पहुंच, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, कौशल विकास और डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और एमएसएमई को स्थायी रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने, लचीलापन बनाने और एमएसएमई को उभरते अवसरों से जोड़ने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सीआईआई की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सीआईआई जमशेदपुर जोनल काउंसिल के उपाध्यक्ष और सीटीसी प्रेज़िशन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विशाल कुमार अग्रवाल ने झारखंड के एमएसएमई को सशक्त बनाने में "कनेक्ट, सहयोग और विकास" विषय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए नीति समर्थन, कौशल विकास, डिजिटल अपनाने और इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों में नवाचार के महत्व को स्वीकार किया।

राधा कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं में बंटा खिचड़ी का महाभोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में प्रणामी ट्रस्ट की ओर से जगन्नाथ रथयात्रा पर्व शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्री राधा कृष्ण का भव्य श्रृंगार, विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, महाआरती और खिचड़ी महाभोग प्रसाद का आयोजन किया गया। पुजारी अरविंद पांडे ने भगवान को फल, मेवा, चूरमा, पंचामृत व पेड़ा का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि रथयात्रा का यह पर्व समरसता, सेवा और भक्ति का प्रतीक है। मौके पर संस्था के डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम सरला बिरला स्कूल का मंच वीर नारियों की गाथाओं से गूंजा, बोले प्रो. (डॉ) गोपाल पाठक

छात्रों के चरित्र निर्माण में अभिभावकों की भी है भागीदारी

- रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई

नवीन मेल संवाददाता

देश की वीर बेटियों की गाथाओं को बच्चों ने दी बेहतर प्रस्तुति

प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा, देश की वीर बेटियों की गाथाओं को मंच पर जीवंत कर बच्चों ने जिस समर्पण व आत्मविभोरता से प्रस्तुत किया, वह प्रशंसनीय है। आज आवश्यकता है कि हम बच्चों में बचपन से ही साहस, श्रद्धा और सेवा जैसे गुणों का बीजारोपण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे उन लोगों के प्रति आभारी रहें जो उनकी गलतियों को सुधारकर उनके चरित्र को आकार देते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे उनकी परवाह करते हैं और चाहते हैं कि वे खुद का एक आदर्श संस्करण बनें।

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में वात्सल्यम्-2 के अंतर्गत ग्रैण्डपैरेंन्ट्स डे का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन "एमपावेरिया - भारतीय नारियों की गौरवगाथा" विषय पर केंद्रित था। इस अवसर पर रथ यात्रा उत्सव को भी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समन्वय और परंपराओं की झलक को सुंदरता से मंचित किया। इसके उपरांत विद्यालय की उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन वाइस हेड बॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक, सह-पाठ्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों का विस्तार से वर्णन किया गया। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया और उनकी प्रेरक सफलता की कहानियाँ भी साझा की गईं। पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास की महान नारियों की गाथाओं को बड़ी आत्मीयता और जीवंतता से प्रस्तुत किया। मंच पर मीरा बाई की श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, नायकी देवी के साहस, रानी राशमोनी के सामाजिक योगदान, जीजा बाई के प्रेरणादायी नेतृत्व, रानी गाइडिन्ल्यू के देशभक्तिपूर्ण योगदान और माता भागो की वीरता की अत्यंत सजीव व सराहनीय प्रस्तुति अभिनय के माध्यम से दर्शाई गई।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने कहा कि छात्रों का चरित्र निर्माण केवल शिक्षकों की ही नहीं, अपितु अभिभावकों की भी समान भागीदारी का विषय है। जब परिवार और विद्यालय एकरूप होकर मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं, तभी एक सशक्त, जागरूक और संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण संभव होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की वीरांगनाओं की त्याग-तपस्या, साहस और योगदान से हम सबको प्रेरणा लेकर ऐसी संतानों का निर्माण करना चाहिए जो देश की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

पृष्ठ एक के शेष

जनता जनार्दन के बीच...

रथ का रस्सी बंधन किया, और फिर रथ को खींचने का कार्यक्रम शुरू हुआ। धीरे-धीरे रथ चलाया गया और शाम छह बजे रथ मौसी बाड़ी पहुंचाया गया। शाम 6:46 से 7:00 बजे तक सभी श्रीविग्रहों का रथ से उतारकर मौसीबाड़ी मंदिर में प्रवेश कराया गया। रात में 8:00 बजे वैधानिक तरीके से 108 मंगल आरती के बाद भगवान की शयनम प्रक्रिया पूरी हुई। मुख्य पुजारी के अनुसार, महाभोग में 56 प्रकार के व्यंजन भगवान को अर्पित किए गए। इनमें चावल, दाल, सब्जी, खीर, लड्डू और फल सहित अन्य चीजें शामिल थीं।

ज्ञात हो कि वर्ष 1691 में बड़कागढ़ रियासत के नागवंशी राजा ठाकुर एनी नाथ शाहदेव ने रथयात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद से रथयात्रा की यह पौराणिक परंपरा अब तक कायम है।

सांस्कृतिक, पारंपरिक जीवनशैली का संगम है जगन्नाथपुर रथ मेला : जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेले में ग्रामीण जीवन की समृद्ध विरासत और कारीगरी भी दिखाई पड़ती है। मेला परिसर में बहुत से सामानों की बिक्री होती है, जिसमें पईला, मांदर, ढोल, नगाड़ा, झंझरा, तीर-धनुष, कुमनी, बंशी, जैसी आकर्षक वस्तुओं मिलती हैं। दूर-दराज के इलाकों से आए लोग पारंपरिक चीजों की खरीदारी करते हैं। मेले में बिक रहीं ये वस्तुएं न केवल ग्रामीण संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि सैकड़ों कारीगरों की जीविका का साधन भी है।

लोहरदगा में दादी और पोते...

मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटनास्थल से सुराग जुटाए जा रहे हैं। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन अनुसंधान के बाद वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। इस दोहरे हत्याकांड से भक्सो डूमरटोली गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीण भयभीत हैं और घटना को लेकर गुस्सा भी व्यक्त कर रहे हैं। लोगों की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए।

हरकट्ठा जंगल में जेजेएमपी...

एसडीपीओ किस्को वेदांत शंकर (भापुसे) ने किया। साथ ही, जी कंपनी, सशस्त्र सीमा बल किस्को के कमांडर इंस्पेक्टर मनीष कुमार चौबे, जोबांग के थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, कैरो के कुलदीप राज टोप्पो, पेशरार के गैलन रजवार, बगरू के नरेश कुमार यादव, तकनीकी शाखा, क्यूएटी बड़कीचांपी, एसएटी-75 एवं अन्य बल शामिल थे। जब छापामारी दल हरकट्ठा से आगे बढ़ते हुए लातेहार जिला अंतर्गत ग्राम केदलीटोली पहुंचा, तो उग्रवादियों द्वारा पुलिस बल को लक्ष्य कर गोलीबारी की गई। जवाबी कार्रवाई में बलों द्वारा सतर्कता के साथ फायरिंग की गई, जिससे जंगल एवं अंधेरे का लाभ उठाकर नक्सली भाग निकले। सर्च ऑपरेशन में एसएलआर मैगजीन - 1, 7.62 मिमी की 51 जिंदा गोली, 7.62 के 2 खोखा, इंसास राइफल के 2 खोखा, एके 47 का 1 खोखा, मैगजीन पाउच - 1, एंड्रॉयड मोबाइल - 5, कीपैड मोबाइल - 3, वॉकी-टॉकी - 1, पावर बैंक - 1, नकद 3100 रुपए, नक्सली पर्चा, डायरी और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री बरामद किया गया है। पुलिस ने सभी जब्त सामग्रियों की सूची बनाकर उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत कब्जे में लिया है और पेशरार थाना कांड संख्या 04/25 दिनांक 27.06.2025 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसपी कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि यह अभियान राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे व्यापक नक्सल/उग्रवादी विरोधी अभियान का हिस्सा है। नक्सलियों/उग्रवादियों की गतिविधियों पर पूरी नजर रखी जा रही है। लोहरदगा पुलिस राज्य को नक्सल/उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए कृतसंकल्पित है और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

बाउंड्री कैच से लेकर कन्कशन प्रोटोकॉल तक

आईसीसी ने सभी प्रारूपों में खेल की परिस्थितियों में बदलाव की घोषणा की

दुबई (आईएएनएस)

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट और व्हाइट-बॉल दोनों प्रारूपों के लिए वनडे में गेंदों के उपयोग, बाउंड्री कैच और कन्कशन रिप्लेसमेंट के संबंध में कई बदलावों की घोषणा की है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है खेल की गति और ओवर रेट को तेज करने के प्रयासों में, सबसे लंबे प्रारूप को तेज करने के लिए स्टॉप क्लॉक। स्टॉप क्लॉक, जिसे व्हाइट-बॉल क्रिकेट में पहले ही सफलतापूर्वक आजमाया जा चुका है, अब टेस्ट में एक स्थायी विशेषता बन गई है। फील्डिंग करने वाली टीमों को पिछले ओवर को पूरा करने के 60 सेकंड के भीतर एक नया ओवर शुरू करना होगा। इसका पालन न करने पर पेनल्टी लगाई जाएगी, प्रति पारी दो चेतावनियां, उसके बाद हर उल्लंघन के लिए पांच रन का जुर्माना। ये चेतावनियां हर 80 ओवर के बाद नई गेंद की उपलब्धता के अनुसार रीसेट हो जाएंगी। यह बदलाव देरी को कम करने और तेज ओवर रेट को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है, जो टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से चली आ रही चिंता है।

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में, दो गेंदों का उपयोग पहले 34 ओवरों तक सीमित रहेगा। फिर फील्डिंग टीम अंतिम 16 ओवरों के लिए उनमें से एक गेंद का चयन करेगी। नए नियमों के अनुसार, बाउंड्री के पार गेंद के साथ हवा में संपर्क बनाने वाले किसी भी क्षेत्ररक्षक को कैच पूरा करने के लिए पूरी तरह से खेल के मैदान में उतरना होगा। यदि वे बाहर निकलते हैं और फिर से छलांग लगाते हैं, तो वे मैदान के अंदर उतरने से पहले केवल एक बार और गेंद के साथ संपर्क कर सकते हैं। टीमों को अब कन्कशन सब्स्टीट्यूट को पहले से ही नामांकित करना होगा। इसके अतिरिक्त, कन्कशन से पीड़ित खिलाड़ी को खेलने के लिए वापस लौटने से पहले कम से कम सात दिन तक स्टैंड-डाउन रहना होगा। गेंदबाज को डिलीवरी से पहले या डिलीवरी के दौरान इधर-उधर घूमते हुए देखने वाले गेंदबाज को रियायत देने के प्रयास में, व्हाइट-बॉल प्रारूपों में एक नया वाइड बॉल नियम लागू किया जाएगा। परिवर्तनों के हिस्से के रूप में, डिलीवरी के बिंदु पर बल्लेबाज के पैरों की स्थिति को अब वाइड के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में उपयोग किया जाएगा, भले ही बल्लेबाज बाद में ऑफ साइड में चला जाए। ट्रायल में देखा जाएगा कि लेग स्टंप और प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर के बीच पॉपिंग क्रीज से गुजरने वाली गेंद को वाइड नहीं कहा जाएगा। इसमें मदद करने के लिए, प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर लाइन को पॉपिंग क्रीज तक बढ़ाया जाएगा और यह अंपायरों के लिए एक गाइड के रूप में काम करेगा।

1. टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक लागू : फील्डिंग टीम को 60 सेकंड के भीतर नया ओवर शुरू करना होगा।
हर पारी में दो चेतावनी के बाद प्रति उल्लंघन पांच रन की पेनल्टी लगेगी।
चेतावनियां हर 80 ओवर के बाद नई गेंद के साथ रीसेट होंगी।

2. वनडे में गेंदों के उपयोग का नया नियम : दो गेंदों का उपयोग पहले 34 ओवरों तक सीमित रहेगा।
अंतिम 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम एक गेंद का चयन करेगी।

3. बाउंड्री कैच के नियम में बदलाव : बाउंड्री के बाहर गेंद से हवा में संपर्क करने वाला खिलाड़ी मैदान के अंदर उतरना जरूरी होगा।
दोबारा छलांग लगाने की स्थिति में केवल एक बार गेंद से संपर्क की अनुमति होगी।

4. कन्कशन रिप्लेसमेंट के नए निर्देश : कन्कशन सब्स्टीट्यूट को अब पहले से नामांकित करना अनिवार्य।
कन्कशन से पीड़ित खिलाड़ी कम से कम सात दिन तक नहीं खेल सकेगा।

5. व्हाइट-बॉल क्रिकेट में वाइड बॉल का नया नियम : बल्लेबाज के डिलीवरी के समय पैर की स्थिति वाइड के लिए मानी जाएगी।
लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद, पॉपिंग क्रीज के संदर्भ में वाइड मानी जाएगी या नहीं, इसका ट्रायल होगा।

6. प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर का विस्तार : प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर अब पॉपिंग क्रीज तक बढ़ाया जाएगा।
यह अंपायरों के लिए वाइड बॉल निर्धारण में मार्गदर्शक होगा।

जसपाल राणा: भारत का मशहूर निशानेबाज जिसने मनु भाकर को बनाया ओलंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली । जसपाल राणा भारत के मशहूर निशानेबाज हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में यादगार प्रदर्शन करते हुए राणा ने देश में निशानेबाजी को लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस खेल को अलविदा कहने के बाद वे बतौर कोच सक्रिय हैं। 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे जसपाल राणा ने 12 साल की उम्र में सिल्वर मेडल जीत राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शानदार शुरुआत की थी। राणा ने 1988 में 31वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में सिल्वर जीता था। 1994 में इटली के मिलान में आयोजित विश्व निशानेबाजी प्रतियोगिता में जूनियर स्तर पर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बनाते अपना नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाया। जसपाल राणा ने 1996 में अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राणा 1994 एशियन गेम्स में 1 जबकि 2006 एशियन गेम्स में 3 गोल्ड जीते थे। 2006 में उन्होंने एक सिल्वर भी जीता था। 1998 एशियन गेम्स में सिल्वर, 1994 और 1998 एशियन गेम्स में उन्होंने ब्रांज मेडल जीता था। राष्ट्रमंडल खेलों भी जसपाल राणा का शानदार प्रदर्शन रहा है। 1994 से लेकर 2006 के बीच चार राष्ट्रमंडल खेलों में 9 गोल्ड जीते। 2002 में मेलबर्न में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में उन्होंने 4 गोल्ड मेडल जीते थे।

जूनियर मुक्केबाजी नेशनल चैंपियनशिप

सर्विसेज के लड़के और लड़कियों का 'गोल्डन' प्रदर्शन

रोहतक (आईएएनएस)

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने जूनियर (अंडर-17) लड़कों और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम रखा और लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरे। सर्विसेज ने लड़कों के वर्ग में टीम खिताब फिर से हासिल किया और लड़कियों की श्रेणी में निर्णायक जीत हासिल की। उन्होंने पिछली विजेता हरियाणा को हराकर पहला स्थान पाया। हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा। सर्विसेज की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए रोहतक स्थित नेशनल बॉक्सिंग एकेडमी में हुए हफ्ते भर के टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों में 9-9 पदक जीते। लड़कों की टीम ने 6 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीते, जबकि लड़कियों ने 4 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। लड़कों की चैंपियनशिप में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा, वहीं लड़कियों में मणिपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों के मुकाबले में कई जानी-पहचानी खिलाड़ियों का प्रदर्शन छाया रहा, जिन्होंने हाल ही में एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। दिल्ली की अहाना शर्मा ने 50 किग्रा वर्ग में शानदार जीत हासिल की। उत्तराखंड की खुशी चंद ने 46 किग्रा में 3-2 से करीबी जीत दर्ज की, और हरियाणा की अंशिका ने 80 प्लस किग्रा वर्ग में अपनी पकड़ बरकरार रखी। सर्विसेज की दोनों

BOXING FEDERATION OF INDIA

- **पिछली विजेता हरियाणा को हराकर पहला स्थान पाया**

टीमों की जीत में फाइनल में दमदार मुकाबलों ने अहम भूमिका निभाई। लड़कों की प्रतियोगिता में, एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में हाल ही में पदक जीतने वाले उधम सिंह राघव ने 54 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि साहिल दुहान (60 किग्रा), प्रियांश सेहरावत (70 किग्रा), जयदीप सिंह हंजरा (80 किग्रा) और राहुल (80+ किग्रा) ने भी शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। लक्ष्य बल्हारा ने 4-1 से अमन सिवाच को हराया, जबकि हरियाणा के आदित्य ने 52 किग्रा में टिकम सिंह को कड़े मुकाबले में मात दी। एसएससीबी की लड़कियों की टीम को नैतिक (52 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (54 किग्रा), हरसिका (60 किग्रा) और हमूर कौर (66 किग्रा) की शानदार जीत से मजबूती मिली, जिसमें से हरसिका ने तीसरे राउंड में स्टॉपेज स्कोर किया। 80 किग्रा वर्ग में प्राची खत्री की दमदार आर एससी जीत, साथ ही हिमांशी (70 किग्रा) और जिया (48 किग्रा) ने भी खिताब जीते, जो देश में उभरती महिला मुक्केबाजों की ताकत दिखाता है।

हम चीन के खिलाफ अपनी ताकत के अनुसार खेलेंगे: कप्तान सलीमा

बर्लिन । करो या मरो वाले डबल-हेडर में, भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई प्रतिद्वंद्वी चीन का सामना करेगी और 28 तथा 29 जून को बर्लिन में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) 2024-25 में अपनी हार का सिलसिला खत्म करने की उम्मीद करेगी। सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम अपने पुरुष हमवतन से प्रेरणा लेगी, जिन्होंने पिछले हफ्ते प्रो लीग में बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। इससे उन्हें अंक तालिका में आयरलैंड से आगे आठवें स्थान पर रहने में मदद मिली। चीन वर्तमान में प्रो लीग अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि भारत अंतिम स्थान पर है - नौवें स्थान पर, जबकि इंग्लैंड आठवें स्थान पर एक अंक से आगे है। दोनों टीमों ने अभी लीग में दो मैच नहीं खेले हैं। कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, "यह सप्ताहांत में हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण डबल-हेडर है। लेकिन हम भारतीय पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगे, जिसने बेल्जियम के खिलाफ एक प्रेरणादायक जीत हासिल की।

जिम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में एडम मिल्ने की वापसी

वेलिंग्टन (आईएएनएस)

न्यूजीलैंड ने अगले महीने जिम्बाब्वे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए एडम मिल्ने और बेवन जैकब्स को अपनी टीम में शामिल किया है, लेकिन टीम में केन विलियमसन और लॉकी फर्ग्युसन की गैरमौजूदगी रहेगी क्योंकि नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू करना चाह रहे हैं। विलियमसन फिलहाल मिडिलसेक्स के साथ हैं और बाद में लंदन स्पिरिट के लिए हंड्रेड में खेलेंगे। उन्होंने इस दौरे के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया है, जबकि फर्ग्युसन को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। काइल जेमीसन भी टीम में नहीं हैं क्योंकि वह अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं और बेन सीयर्स को साइड इंजरी हुई है। मिल्ने ने आखिरी बार फरवरी 2024 में

खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बुलाया गया था, जब उन्हें आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस ने चौंकाते हुए चुना था। कई खिलाड़ी जैसे ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र और कप्तान मिचेल सैंटनर, पाकिस्तान के खिलाफ मार्च में हुई सीरीज से चूकने के बाद वापसी कर रहे हैं, क्योंकि वे आईपीएल में व्यस्त थे। हालांकि डेवोन कॉन्वे को टीम में जगह नहीं मिली है। वॉल्टर ने कहा, "मुझे लगता है कि इस दौरे के लिए हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं टीम को एक साथ लाने और काम शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। टीम में अच्छा अनुभव है और यह भी अच्छा है कि हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों का स्वागत कर रहे हैं जो मार्च में आईपीएल के कारण पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेल सके। यह टी20 त्रिकोणीय सीरीज शानदार होनी चाहिए। दक्षिण अफ्रीका बहुत मजबूत टीम है और जिम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में अच्छा खेलता है। वॉल्टर को इसे महीने की शुरुआत में सभी प्रारूपों के लिए न्यूजीलैंड का कोच नियुक्त किया गया है। उन के कोचिंग स्टाफ में ल्यूक रोंची, जेकब ओरम और जेम्स फॉस्टर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह टी20 त्रिकोणीय सीरीज न्यूजीलैंड को "विभिन्न खिलाड़ियों और संयोजनों को आजमाने" का मौका देगी और विस्फोटक जैकब्स को डेब्यू करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने कहा, "बेवन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में भी खेलने अनुभव प्राप्त किया है। तो यह उनके लिए टीम में लौटने और संभवतः खेलने का अच्छा मौका होगा।

टी20 मैचों में ओवर कटने के बाद पावरप्ले अब गेंदों की संख्या के आधार पर

दुबई। पुरुषों के टी20 के पावरप्ले नियमों में कुछ अहम बदलाव हुए हैं। अब अगर बारिश या किसी अन्य कारण से पारी के ओवर कम किए जाते हैं, तो पावरप्ले को ओवर की बजाय गेंदों के आधार पर तय किया जाएगा। वर्तमान नियमों के अनुसार 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं। नए नियमों के अनुसार आठ ओवर की पारी में अब 2.2 ओवर का पावरप्ले होगा। इसी तरह नौ ओवर की पारी में 2.4 ओवर का पावरप्ले होगा। ये नियम जुलाई से प्रभावी होंगे। ऊपर दिए गए आठ ओवर के उदाहरण में, तीसरे ओवर की दो गेंदों के बाद अंपायर संकेत देंगे, जिसके बाद तीन अतिरिक्त फील्डर सर्कल के भीतर से बाहर जा सकेंगे। यह नियम इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में कई सालों से उपयोग किया जा रहा है।

बार्सिलोना और एथलेटिक क्लब में निको विलियम्स को लेकर संघर्ष

मैड्रिड (आईएएनएस)

एथलेटिक क्लब और एफसी बार्सिलोना के बीच जोरदार टकराव चल रहा है, क्योंकि बार्सिलोना स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विंगर निको विलियम्स को अपनी टीम में शामिल करना चाहता है। बार्सिलोना लगातार दूसरी गर्मियों में विलियम्स को साइन करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन एथलेटिक क्लब अपने स्टार खिलाड़ी की बिक्री पर बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में बार्सिलोना के पास खिलाड़ी के कॉन्ट्रैक्ट में तय की गई 58 मिलियन यूरो (करीब 68 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के रिलीज क्लॉज को एक्टिव करने का ही रास्ता बचा है। बार्सिलोना के लिए यह भी मुश्किल है, क्योंकि ला लीगा में वित्तीय नियम (फाइनेंशियल फेयर प्ले) बहुत सख्त हैं। डैनी ओल्मो को केवल तभी खेलने की छूट दी गई जब क्लब ने स्पेन की सुपीरियर स्पोर्ट्स कमेटी से अपील की, और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या क्लब अब खिलाड़ियों को हटाए बिना नए खिलाड़ियों को साइन करने की वित्तीय स्थिति में है। इसी बीच बार्सिलोना के स्पोर्टिंग डायरेक्टर डेको ने हाल ही में एक

इंटरव्यू में कहा था कि विलियम्स खुद एथलेटिक क्लब को बता चुके हैं कि वे बार्सिलोना आना चाहते हैं। इस बयान से एथलेटिक क्लब नाराज हो गया और उन्होंने ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन से बार्सिलोना की आर्थिक स्थिति की जांच करने को कहा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस पर बार्सिलोना के प्रेसिडेंट जोआन लापोर्ता भड़क गए।

व्यापार/लाइफ व साइंस

'अदाणी' भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बना

इंफ्रा और ग्रीन एनर्जी पर रहा फोकस

- अदाणी पावर ने 100 बिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का आंकड़ा पार किया।
- **यह उपलब्धि किसी भी निजी क्षेत्र की कंपनी द्वारा पहली बार हासिल की गई है।**
- अदाणी पावर भारत की पहली निजी कंपनी बनी जिसने यह रिकॉर्ड बनाया।

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू में 82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की 'सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025' रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अदाणी ब्रांड के मूल्य में वृद्धि 2023 में रिपोर्ट किए गए पूरे ब्रांड वैल्यूएशन से अधिक है, जिससे अदाणी समूह को पिछले वर्ष के 16वें स्थान से 13वें स्थान पर आने में मदद मिली है। कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, शानदार वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ अर्जित किया है इस सप्ताह अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की 33वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा, "वित्त वर्ष 2025 में, हमारे आंकड़े मजबूत थे।

हमारे सभी क्षेत्रों में, हमने केवल विस्तार से कहीं अधिक किया। हमने प्रभाव पैदा किया, बदलाव को प्रेरित किया और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को गहरा किया। समूह स्तर पर कंसोलिडेटेड आंकड़ों के संदर्भ में, राजस्व में 7 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और नेट डेट-टू-ईबीआईटीडीए रेश्यो 2.6 गुना पर स्वस्थ रहा। कुल राजस्व 2,71,664 करोड़ रुपए था और एडजस्टेड ईबीआईटीडीए 89,806 करोड़ रुपए था। गौतम अदाणी ने कहा, "हमारे सभी व्यवसायों में पूंजी निवेश सभी रिकॉर्ड को तोड़ने वाला है।

भारतीय शेयर बाजार 9 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा सेंसेक्स 84,000 के पार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए, बेंचमार्क सूचकांक नौ महीने के उच्चतम स्तर पर

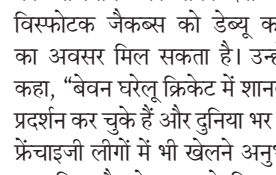

पहुंच गए। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और भारत-अमेरिका के बीच बड़े व्यापार समझौते की संभावना की खबरों के बीच निवेशकों का मूड सकारात्मक रहा, जिससे बाजार का भरोसा बढ़ा और खरीदारी को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स कारोबार के अंत में 303.03 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 83,645.41 से 84,089.35 के दायरे में कारोबार करता रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में लगातार चौथे सत्र में बढ़त दर्ज की गई, जो लगातार ऊपर की ओर रुझान दर्शाता है। निफ्टी में भी इसी तरह की तेजी देखी गई, जो 88.80 अंक या 0.35 प्रतिशत चढ़कर 25,637.80 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे ट्रेड में यह 25,523 और 25,654 के बीच रहा। एलकेपी सिक्योरिटीज के रूपक दे ने कहा, "निफ्टी लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है क्योंकि निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। 25,750-25,800 से पहले कोई बड़ा प्रतिरोध नहीं देखा गया है, इसलिए सूचकांक अपने ऊपर की ओर बढ़ने की राह पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में तेज उछाल के बाद मौजूदा स्तरों पर बाय-ऑन-डिप्स की रणनीति अधिक उपयुक्त प्रतीत होती है। नीचे की ओर, समर्थन 25,500 पर रखा गया है; इस स्तर से नीचे टूटने से कंसोलिडेशन हो सकता है। इससे पहले, सेंसेक्स ने अक्टूबर 2024 में 84,000 स्तर को छुआ था, जबकि निफ्टी पिछले साल 3 अक्टूबर को 25,639 पर पहुंच गया था।

नया एआई टूल कैंसर के इलाज में लाएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

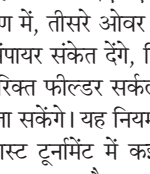

(एआई) टूल बनाया है, जो कैंसर के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यह नई तकनीक कैंसर के इलाज में एक बड़ी समस्या को हल करती है, कई बार ट्यूमर में एक जैसी नहीं, बल्कि अलग-अलग तरह की कोशिकाएं होती हैं। इसे 'ट्यूमर हेटेरोजेनेटी' कहा जाता है। हर तरह की कोशिका इलाज पर अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया करती है। कुछ कोशिकाएं इलाज से मर जाती हैं, लेकिन कुछ बच जाती हैं, जो आगे चलकर कैंसर की वापसी का कारण बनती हैं। 'एएनेट' नाम का एआई टूल ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च और अमेरिका की येल स्कूल ऑफ मेडिसिन ने मिलकर बनाया है। यह टूल कैंसर की हर एक कोशिका के अंदर होने वाली जीन की गतिविधि को गहराई से अध्ययन करेगा।

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च टीम ने बताया कि इस एआई टूल की मदद से ट्यूमर के अंदर 5 अलग-अलग तरह की कोशिकाएं पाई गईं। हर एक का अपना अलग व्यवहार और फैलने के अलग-अलग खतरे थे। पुराने तरीकों से डॉक्टर सभी कैंसर कोशिकाओं को एक जैसा मानकर इलाज करते थे, लेकिन अब इस नई तकनीक से बेहतर इलाज किया जा सकेगा। गारवन इंस्टीट्यूट की एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस्टीन चैफर ने बताया, "ट्यूमर हेटेरोजेनेटी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि ट्यूमर का इलाज सभी कोशिकाओं को एक जैसी मानकर किया जाता है। इसके तहत, हम एक ऐसी थेरेपी देते हैं, जो ट्यूमर की ज्यादातर कोशिकाओं को एक खास तरीके से मारती है।

आईआईटी-बीएचयू के वैज्ञानिकों ने बनाए खून का थक्का बनने से रोकने वाले नैनो पार्टिकल्स

नई दिल्ली (आईएएनएस)

उत्तर प्रदेश के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी)-बीएचयू के बायोमेडिकल इंजीनियरों ने एक खास तरह के नैनो पार्टिकल्स विकसित किए हैं। यह नैनोपार्टिकल खून के थक्के बनने से रोक सकते है और थ्रोम्बोटिक विकारों (खून के थक्के जमने से होने वाली बीमारियां) का इलाज भी कर सकते हैं। यह कम लागत वाले नैनो पार्टिकल्स ब्लड को तरल अवस्था में रखने और चिकित्सा उपकरणों की दक्षता बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने नैनो पार्टिकल्स को बनाया, जिन्हें पोटेशियम फेरिक ऑक्सलेट नैनो पार्टिकल्स कहा जाता है। ये खून को जमने से रोकने में मदद करते हैं, जिसे एंटीकोगुलेशन गुण कहते हैं। इसका मतलब है कि ये खून को पतला रखने में सहायक हो सकते हैं, ताकि वह रक्त वाहिकाओं में आसानी से बहे और रुकावट न आए।